

रामायणम की 'माता कैकई' ने कर दी भविष्यवाणी , 4000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन करेगी फिल्म

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 26
न्यूनतम - 15

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 321 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर गुरूवार 19 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 10 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

आजम को जमानत पर रहने दें, आसमान नहीं टूट पड़ेगा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ बुधवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी को जज ने फटकार लगाई। कहा कि इतनी जल्दी क्या है, आजम को जमानत पर रहने दीजिए, कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ईडी मामले में तुरंत सुनवाई की मांग कर रही थी। ईडी के वकील एसवी राजू ने कोर्ट से कहा कि



इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश जल्दबाजी में पारित किया। हमें पूरा जवाब दाखिल करने का समय भी नहीं मिला। यह अंतरिम नहीं, अंतिम आदेश जैसा था। इसलिए इस मामले को तुरंत ही सुना जाना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मामले को कल सुनने के लिए कहा तो एसवी राजू ने कहा- तब तक रिहाई पर रोक लगा दीजिए, वरना वह जेल से बाहर आ जाएंगे।

सीजेआई पर टिप्पणी मामले में वकील को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सीजेआई सूर्यकांत पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले वकील को बुधवार को अवमानना नोटिस जारी किया। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की याचिका पर हुई। सीजेआई ने वकील के



खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता, जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की तीन जजों की बेंच ने वकील से जवाब मांगा। कोर्ट ने नोटिस का जवाब देने के लिए 20 जनवरी 2027 की तारीख तय की। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत से तीखी बहस की। वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई चाहते थे। कोर्ट में जब सीजेआई ने उन्हें इंतजार करने को कहा तो वकील ने नाराजगी जताई।

आर्मी यूनिफॉर्म भारतीय सेना ने 2023 में किए बदलाव को वापस लेने का किया फैसला

आर्मी के सीनियर ऑफीसर्स की फिर से बदलेगी ड्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने वरिष्ठ अफसरों की ड्रेस में 2023 में किए बदलाव वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश 1 दिसंबर से लागू

● 1 दिसंबर से गोरखा हैट, मैरून-ब्लैक बेरेट व रेजिमेंटल पहचान फिर लौटेगी

होगा। 13 नवंबर के पत्र पर आधारित आंतरिक आदेश के मुताबिक, गोरखा राइफल्स के जनरल फिर अपनी पहचान वाली हैट पहन सकेंगे। स्पेशल फोर्सेज के वरिष्ठ अफसर मैरून बेरेट और बख्तरबंद रेजिमेंट के अफसर ब्लैक बेरेट पहन सकेंगे। वरिष्ठ अफसर अधिकृत वर्दी के साथ अपनी पारंपरिक रेजीमेंट या कोर से जुड़े चिन्ह भी लगा सकेंगे। यह बदलाव ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के अफसरों पर लागू होगा। 2023 में सेना ने वरिष्ठ नेतृत्व के लिए एक जैसी पहचान बनाने के लिए वर्दी के कई सामान एक जैसे कर दिए थे। उस नीति में अफसरों की मूल रेजिमेंट और सर्विस की पहचान दिखाने वाले चिन्ह हटा दिए गए थे। **पिछले हफ्ते एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलने का फैसला हुआ था-** ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर



काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। नेशनल सिक्योरिटी गार्ड ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी।

इसी साल भारतीय फौज की फॉर्मल ड्रेस में बंदी जैकेट शामिल हुई

इसी साल जून में भारतीय सेना ने 174 पेज की नई 'आर्मी यूनिफॉर्म-2026' बुक में कॉलोनियल एरा के नियमों में भी बदलाव किया था। नए नियमों में रिव्यूइंग ऑफीसर के लिए परेड में तलवार रखना वैकल्पिक कर दिया गया है। वहीं, कुछ मैस ड्रेस के साथ इस्तेमाल होने वाली पाउच बेल्ट हटाई गई है। इसके साथ ही रॉयल जैसे पुराने शब्दों का इस्तेमाल बंद किया गया है। पहली बार फॉर्मल सिविल ड्रेस में स्वदेशी बंदी जैकेट को भी शामिल किया गया है। बंद गले वाली बंदी जैकेट को फुल स्लीव शर्ट, फॉर्मल ट्राउजर और बंद जूतों के साथ पहना जा सकेगा। सेना इससे पहले फरवरी 2023 में भी कई पुरानी परंपराएं खत्म कर चुकी है। इनमें समारोहों में घोड़ा-गाड़ी का इस्तेमाल, रिटायरमेंट के दौरान 'पुल आउट' इवेंट और डिनर में पाइप बैंड की परंपरा शामिल थी।

कश्मीर घाटी में लश्कर का आखिरी आतंकी भी ढेर

● मस्जिद में घिर चुका था लश्कर कमांडर लतीफ ● सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारा गया मोस्ट वांटेड ● सीआरपीएफ की एक पोस्ट में हमले का था आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को सीआरपीएफ की पेट्रोलिंग टीम पर हमला करने वाला आतंकी लतीफ भट एनकाउंटर में ढेर हो गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, लतीफ जिस मस्जिद में छिपा था वहां से जैसे ही वह बाहर आया तो सुरक्षाबलों ने उसे मार गिराया। बुधवार सुबह से ही खुफिया जानकारी के आधार पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्स का संयुक्त ऑपरेशन कुलगाम जिले के देवसर में जंगलपोरा गांव में चल रहा था। सुरक्षाबलों ने लतीफ को इस इलाके में घेर लिया था, जिसके बाद उसने इलाके में स्थित एक मस्जिद में शरण ले ली।



● **सुरक्षाबलों को डेडबॉडी के पास मिला हथियार-** कश्मीर जोन पुलिस की ओर से इस एनकाउंटर से जुड़ी जो जानकारी साझा की गई है उसमें बताया गया है कि जिस जगह मुठभेड़ चल रही थी वहां एक आतंकी को मार गिराया गया है। सुरक्षाबलों ने आतंकी की डेडबॉडी को रिकवर कर लिया है। उसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ है।

लतीफ ने सरेंडर करने से कर दिया था इनकार

इस एनकाउंटर से पहले लतीफ को सरेंडर करने का विकल्प भी मिला था। इंडियन आर्मी के हवाले से सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसमें सुरक्षा अधिकारी लतीफ भट से वीडियो कॉल के जरिए सरेंडर करने की अपील कर रहे हैं, लेकिन लतीफ सरेंडर करने से इनकार कर रहा है। मुठभेड़ से की गई इस वीडियो कॉल में अधिकारियों को कहते हुए सुना जा सकता है कि अगर तुम सरेंडर कर दोगे तो तुम्हारी जान बख्श दी जाएगी, लेकिन लतीफ ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया।

अमेरिका में राहुल बोले-आर्थिक संकट की कगार पर पहुंचा भारत

● कहा-बेरोजगारी और एजुकेशन सिस्टम भी है बड़ी समस्या

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा है कि भारत आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके पीछे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी खामियां हैं। युवाओं में बढ़ती निराशा की मुख्य वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल गांधी ने यह बात बुधवार को न्यूयॉर्क में कोलंबिया यूनिवर्सिटी में छात्रों और फैकल्टी के सामने



कही। राहुल अमेरिका के दो दिन के दौरे पर हैं। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने जालंधर में कहा, 'राहुल विदेश में जाकर भारत की छवि खराब करते हैं। वो भारत की इकोनॉमी को डिजास्टर बताते हैं, लेकिन भारत नहीं उनकी सोच डिजास्टर है।'

वोटों के अंतर को बताया असंभव

राहुल ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा, 'अचानक 5 लाख वोटों का मार्जिन मिल जाना संभव नहीं है। चुनावी नतीजों और वोटों के आंकड़ों को लेकर हमारी पार्टी (कांग्रेस) के पास कई सवाल हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के कई सबूत हैं। इन्हें सामने लाने के लिए हम काम कर रहे हैं।' राहुल ने कहा, 'हमारा मकसद देश की चुनावी व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना है। चुनावी व्यवस्था को ठीक किए बिना कुछ नहीं हो सकता।

● **युवाओं को अपना भविष्य नहीं दिख रहा-** राहुल ने कहा, युवाओं में मौजूदा हालात को लेकर निराशा है। इनमें एक वर्ग मध्यमवर्गीय परिवारों से आता है और उसने औपचारिक शिक्षा हासिल की है। हम इस पर अध्ययन कर रहे हैं और इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी सबसे अहम वजह यह है कि उन्हें अपना भविष्य नजर नहीं आता। राहुल ने कहा, 'करियर को लेकर युवाओं और उनके माता-पिता के बीच दूरी बढ़ रही है। युवा पिछली पीढ़ी की सलाह और उसके अनुभवों पर सवाल उठा रहे हैं।

नमो भारत आसान करेगी दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर

● 150 किमी कॉरिडोर का प्राथमिक सर्वे शुरू, खुलेगा नया रास्ता



मेरठ (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले लोगों के लिए नमो भारत रैपिड ट्रेन से सफर का रास्ता खुल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश तक नमो भारत कॉरिडोर बनाने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रूट के लिए दो विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। पहला विकल्प मेरठ के मोदीपुरम स्टेशन से दौराला, खतौली, मुजफ्फरनगर और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक ट्रेन पहुंचाने का है। वहीं, दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के रास्ते सीधे रुड़की और हरिद्वार होते हुए ऋषिकेश तक अलग कॉरिडोर बनाने की संभावना तलाशी जा रही है।

मोदीपुरम से हरिद्वार तक रूट जोड़ने की तैयारी

दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर की शुरुआत 22 फरवरी 2026 को हो चुकी है। एनसीआरटीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर हर महीने करीब 32 लाख लोग यात्रा कर रहे हैं। अब इसी नेटवर्क को हरिद्वार और ऋषिकेश तक विस्तार देने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत ट्रेन चलाने का विकल्प तैयार किया जा रहा है।

25 साल बाद एमपी में खत्म हुआ दो बच्चों वाला नियम

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों उम्मीदवारों को बड़ी राहत

भोपाल (एजेंसी) मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए बड़ी खबर है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ के बाद एमपी सरकार ने भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम खत्म कर दिया है, जो 25 साल से लागू था। बुधवार को हुई स्पेशल कैबिनेट बैठक में जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के



सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद अब तीसरा बच्चा होने पर न तो किसी सरकारी कर्मचारी की नौकरी जाएगी और नही नई भर्तियों में तीन बच्चों वाले उम्मीदवारों को अयोग्य माना जाएगा। मध्य प्रदेश की सरकारी भर्तियों में दो बच्चों की पाबंदी वाला नियम 26 जनवरी 2001 के बाद से लागू था। तत्कालीन दिग्विजय सरकार ने इस नियम को जनसंख्या नियंत्रण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया था।

शिवसेना ने सोनिया की किताब फाड़ी, बैन की मांग

● सावरकर और मराठी अस्मिता के अपमान का आरोप

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना ने बुधवार को सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव को बैन करने की मांग की। पार्टी के नेताओं ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किताब के पन्नों को फाड़ा। शिवसेना का आरोप है कि इस किताब में वीर सावरकर और मराठी अस्मिता का अपमान किया गया है। उधर, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी वायएसआर कांग्रेस और बीआरएस ने भी इस किताब को लेकर



नाराजगी जताई है। वायएसआर कांग्रेस के तिरुपति सांसद मडिला गुरुमूर्ति ने कहा- सोनिया गांधी वायएसआर कांग्रेस के योगदान को कैसे नजरअंदाज कर सकती हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि सोनिया ने किताब में तेलंगाना का जिक्र तक नहीं किया। सोनिया की किताब 10 नवंबर को बाजार में बिकना शुरू हुई थी। 16 नवंबर को लॉन्च की गई।

● **पेज नंबर 443 पर हिंदू सुप्रीमेसिस्ट का जिक्र-** इस पेज पर सावरकर को हिंदुत्व विचारधारा का जनक बताया गया है। कहा गया है कि उन्होंने भारत को मुख्य रूप से जहां हिंदू सबसे ऊपर हैं (हिंदू सुप्रीमेसिस्ट) के नजरिए से देखा और संघ परिवार और बीजेपी इसी भूमिका को आगे बढ़ा रहे हैं। शिवसेना ने आरोप लगाया कि यह झूठी कहानी फैलाने की एक चाल है। वायआरएस कांग्रेस के सांसद मड्डिला गुरुमूर्ति ने सवाल उठाया कि सोनिया गांधी ने अपनी किताब में वाईएस राजशेखर रेड्डी के योगदान का जिक्र क्यों नहीं किया। रेड्डी ने पदयात्रा के जरिए आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत किया था।

उपलब्धि नए रक्षा सौदे की है तैयारी,चीन को मिलेगा करारा जवाब

भारत से 'आकाश' और 'पिनाका' भी खरीदेगा फिलीपींस

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने इस महीने कहा था कि भारत के साथ सिर्फ ब्रह्मोस मिसाइल ही नहीं बल्कि एयर डिफेंस सिस्टम और दूसरे कई हथियारों को लेकर भी उनका देश समझौता करना चाहता है। अब दोनों देशों के बीच अपनी डिफेंस पार्टनरशिप को विस्तार देने के लिए तेज रफ्तार से बातचीत चल रही है। फिलीपींस भारत से और ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के अलावा आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, हेलीकॉप्टर और अंतरिक्ष सहयोग को



लेकर बातचीत कर रहा है। **भुगतान के लिए नये तरीकों पर चल रही बातचीत-** फिलीपींस भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की कम से कम 6 और बैटरी खरीदने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई प्रस्तावों पर बातचीत एडवांस स्तर तक पहुंच चुकी है। रक्षा मंत्री गिल्बर्टो सी. तेओदोरो जूनियर ने कहा था कि भारत एक समान विचारधारा वाला देश और चीन के खिलाफ दोनों देशों के विचार एक समान हैं। फिलीपींस के सामने भारतीय हथियारों को खरीदने के लिए कुछ वित्तीय दिक्कतें हैं। हालांकि भारत हथियार सौदों के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट देता है लेकिन फिलीपींस के सूत्रों ने बताया है कि फिलीपींस के संविधान में कुछ पाबंदियां हैं लिहाजा इस सुविधा का उपयोग करना मुश्किल है। इसीलिए पेमेंट के दूसरे तरीकों पर विचार चल रहा है।

आकाश और पिनाका सिस्टम खरीदने पर कर रहा विचार

फर्स्ट पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि फिलीपींस अपनी सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने के लिए एडवांस स्तर पर बात कर रहा है। आकाश एयर डिफेंस सिस्टम भी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी युद्ध क्षमता साबित कर चुका है। इसको लेकर फिलीपींस के अधिकारियों के सामने एक प्रजेंटेशन भी दिया गया है जिसमें भारतीय अधिकारियों ने बताया है कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आकाश का दूसरे हथियारों के साथ इंटीग्रेशन किया गया था। पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम में फिलीपींस की दिलचस्पी काफी है।

पांच महीने में 6वीं बार महाराष्ट्र पहुंचे अमित शाह

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पिछले पांच महीनों में छह बार महाराष्ट्र आ चुके हैं। देश के गृहमंत्री का किसी राज्य में बार-बार आना असामान्य नहीं, लेकिन महाराष्ट्र में उनकी लगातार मौजूदगी ने राजनीतिक दलों की बेचैनी बढ़ा दी है। बीजेपी के



सहयोगी हों या विरोधी, हर कोई यह जानने की कोशिश में है कि आखिर अमित शाह महाराष्ट्र में क्या तलाश रहे हैं। कौन-सा राजनीतिक समीकरण है, जिसे दिल्ली से नहीं, बल्कि मुंबई, नागपुर और पुणे पहुंचकर समझने की जरूरत पड़ रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भूमिका महाराष्ट्र की राजनीति में केवल बीजेपी के रणनीतिकार की नहीं रही है। वे यहां सत्ता के समीकरणों को करीब से समझते, संवारते और सुलझाते रहे हैं और सहयोगियों के बीच संतुलन भी साधते रहे हैं।

अनमोल वचन

देश और दुनिया की वर्तमान विषम परिस्थिति को देख बुद्धि हैरान है। चारों ओर राग-द्वेष, सत्ता लालसा, स्वार्थ और अहंकार का बाजार गर्म है। यदि हमारी कृति परोपकार की, दूसरों का भला करने की, कुछ कर गुजरने की हो, तो यह सब देख-सुनकर निराशा तथा उद्विग्नता और बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि यह गंदगी हटाना असंभव है। इस गंदगी को हटाना किसी महापुरुष के लिए भी संभव नहीं। दुनिया के संत, महात्मा, विचारक, शिक्षक, कलाकार यदि सब इस प्रयत्न में निष्फल रहे हैं और जिन्हें अवतार माना जाता है, दुनिया में आज जिनके नाम के मंदिर और मठ बनाए गए हैं, उनके विचारों और उपदेशों का प्रभाव भी दुनिया पर नाममात्र के लिए ही हो सका है। दुनिया तो पहले जैसी पाप-पुण्य मय थी, वैसी ही अब है और आगे भी ऐसी ही रहेगी। उसकी चिंता में घुलने, अपने मिटने में कोई सार नहीं। इस प्रकार के निराशा के भाव विचारवान मनुष्यों के मन में भी उठा करते हैं। वे भी सोचने लगते हैं कि दुनिया का व्याम तो इसी प्रकार चलता रहेगा, हमारे करने से भी कुछ बनने वाला नहीं। किन्तु क्या ऐसा ही चलता रहेगा? कभी तो कोई चमत्कारी महापुरुष आएगा, जो दुनिया को सही रास्ते पर लाने में सफल होगा। इसी आशा के साथ सन्तों, महात्माओं, महापुरुषों को अपने प्रयास में जुटे रहना चाहिए। ईश्वर कभी तो इस सद् इच्छा को अवश्य पूरा करेगा।

मकान की दूसरी मंजिल पर काम करते समय 11 हजार वोल्ट की लाइन ने ली मजदूर की जान, जर्जर तारों पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

कैथोड़ा गांव में मकान के छज्जे पर पुट्टी करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया झारखंड निवासी 27 वर्षीय मजदूर, मौके पर ही तोड़ा दम; आबादी के बीच से गुजर रही बिजली लाइन को लेकर ग्रामीणों ने उठाए सुरक्षा पर सवाल

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव कैथोड़ा में मकान की दूसरी मंजिल पर काम कर रहे एक मजदूर की 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब मजदूर मकान के छज्जे पर पुट्टी का काम कर रहा था। मकान के बेहद नजदीक से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आते ही उसे जोरदार करंट लगा और वह गंभीर रूप से झुलसकर छज्जे पर गिर पड़ा। कुछ ही पलों में उसकी जिंदगी खत्म हो गई। हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

दूसरे प्रदेश से रोजी-रोटी कमाने आया था मजदूर

जानकारी के अनुसार झारखंड निवासी 27 वर्षीय अब्दुल अजीज मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। वह काम के सिलसिले में गांव कैथोड़ा आया हुआ था। बुधवार को वह गांव निवासी याकूब पुत्र नाजिम के मकान की दूसरी मंजिल पर पुट्टी करने का काम कर रहा था। काम के दौरान वह छज्जे पर पहुंचा तो मकान के पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। करंट इतना तेज था कि उसे संभलने तक का मौका नहीं मिला। गंभीर रूप से झुलसने के बाद वह छज्जे पर ही गिर पड़ा और उसकी मौके पर मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर जुटी ग्रामीणों की भीड़

हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण मौके की ओर दौड़े, लेकिन तब तक मजदूर की जान जा चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मीरापुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मामले के विवेचक उपनिरीक्षक मोहित कुमार ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।



आबादी के बीच हाईटेंशन लाइन, हादसे ने खड़े किए गंभीर सवाल

मजदूर की मौत के बाद गांव में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी दिखाई दी। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की घनी आबादी के बीच गली से होकर 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुजर रही है। इसके तार काफी जर्जर हालत में हैं और मकानों के बेहद नजदीक से गुजरते हैं। ऐसे में मकानों की छतों और छज्जों पर काम करने वाले लोगों के साथ-साथ आसपास रहने वाले परिवारों की जिंदगी भी खतरे में बनी रहती है।

ग्रामीणों का कहना है कि आबादी के बीच इतनी खतरनाक बिजली लाइन का गुजरना किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है।

इसके बावजूद बिजली विभाग की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। बुधवार को हुई मजदूर की मौत ने ग्रामीणों की इन आशंकाओं को और गहरा कर दिया है।

एक मजदूर की मौत ने बिजली व्यवस्था पर उठाए सवाल

ग्रामीणों ने मांग की है कि बिजली विभाग गांव की आबादी से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तत्काल निरीक्षण कराए। जर्जर तारों को बदलवाने के साथ मकानों और छज्जों के नजदीक से गुजर रही लाइन के संबंध में सुरक्षा मानकों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग को किसी और की जान जाने का इंतजार करने के बजाय अभी से ठोस कदम उठाने चाहिए। इस हादसे ने एक बार फिर आबादी वाले क्षेत्रों में हाईटेंशन बिजली लाइनों की सुरक्षा और उनके रखरखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक परिवार का कमाऊ सदस्य दुनिया से चला गया, जबकि गांव के लोगों के सामने अब यह चिंता है कि यदि बिजली लाइन की स्थिति नहीं सुधारी गई तो भविष्य में भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

जीव को कर्तापन का अभिमान नहीं होना चाहिए: शान्तनु महाराज

राज्य व सम्पत्ति हड़पने के लिये नहीं, अपितु धर्म की स्थापना के लिये होनी चाहिए



बाल रूप में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी ने श्रीमद्भागवत कथा के वातावरण को और भी दिव्य एवं आनंदमय बना दिया।

मुजफ्फरनगर। रेशु विहार स्थित रेशु प्रांगण में प्रतिदिन चल रही अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के 6वें दिन कथाव्यास श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन सुनाकर श्रद्धालूओं को भाव विभोर कर दिया। आज की श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य सुधांशु जी महाराज ने उपस्थित होकर श्रद्धालुओं को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। अनुष्ठान की श्रीमद् भागवत कथा के 6वें दिवस पूज्य श्री शान्तनु जी महाराज ने अपने श्रीमुख से श्रद्धालुओं को कथा का श्रवण कराते हुए कहा कि भगवान द्वारा जब इन्द्र की पूजा छुडवाकर गोवर्धन जी की पूजा कराई गई, तो इन्द्र क्रोधित होकर सात दिन तक लगातार वर्षा करवाने लगे, परन्तु भगवान ने सभी ग्वाल बालों के साथ मिलकर गोवर्धन जी को ही छाता बनाकर उठा लिया और इन्द्र का मान भंग कर दिया और अन्त में इन्द्र लज्जित होकर भगवान की स्तुति करने लगे। सभी ब्रजवासी इस घटना से यह भावने लगें की कन्हैया अवश्य कोई भगवान हैं, परन्तु भगवान ने कहा कि नहीं, ये सब आप लोगों के सहयोग से ही ये सम्भव हुआ है। महाराज श्री ने कहा कि एकबार एकादशी के दिन नन्दबाबा रात में 3 बजे यमुना जी में स्नान करने चले गये और वरुण देव के दूत नन्दबाबा को पकड़ कर वरुणलोक लेकर गये और फिर नन्दबाबा को छुड़वाकर लेकर आये और उसके बाद सभी को अपने बैकुण्ठ का दर्शन कराया हैं। इसके बाद महाराज जी ने पवित्र महारास का वर्णन किया तथा कहा कि जब भगवान ने अपनी बंशी बजाई, तब सभी गोपियां, जो जिस अवस्था में थी, उसी अवस्था में भगवान से मिलने के लिये अपने घर से निकल पड़ी और इस महारास का दर्शन किया। इस दौरान भगवान शंकर भी माता पार्वती जी के साथ आये थे। अब कंस नें अक्रूर जी के माध्यम से मल्ल युद्ध के बहाने भगवान और बलराम जी को मथुरा बुलवाया। सभी गोपियां व माँ यशोदा भगवान के मथुरा जाने की सूचना पाकर विरह में व्याकुल हो गई। भगवान नन्दबाबा और ग्वालों के साथ मथुरा आये और यहाँ कंस का वध किया और मथुरा से सभी असुरों का नाश किया। इसके पश्चात उग्रसेन जी को मथुरा का राज्य सौंपा और नन्द बाबा को विया किया, गुरुकुल में जाकर शिक्षा ली। इसके पश्चात महाराज श्री ने कहा कि भगवान ने उद्धव जी को गोकुल भेजकर गोकुल वासियों व गोपियों का हाल जाना। जरासंध आदि राक्षसों का आतंक बढड्डे के कारण भगवान नें द्वारिकापुरी का निर्माण कर समस्त प्रजा सहित द्वारिका चले गये। भगवान का प्रथम विवाह राजा भीष्मक की पुत्री रुकमिणि के साथ हुआ और उनको लेकर द्वारिका वापस आये, जिसके बाद पूरी द्वारिका में आनन्द ही आनन्द छा गया। आज की श्रीमद् भागवत कथा में आचार्य सुधांशु जी महाराज-विश्व जागृति मिशन, मध्य प्रदेश के पूर्व जस्टिस श्री राजेंद्र कुमार वर्मा, श्रीमती यशिका चौहान पत्नी सांसद चंदन चौहान, आचरण पुरुष श्री मनीष तायल, दानवीर श्री सतीश गोयल, पूर्व विधायक श्री उमेश मलिक, राजनेता श्री सुधीर खटीक, श्री श्रवण जी, अग्रवाल सम्मेलन प्रदेश अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र अग्रवाल, कुंवर आलोक स्वरूप एवं रेशु परिवार के साथ अन्य गणमान्य लोगों ने कथा का श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित किया। बृहस्पतिवार की कथा में प्रसिद्ध गायिका अनामिका अम्बर समेत अनेक गणमान्य नागरिक आयेंगे। इस अवसर पर रेशु परिवार की बुजुर्ग एवं मुखिया शोभा जी, जो भोपाल से आई हैं, का सानिध्य भी परिवारजनों को मिल रहा है।

प्याज से भरी पिकअप को अज्ञात वाहन ने मारी भीषण टक्कर, राजस्थान के चालक की मौत, सड़क पर बिखर गया सामान

दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर गांव देवल के समीप देर रात हुआ हादसा, मीरापुर से बिजनौर जा रहा था चालक; सरकारी अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम, टक्कर मारकर फरार हुआ अज्ञात वाहन

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर गांव देवल के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से प्याज से लदी पिकअप गाड़ी के चालक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब चालक मीरापुर से पिकअप में प्याज लादकर बिजनौर की ओर जा रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

प्याज लेकर बिजनौर जा रहा था चालक

जानकारी के अनुसार राजस्थान के खैरथल जनपद के थाना तिजारा क्षेत्र के गांव खलीलपुरा निवासी चालक पिकअप गाड़ी में प्याज लादकर मीरापुर से बिजनौर की ओर जा रहा था। मंगलवार देर रात जब वह दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर गांव देवल के समीप पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसकी पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही चालक गाड़ी में गंभीर रूप से घायल हो गया। अचानक हुए हादसे के बाद राजमार्ग पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, चिकित्सकों ने मृत घोषित किया

हादसे की सूचना मिलते ही रामराज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल चालक को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए मुजफ्फरनगर के सरकारी अस्पताल भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में जुटी पुलिस

रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि हादसे में मृत चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में अभी तक किसी पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।

राजस्थान से मुजफ्फरनगर तक सफर बना आखिरी सफर

राजस्थान के खलीलपुरा गांव से रोजी-रोटी के सिलसिले में निकले चालक के लिए दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग का यह सफर आखिरी साबित हुआ। पिकअप में प्याज लादकर वह अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहा था, लेकिन गांव देवल के समीप हुए हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। हादसे के बाद परिवार के सामने दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं, राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से हुई इस मौत ने एक बार फिर रात के समय तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को उजागर कर दिया है।

बुढ़ाना के बीडीओ का सहारनपुर तबादला:ब्लॉक परिसर में दी गई विदाई, किया गया सम्मानित

विकास खंड परिसर में आयोजित समारोह में वक्ताओं, प्रधानों और कर्मचारियों ने की उनके कार्यकाल की सराहना

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। बुढ़ाना विकास खंड के खंड विकास अधिकारी (BDO) सतीश कुमार को उनके स्थानांतरण के उपलक्ष्य में एक भव्य और भावुक समारोह में विदाई दी गई। श्री कुमार का बुढ़ाना से तबादला होकर अब वे सहारनपुर जिले के सरसावा ब्लॉक में अपनी सेवाएं देंगे। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, ग्राम प्रधानों और ब्लॉक कर्मचारियों की भारी उपस्थिति रही। विकास कार्यों को मिली नई गतिः वक्ता बुधवार को कस्बे के विकास खंड परिसर में आयोजित विदाई समारोह का शुभारंभ क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और ग्राम प्रधानों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने बीडीओ सतीश कुमार के बुढ़ाना ब्लॉक में लगभग दो वर्ष के कार्यकाल की जमकर सराहना की। एडीओ धर्मेंद्र चौधरी ने कहा कि सतीश कुमार न केवल एक कुशल प्रशासक हैं,



बल्कि एक मिलनसार और मददगार व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने हमेशा हर कर्मचारी व प्रधान की समस्या का प्राथमिकता से समाधान किया। प्रधानों और सचिवों ने सराही सादगी

कार्यक्रम में मौजूद विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों और ग्राम सचिवों ने भी बीडीओ सतीश कुमार की कार्यशैली, उनकी सादगी और सज्जनता की प्रशंसा की। सभी ने एक स्वर में कहा कि उनके मार्गदर्शन में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने में बड़ी मदद मिली। इस अवसर पर ग्राम सचिव पुष्पेंद्र कुमार, संजीव कुमार, रोहित तोमर, रश्मि सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में, सभी ने बीडीओ सतीश कुमार को फूलमालाएं पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की।

मुजफ्फरनगर के सरस्वती शिशु मंदिर में गीता पाठ व हवन: गूंजे वैदिक मंत्र, रख्य र-घर गीता' अभियान के पत्रक भी बांटे, छात्रों व स्टाफ ने की सहभागिता

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के तत्वावधान में आयोजित हुआ कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। जिले के खाई खेड़ी स्थित चौधरी रणधीर सिंह त्यागी सरस्वती शिशु मंदिर में विद्यालय का स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम और धार्मिक माहौल के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सहयोग से विद्यालय परिसर में भव्य गीता पाठ और हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, स्टाफ सदस्यों और गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। हवन और गीता पाठ से हुआ शुभारंभ कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिवार द्वारा दीप प्रज्वलित कर और विधिवत पूजन के साथ किया गया। इसके उपरांत श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सचिव अतुल कुमार गर्ग के आचार्यत्व में मुख्य हवन यज्ञ संपन्न



हुआ। इस दौरान अतुल गर्ग ने अष्टादश श्लोकी गीतापाठ का वाचन किया, जिससे पूरा वातावरण वैदिक मंत्रों और गीता के श्लोकों से गुंजायमान हो उठा। हवन के अंत में शांति सद्भाव प्रार्थना की गई और सभी ने मिलकर गीताजी की आरती उतारी, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। अतिथियों का स्वागत और सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील शर्मा ने कार्यक्रम में पधारे सभी सम्मानित अतिथियों का माल्यार्पण कर और पटका पहनाकर स्वागत किया। स्थापना दिवस समारोह को यादगार बनाते हुए विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। इस अवसर पर रोटरी क्लब ग्लैक्सी के सदस्य, सैकड़ों विद्यार्थी, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक और श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के पदाधिकारीगण–सुभाष गर्ग, अजय गर्ग, महेंद्र रावत आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हाईकोर्ट बेंच और अधिवक्ता संरक्षण कानून की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे अधिवक्ता, खंडपीठ नहीं तो मतदान नहीं के पोस्टर से गरमाया माहौल



मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की खंडपीठ स्थापित कराने और अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू कराने की मांग को लेकर अधिवक्ता आंदोलन लगातार तेज कर रहे हैं। बुधवार को पश्चिम उत्तर प्रदेश संघर्ष समिति के आह्वान पर सहारनपुर से निकली न्याय यात्रा मुजफ्फरनगर पहुंची। यहां बड़ी संख्या में अधिवक्ता अपने वाहनों के साथ यात्रा में शामिल हुए और शहर के प्रमुख मार्गों से काफिला निकालकर दोनों मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। वहीं, इससे पहले कचहरी परिसर में जिला बार एसोसिएशन के बाहर ह्यखंडपीठ नहीं तो मतदान नहींह्ल के संदेश वाले प्रचार पट्ट लगाकर अधिवक्ताओं ने राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों को भी स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश संघर्ष समिति की ओर से आयोजित न्याय यात्रा सहारनपुर से शुरू होकर बुधवार दोपहर करीब एक बजे मुजफ्फरनगर पहुंची। यहां अधिवक्ताओं ने अपने-अपने वाहनों के साथ यात्रा में भाग लिया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार न्याय यात्रा कचहरी परिसर से शुरू होकर प्रकाश चौक, शिव चौक, सरवट, भोपा रोड, नई मंडी और गौशाला रोड होते हुए महावीर चौक पहुंची। इसके बाद यात्रा वापस कचहरी परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए अपनी मांगों को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास किया। हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर मुजफ्फरनगर कचहरी परिसर में भी अधिवक्ताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया। जिला बार एसोसिएशन के बाहर उच्च न्यायालय खंडपीठ नहीं तो मतदान नहीं के संदेश वाले प्रचार पट्ट लगाए गए हैं। अधिवक्ताओं का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। प्रचार पट्टों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों को चेतावनी भरा राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया गया है कि क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण मांग पर गंभीरता से विचार किया जाए। अधिवक्ताओं का कहना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 22 जिलों की बड़ी आबादी को उच्च न्यायालय में मुकदमों की पैरवी के लिए प्रयागराज तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे वादकारियों को आर्थिक परेशानी के साथ समय की बबार्दी भी उठानी पड़ती है। खासकर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बार-बार इतनी लंबी यात्रा करना आसान नहीं है। अधिवक्ताओं का तर्क है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की खंडपीठ स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को सस्ता, सुलभ और सुविधाजनक न्याय मिल सकेगा। इसी मांग को लेकर अधिवक्ता दशकों से संघर्ष कर रहे हैं। न्याय यात्रा में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के साथ अधिवक्ताओं की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। अधिवक्ताओं का कहना है कि न्यायिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के बावजूद कई बार उन्हें पेशेवर दायित्वों के निर्वहन के दौरान असुरक्षा और धमकियों का सामना करना पड़ता

पति के साथ मारपीट कर किया गंभीर घायल, बीच-बचाव करने पर विवाहिता को दी जान से मारने की धमकी, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खांजापुर मंधेड़ा में हुई घटना, विवाहिता के पति को आई गंभीर चोटें; पुलिस ने अर्चित, आर्यन और प्रिंस के खिलाफ दर्ज किया मामला

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव खांजापुर मंधेड़ा में आपसी विवाद के चलते तीन युवकों पर एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगा है। आरोप है कि युवकों ने पीड़ित के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर उसकी पत्नी बीच-बचाव के लिए पहुंची तो आरोपियों ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की पत्नी की शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में विवाहिता ने बताया कि वह गांव खांजापुर मंधेड़ा की निवासी है। आरोप है कि 15 नवंबर 2026 की शाम करीब 5:35 बजे अर्चित और आर्यन पुत्रगण सुनील कुमार तथा प्रिंस पुत्र सुधीर कुमार ने उसके पति के साथ मारपीट और गाली-गलौज की।

मारपीट में उसके पति को गंभीर चोटें आईं। विवाहिता के अनुसार जब उसने अपने पति को आरोपियों के चंगुल से बचाने के लिए बीच-बचाव किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

विवाहिता की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने अर्चित, आर्यन और प्रिंस के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुजफ्फरनगर में आबकारी विभाग की चेकिंग: शराब की दुकानों पर 'टेस्ट परचेज' और स्टॉक का भौतिक सत्यापन, ओवररेटिंग पर लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी

जिले में आबकारी विभाग की टीमों के ताबड़तोड़ चेकिंग अभियान से शराब दुकानों में मचा हड़कम्प

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध शराब की बिक्री पर पूरी तरह से अंकुश लगाने और मदिरा दुकानों पर पारदर्शिता व नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आबकारी विभाग ने बुधवार को एक सघन औचक चेकिंग अभियान चलाया। जिला अधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के संयुक्त निर्देशन में चलाई गई इस मुहिम से शराब माफियाओं और दुकानदारों में हड़कम्प मच गया। आबकारी निरीक्षकों की विभिन्न टीमों ने जिले भर में कई देशी व अंग्रेजी शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। विभाग ने दुकानों की पारदर्शिता परखने के लिए एक अनूठी पहल करते हुए गोपनीय तरीके से 'टेस्ट परचेज' कराई, जिससे यह पता लगाया जा सके कि ग्राहकों को शराब निर्धारित



मूल्य (एमआरपी) पर ही बेची जा रही है या नहीं। इसके साथ ही, अधिकारियों ने ईआईसीएफएस (EICFS) मोबाइल ऐप के माध्यम से दुकानों में उपलब्ध शराब के स्टॉक का मौके पर मौजूद स्टॉक रजिस्टर से गहन मिलान किया। शराब की बोतलों पर लगे क्यूआर कोड की रैंडम स्कैनिंग कर वैधता जांची गई। पीओएस मशीन के जरिए ही शत-प्रतिशत बिक्री के दिए निर्देश दिए।

सीसीटीवी की निगरानी और जानसठ में रोड चेकिंग

निरीक्षण के दौरान टीमों ने दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की भी जांच की और दुकान संचालकों को हिदायत दी कि कैमरे 24 घंटे क्रियाशील रहने चाहिए। अवैध शराब परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जानसठ क्षेत्र में विशेष रोड चेकिंग अभियान भी चलाया गया, जहां संदिग्ध वाहनों की सघन तलाशी ली गई। इसके अतिरिक्त, रात के समय मदिरा दुकानों को निर्धारित समयानुसार बंद कराने के लिए भी विशेष निगरानी टीमें गठित की गई हैं।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी भी दुकान पर ओवररेटिंग, स्टॉक में अनियमितता या किसी भी प्रकार के नियम का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित अनुज्ञापी (लाइसेंसधारक) के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस का निरस्तीकरण भी शामिल है। विभाग का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

मुजफ्फरनगर में किसानों ने ली पराली न जलाने शपथ: कृषि विभाग ने रवाना किया प्रचार-प्रसार वाहन, जिले में पराली जलाने की घटनाएं शून्य

ग्राम चौपालों, वॉल पेंटिंग और कृषि यंत्रों के लाइव प्रदर्शन से बदली तस्वीर

मुजफ्फरनगर। 'प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू' योजना के अंतर्गत जनपद के किसानों को फसल अवशेष (पराली व पत्ती) जलाने के दुष्परिणामों से बचाने और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि निदेशालय के निदेशों के अनुपालन में बुधवार, 18 नवंबर 2026 से जनपद में विशेष प्रचार-प्रसार वाहन का संचालन शुरू किया गया है, जो गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक करेगा। अभियान के तहत किसानों ने फसल अवशेष न जलाने की सामूहिक शपथ भी ली।

कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे खेत की मिट्टी में ही मिलाकर खाद के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए न्याय पंचायत स्तर पर गोष्ठियों के साथ-साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'ग्राम चौपाल' का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, कलेक्ट्रेट परिसर, विकास भवन, सभी तहसीलों, विकास खंड कार्यालयों, रोडवेज व अन्य प्रमुख बस स्टैंडों, उप कृषि निदेशक तथा उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालयों में जागरूकता होर्डिंग्स लगवाए गए हैं और



मुख्य स्थानों पर वॉल पेंटिंग कराई गई है। साथ ही, प्रत्येक ब्लॉक में किसानों के खेतों पर फसल अवशेष प्रबंधन हेतु आधुनिक कृषि यंत्रों का लाइव प्रदर्शन भी किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में पराली जलाने की 92 घटनाएं दर्ज हुई थीं, जबकि विभाग के निरंतर प्रयासों से वर्तमान सत्र में अब तक जिले में पराली जलाने का आंकड़ा 'शून्य' पर बना हुआ है। कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस सघन अभियान के बेहद सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, जनपद में वर्ष 2024-25 के दौरान फसल अवशेष जलाने की 92 घटनाएं सामने आई थीं, जो बाद में घटकर 42 रह गईं। वहीं, वर्तमान में विभाग के निरंतर प्रयासों और किसानों की सक्रिय सहभागिता के चलते जनपद में अभी तक पराली या पत्ती जलाने की एक भी घटना दर्ज नहीं हुई है (आंकड़ा शून्य है)। ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए पराली न जलाने का संकल्प लिया है।

सीबीएसई नैशनल गर्ल्स कराटे सेलेक्शन ट्रायल्स में रैफरी व जज की भूमिका निभा रहे मुजफ्फरनगर के शिहान राजेश कौशिक



मुजफ्फरनगर। सीबीएसई नेशनल लेवल कराटे सेलेक्शन ट्रायल्स 2026-27 का आयोजन मध्य प्रदेश स्थित दिल्ली स्मार्ट पब्लिक स्कूल लक्ष्मणखेदी मे किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देशभर से विभिन्न आयु वर्गों के गर्ल्स कराटे खिलाड़ी प्रतिभाग कर अपनी जोरदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन दिखा रही है

प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ मुजफ्फरनगर के महासचिव शिहान राजेश कौशिक एक बार फिर से रैफरी एवं जज के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। व विभिन्न मुकाबलों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का तकनीकी एवं निष्पक्ष मूल्यांकन कर रहे हैं शिहान राजेश कोशिक ने बताया कि जो बच्चे यहां से गोल्ड मेडल जीत कर जाएगी वह खिलाड़ी आने वाले स्कूल गैम्स फैडरेशन ऑफ इंडिया (ऐस, जी, ऐफ, आई,) की नैशनल कराटे चैंपियनशिप में सीधे प्रतिभाग करेंगे ।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः

◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
गुरूवार 19 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



खंभे से टकराकर पेड़ में फंसी कार, गैस कटर से काटकर निकाला युवक का शव

नोएडा से गांव भडल लौट रहा था युवक, मिडकाली के पास आधी रात अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई कार

मुजफ्फरनगर। नोएडा में नौकरी कर अपने परिवार का सहारा बना युवक घर लौट रहा था, लेकिन रास्ते में हुए भीषण सड़क हादसे ने उसकी जिंदगी छीन ली। गांव पहुंचने से चंद किलोमीटर पहले उसकी कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई और फिर सड़क किनारे पेड़ में जाकर फंस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और युवक उसके अंदर बुरी तरह फंस गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। युवक को कार से बाहर निकालने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम बुलानी पड़ी। पुलिस और दमकल कर्मियों ने गैस कटर से कार को काटकर युवक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। आधी रात मिडकाली के पास अनियंत्रित हुई कार

बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव भडल निवासी



सुमित पुत्र सुरेश नोएडा में नौकरी करता था। मंगलवार देर रात करीब 12:30 बजे वह अपनी कार से नोएडा से गांव लौट रहा था। बताया गया कि जैसे ही वह बुढ़ाना क्षेत्र के गांव मिडकाली के पास पहुंचा तो अचानक उसकी कार अनियंत्रित हो गई। कार सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराने के बाद पास ही पेड़ में जाकर फंस गई। टक्कर

इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो कार में युवक फंसा हुआ था।

कार के अंदर फंसी जिंदगी, गैस कटर से काटनी पड़ी गाड़ी

हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही बुढ़ाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार की हालत और युवक के अंदर बुरी तरह फंसे होने के कारण उसे बाहर निकालना आसान नहीं था। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस और दमकल कर्मियों ने काफी देर तक युवक को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। आखिरकार गैस कटर की मदद से कार के हिस्सों को काटकर रास्ता बनाया गया और युवक को बाहर निकाला जा सका। अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम चुकी थीं सांसें

कार से बाहर निकाले जाने के बाद सुमित को एंबुलेंस की मदद से बुढ़ाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। क्षतिग्रस्त कार और उसे काटकर युवक को बाहर निकालने के लिए किए गए प्रयासों को देखकर हर कोई हादसे की गंभीरता का अंदाजा लगा रहा था।

घर में चल रही थी वापसी की उम्मीद, पहुंच गई मौत की खबर

सुमित की मौत की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी तो परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। जिस बेटे के घर लौटने का इंतजार किया जा रहा था, उसकी मौत की खबर सुनकर परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव भडल में भी शोक की लहर दौड़ गई। हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं।

बायवाला चौकी प्रभारी ने दी हादसे की जानकारी

बायवाला चौकी प्रभारी रणवीर सिंह ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराने के बाद पेड़ में जा फंसी थी। हादसे में कार सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बड़कली मोड़ पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 32 बोर की अवैध पिस्टल के साथ बागपत का शातिर युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर कोतवाली नगर पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा आरोपी, ढिकाना गांव का रहने वाला है मासूम, अवैध हथियार बरामद होने पर आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर भेजा जेल

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध हथियार रखने और उनका इस्तेमाल करने वाले अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली नगर पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर बड़कली मोड़ के पास कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध 32 बोर की पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी बागपत जनपद का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध पिस्टल बरामद करने के बाद उसके खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अवैध शस्त्र रखने वाले व्यक्तियों और शातिर अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 18 नवंबर 2026 को कोतवाली नगर पुलिस की टीम मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर बड़कली मोड़ के पास चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में जुटी थी। तलाशी में बरामद हुई 32 बोर की



पिस्टल

इसी दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे एक युवक को पकड़कर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अदद अवैध 32 बोर की पिस्टल बरामद हुई। पुलिस ने तत्काल आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मौहम्मद मासूम पुत्र मौहम्मद यूनुस निवासी ग्राम ढिकाना, शिव मंदिर के पास, थाना बड़ौत, जनपद बागपत के रूप में हुई। कोतवाली नगर पुलिस ने बरामद अवैध पिस्टल को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 512/2026, धारा 3/5/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की ओर से आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेजा जा रहा है।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हिमांशु शर्मा, उपनिरीक्षक बच्चू सिंह, कांस्टेबल अशोक राना, कांस्टेबल विकास कुमार और कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार शामिल रहे। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक सोनू कुमार को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अवैध हथियार रखने और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे लोगों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भागवत कथा में महिलाओं के गले से सोने की चेन उड़ाने वाली दिल्ली की पांच शातिर महिलाएं गिरफ्तार, चोरी का पूरा माल बरामद

रेशू विहार में आयोजित भागवत कथा के दौरान तीन महिला श्रद्धालुओं के आभूषण चोरी कर मचाया था हड़कंप, भीड़ का फायदा उठाकर वारदात को दिया था अंजाम, पकड़े जाने के डर से गेट के पास फूलवारी में छिपा दी थीं चेन

मुजफ्फरनगर। धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर महिला श्रद्धालुओं के गले से सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले गिरोह का सिविल लाइन पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने भागवत कथा के दौरान महिलाओं के गले से सोने की चेन चोरी करने के मामले में दिल्ली की पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं के कब्जे और निशानदेही पर चोरी की गई दो सोने की चेन, जिनमें डायमंड के दो पेंडल लगे हुए थे, तथा एक आर्टिफिशियल पीली धातु की चेन बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार महिलाओं ने सामूहिक रूप से स्वीकार किया कि वे धार्मिक कथाओं और ऐसे आयोजनों में पहुंचती थीं, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं एकत्र होती हैं। भीड़ का फायदा उठाकर महिलाओं के गले से आभूषण चोरी करना उनका तरीका था। सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह ने बताया कि 18 नवंबर की सुबह करीब 8:15 बजे पांचों महिलाओं को रेशू विहार स्थित चौधरी चरण सिंह कॉलोनी में भागवत कथा परिसर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इनके आगे और पीछे के आपराधिक संपर्कों की जांच कर रही है, ताकि गिरोह की अन्य वारदातों और सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा सके।

भागवत कथा में खाना खाते समय महिलाओं के गले से उड़ाई थीं चेन

मामला थाना सिविल लाइन क्षेत्र के रेशू विहार स्थित रेशू प्रांगण का है। पुलिस के मुताबिक, सत्यप्रकाश पुत्र स्वर्गीय ईश्वर दयाल ने 17 नवंबर को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 13 नवंबर को उनके घर रेशू



प्रांगण में भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा था। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पहुंची थीं। इसी दौरान पांच अज्ञात महिलाओं ने भीड़ का फायदा उठाकर तीन महिला श्रद्धालुओं के गले से सोने की चेन चोरी कर ली थीं। चोरी हुए आभूषणों में दो सोने की चेन, दो डायमंड पेंडल, एक सोने का पेंडल और एक आर्टिफिशियल चेन शामिल थी। घटना का पता चलने पर कथा परिसर में हड़कंप मच गया था। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 298/26, धारा 305 और 331(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर चोर महिलाओं की तलाश शुरू कर दी थी।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना से खुला राज

घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक रघुराज सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी के आभूषणों की बरामदगी के लिए पुलिस टीम गठित की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने पांचों संदिग्ध महिलाओं की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल महिलाएं दोबारा रेशू विहार स्थित भागवत कथा परिसर में आने वाली हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांचों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया।

ओमान में नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से 1.60 लाख रुपये की ठगी

मुजफ्फरनगर। विदेश में नौकरी दिलाकर अच्छी कमाई कराने का झांसा देकर एक युवक से 1.60 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दो लोगों ने युवक को ओमान में क्लीनर की नौकरी दिलाने और कार्य वीजा उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया, लेकिन उसे टूरिस्ट वीजा पर विदेश भेज दिया। ओमान पहुंचने के बाद करीब एक महीने तक युवक काम और वीजा के लिए भटकता रहा, लेकिन न तो उसे नौकरी मिली और न ही कार्य वीजा की व्यवस्था हो सकी। परेशान होकर युवक को भारत वापस लौटना पड़ा। वापस आने पर जब उसने अपनी रकम मांगी तो आरोपियों की ओर से 40 हजार रुपये का चेक दिया गया, जो बैंक में लगाने पर बाउंस हो गया। पीड़ित की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना क्षेत्र की मदीना कॉलोनी निवासी मौ शाहरुख ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके मोहल्ले के रहने वाले चांद मलिक पुत्र नौशाद से उसकी दोस्ती थी। चांद मलिक ने उसे बताया कि उसके मामा जुल्फुकार मलिक निवासी नई बस्ती, नूरानी मस्जिद के पास, शामली विदेश भेजने का काम करते हैं। उसने शाहरुख को भरोसा दिलाया कि उसके मामा के पास ओमान में क्लीनर के काम का वीजा आया हुआ है और वह उसे विदेश में नौकरी दिलवा सकते हैं। आरोप है कि चांद मलिक ने शाहरुख की मुलाकात अपने मामा जुल्फुकार मलिक से कराई। दोनों ने उसे विश्वास दिलाया कि विदेश भेजने के नाम पर उसके साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी नहीं होगी और ओमान में पहुंचते ही उसे नौकरी मिल जाएगी। पीड़ित के अनुसार आरोपियों की बातों पर विश्वास करके उसने 8 सितंबर 2026 को जुल्फुकार मलिक को 70 हजार रुपये नकद दिए। इसके बाद 12 सितंबर 2026 को 90 हजार रुपये की दूसरी किस्त भी नकद दे दी। इस तरह उसने विदेश में नौकरी पाने की उम्मीद में कुल 1 लाख 60 हजार रुपये आरोपियों को दिए। पीड़ित का दावा है कि रुपये देते समय की वीडियो रिकॉर्डिंग भी उसके पास मौजूद है। शाहरुख ने शिकायत में बताया कि रकम लेने के बाद जुल्फुकार मलिक ने 13 सितंबर 2026 को उसे ओमान के लिए रवाना कर दिया। जब उसने देखा कि उसे कार्य वीजा के बजाय टूरिस्ट वीजा पर भेजा जा रहा है तो उसने जुल्फुकार से इस संबंध में सवाल किया। आरोप है कि जुल्फुकार ने उसे समझाया कि ओमान पहुंचने के बाद उसका कार्य वीजा बन जाएगा और वह वहां नौकरी करने लगेगा।

जिला अस्पताल में सीएमओ का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखी, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को परखने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) सहित अस्पताल के विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों का दौरा कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपचार की गुणवत्ता, साफ-सफाई, चिकित्सकीय सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता और मरीजों की देखभाल से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर दिया विशेष जोर

सीएमओ ने सबसे पहले पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने भर्ती बच्चों के उपचार, उनके खानपान, पोषण संबंधी सुविधाओं और देखभाल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने केंद्र में भर्ती बच्चों को निर्धारित मानकों



के अनुरूप पौष्टिक आहार और बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि बच्चों के स्वास्थ्य में होने वाले सुधार की नियमित निगरानी की जाए और उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने केंद्र में बच्चों की देखभाल कर रहे स्वास्थ्य कर्मियों से भी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। सीएमओ ने कहा कि कुपोषण से प्रभावित बच्चों को सामान्य स्वास्थ्य की स्थिति में लाने के लिए बेहतर पोषण, नियमित उपचार और उचित देखभाल बेहद जरूरी है। इसलिए केंद्र में भर्ती प्रत्येक बच्चे पर विशेष ध्यान दिया जाए। बच्चों के अभिभावकों को भी पोषण, खानपान और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी देकर जागरूक किया जाए, ताकि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार जारी रहे।

इमरजेंसी विभाग में उपचार व्यवस्था परखी, देरी न करने के निर्देश

पोषण पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के बाद सीएमओ जिला अस्पताल के आपातकालीन विभाग पहुंचे। यहां उन्होंने इमरजेंसी में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता, आवश्यक दवाओं, उपचार संबंधी संसाधनों और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की जानकारी ली। सीएमओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाए। किसी भी मरीज को उपचार के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। इमरजेंसी में चिकित्सकों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय रहे तथा आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन विभाग अस्पताल का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां समय पर मिलने वाला उपचार मरीज की जान बचाने में अहम भूमिका निभाता है।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम और एसएसपी ने शुक्रतीर्थ पहुंचकर परखी सुरक्षा व्यवस्था

गंगा घाट से मेला क्षेत्र तक किया निरीक्षण, जल पुलिस को गहरे पानी वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश; सीसीटीवी से होगी निगरानी, पार्किंग, यातायात, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर

मुजफ्फरनगर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रतीर्थ में लगने वाले गंगा स्नान मेले को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बुधवार को भोपा थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थस्थल शुक्रतीर्थ पहुंचकर गंगा घाट और पूरे मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, श्रद्धालुओं के आवागमन और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंगा घाटों पर सुरक्षा से लेकर जलस्तर तक की निगरानी के निर्देश

जिलाधिकारी और एसएसपी ने सबसे पहले गंगा घाटों का निरीक्षण कर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान गंगा नदी के जलस्तर, घाटों की स्थिति, बैरिकेडिंग और जल पुलिस की सक्रियता की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि गंगा के जलस्तर और पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए। गहरे पानी वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां विशेष सतर्कता बरती जाए और ऐसे स्थानों पर श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम किए जाएं। जल पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय रहें, ताकि स्नान के दौरान किसी श्रद्धालु के साथ कोई



अप्रिय घटना होने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। घाटों पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

सीसीटीवी कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र पर रहेगी नजर

मेले में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों ने सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरे मेला क्षेत्र की लगातार निगरानी की जाए। प्रमुख स्थानों, प्रवेश और निकास द्वारों तथा अधिक भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अव्यवस्था की जानकारी तत्काल मिल सके। इसके साथ ही मेला क्षेत्र में स्थापित सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को समय-समय पर आवश्यक सूचनाएं, सुरक्षा संबंधी निर्देश और आवागमन से जुड़ी जानकारी प्रसारित की जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि भीड़ के बीच सूचनाओं का सही समय पर प्रसारण होने से श्रद्धालुओं को काफी सुविधा मिलेगी और अव्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर एसएसपी ने दिया विशेष जोर

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने मेला क्षेत्र की पार्किंग और यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही व्यवस्थित तरीके से खड़ा कराया जाए। पार्किंग स्थलों पर पर्याप्त व्यवस्था रहे, जिससे वाहनों के कारण मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि मेले में आने और वापस जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित मार्गों पर यातायात का संचालन सुचारू रखा जाए।

किसान दिवस में अधिकारी पहुंचे, किसान नदारद! एक घंटे तक खाली पड़ी रहीं किसानों की कुर्सियां, महज एक किसान ने दर्ज कराई शिकायत

कलेक्ट्रेट के जिला पंचायत सभागार में आयोजित किसान दिवस में किसानों की गैरमौजूदगी ने उठाए सवाल

मुजफ्फरनगर। किसानों की समस्याओं को सुनने और उनका मौके पर समाधान कराने के उद्देश्य से हर महीने आयोजित होने वाला किसान दिवस इस बार किसानों की बेरुखी को लेकर चर्चा में आ गया। बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित जिला पंचायत सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। किसानों की समस्याएं सुनने के लिए प्रशासनिक अधिकारी निर्धारित समय पर सभागार में पहुंच गए, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि जिन किसानों के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, वे ही मौके से नदारद रहे। कार्यक्रम शुरू होने के करीब एक घंटे तक सभागार में किसानों की कुर्सियां खाली पड़ी रहीं। इस दौरान अपनी शिकायत लेकर महज एक किसान ही सभागार में पहुंचा।

किसानों की जगह खाली रहीं कुर्सियां, अधिकारी करते रहे इंतजार

किसान दिवस के आयोजन को लेकर प्रशासन की ओर से अधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई थी। विभिन्न विभागों के अधिकारियों को किसानों की



समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए बुलाया गया था। अधिकारी तय समय पर सभागार में पहुंचकर बैठ गए और किसानों का इंतजार शुरू हो गया। लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी सभागार में किसानों की उपस्थिति दिखाई नहीं दी। आमतौर पर किसान दिवस में बिजली, पानी, सिंचाई, गन्ना भुगतान, राजस्व, चकबंदी और अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतें सामने आती हैं, लेकिन इस बार शिकायतें सुनने के लिए तैयार बैठे अधिकारियों के सामने किसानों की कुर्सियां खाली रहीं। किसान दिवस शुरू होने के लगभग एक घंटे तक सभागार में किसानों की उपस्थिति न के बराबर रही। इस दौरान केवल एक किसान अपनी शिकायत लेकर पहुंचा। किसानों की इतनी कम भागीदारी ने आयोजन की तस्वीर ही बदलकर रख दी। जिस कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों और किसानों के बीच सीधा संवाद होना चाहिए था, वहां किसानों की गैरमौजूदगी के चलते अधिकारियों को इंतजार करना पड़ा। किसान दिवस में किसानों की यह अनुपस्थिति प्रशासनिक व्यवस्था के साथ-साथ इस आयोजन की प्रासंगिकता को लेकर भी चर्चा का विषय बन गई। किसान दिवस में किसानों की गैरमौजूदगी ने कई अहम सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या जनपद में किसानों की समस्याओं का समाधान हो चुका है, जिसके चलते उन्हें अपनी शिकायत लेकर अधिकारियों के सामने पहुंचने की आवश्यकता महसूस नहीं हो रही है? या फिर किसान दिवस में शिकायतें करने के बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं मिलने के कारण किसानों का इस व्यवस्था से भरोसा कम होता जा रहा है? हालांकि किसानों की अनुपस्थिति के पीछे वास्तविक वजह क्या रही, यह स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन एक घंटे तक सभागार में किसानों का इंतजार और केवल एक शिकायत का पहुंचना प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा का विषय बना रहा। इस संबंध में एडीएम प्रशासन देश दीपक सिंह ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी लगातार किसानों की समस्याओं का समाधान करने में जुटे हुए हैं। किसानों की ओर से मिलने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाता है और उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं।

शुक्रताल गंगा स्नान मेले में झोटा दौड़ से दूर रहें किसान और नौजवान, राकेश टिकैत ने लगाई अनुशासन की अपील

धार्मिक आयोजन की गरिमा और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को बताया सामूहिक जिम्मेदारी, बोले–आस्था के इस बड़े पर्व पर किसी ऐसी गतिविधि से बचें, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित हो, प्रशासन का करें सहयोग

मुजफ्फरनगर। शुक्रताल में आयोजित होने वाले पवित्र गंगा स्नान मेले को लेकर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों, नौजवानों और श्रद्धालुओं से विशेष अपील की है। उन्होंने मेले के दौरान झोटा दौड़ जैसी गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह करते हुए कहा कि यह आयोजन आस्था, परंपरा और धार्मिक मयार्दा से जुड़ा है। ऐसे में सभी की प्राथमिकता मेले की शांति, सुरक्षा और गरिमा बनाए रखना होनी चाहिए। राकेश टिकैत की इस अपील को मेले में उमड़ने वाली भीड़ और व्यवस्थाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने साफ संदेश दिया कि धार्मिक आयोजन को उत्साह के साथ मनाने के साथ-साथ जिम्मेदारी और अनुशासन का भी ध्यान रखना जरूरी है। किसी भी ऐसी गतिविधि से बचना चाहिए, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी हो या मेले की



व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बने। चौधरी राकेश टिकैत ने अपने संदेश में कहा कि शुक्रताल का गंगा स्नान मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की आस्था और पुरानी परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने किसान भाइयों और युवा साथियों से विशेष रूप से कहा कि मेले में अपनी सहभागिता जिम्मेदारी के साथ निभाएं। उत्साह के नाम पर ऐसी कोई गतिविधि न करें, जिससे भीड़ में अव्यवस्था पैदा हो या किसी की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो। झोटा दौड़ जैसी गतिविधियों से बचने की अपील करते हुए उन्होंने धार्मिक आयोजन की मयार्दा बनाए रखने पर जोर दिया। राकेश टिकैत ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से प्रशासन की ओर से की जाने वाली व्यवस्थाओं में सहयोग देने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मेले में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में अनुशासन बनाए रखना, निर्धारित व्यवस्थाओं का पालन करना और अनावश्यक भीड़ या अव्यवस्था से बचना जरूरी है। उन्होंने किसानों और नौजवानों से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारी समझें और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर माहौल बनाने में सहयोग करें। आयोजन के दौरान किसी भी तरह का ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे या शांति व्यवस्था पर असर पड़े। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने अपनी अपील को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी बात कही। उनका कहना है कि जब किसान, युवा, स्थानीय नागरिक और श्रद्धालु मिलकर जिम्मेदारी निभाएंगे, तभी गंगा स्नान मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराया जा सकेगा। राकेश टिकैत की अपील का मुख्य संदेश यही है कि शुक्रताल के इस धार्मिक आयोजन में आस्था और परंपरा के साथ अनुशासन को भी प्राथमिकता दी जाए। मेले में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को दूसरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए प्रशासन का सहयोग करना चाहिए, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठान कर सकें।

संपादकीय

कागजी दावे और लापरवाही, हर साल दिल्ली का दम घुटने का जिम्मेदार कौन?

दिल्ली में हर साल दिवाली और लापरवाही के कारण प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो जाता है। पटाखों की जिद और प्रशासन की ढुलमुल नीतियों के चलते जनता को हर साल जहरीली हवा का खमियाजा भुगतना पड़ता है। पिछले कई सालों से लगातार इस मौसम में प्रदूषण एक संकट के रूप में खड़ा हो जाता है। यह एक खुला तथ्य है कि इसके बावजूद न तो सरकार को एहतियाती कदमों को लेकर गंभीर होना जरूरी लगता है, न ही आम लोग अपने स्तर पर इस समस्या के कारणों पर नियंत्रण की कोशिश करते हैं। खासतौर पर दिवाली के त्योहार के मौके पर लोगों के भीतर जिस तरह की लापरवाही देखी जाती है, वह हैरान करने वाली होती है।प्रदूषण को ज्यादा जटिल बनाने में पटाखों की भूमिका छिपी नहीं रही है। उसके बावजूद बहुत सारे लोग बेलगाम होकर दिवाली पर आतिशबाजी करते हैं। नतीजतन, दिवाली की रात से लेकर अगले कई दिनों तक दिल्ली की आबोहवा में व्यापक पैमाने पर प्रदूषण घुल जाता है और पीएम 2.5 सूक्ष्म कणों की मात्रा बेहद खतरनाक स्तर पर चली जाती है।विचित्र है कि इस समस्या की मार झेलने के बावजूद लोग जश्न मनाने के लिए हवा में जहर घोलने वाले पटाखे चलाने की अपनी इच्छा पर नियंत्रण नहीं रख पाते। सवाल है कि इसका खमियाजा किसे भुगतना पड़ता है! दूसरी ओर, सरकार की हालत यह है कि प्रदूषण के सवाल पर वह हर तरह की सख्ती बरतने की घोषणा करती है, वाहनों की आवाजाही और पराली जलाने से लेकर निर्माण कार्यों पर रोक जैसे नियंत्रण के कई नियम लागू करती है, लेकिन आतिशबाजी को लेकर उसका रवैया ढुलमुल होता है। जब संकट का स्वरूप बेलगाम होने लगता है, तब रस्म पूरा करने के लिए वह और ज्यादा कड़े कदम उठाने की घोषणा करती है।इस साल दिवाली की रात और उसकी अगली सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक चार सौ से भी काफी ज्यादा चला गया था। जाहिर है, अगर स्थिति इस हद तक बिगड़ने से रोकने के लिए सख्त कदम पहले उठाए गए होते, तो शायद प्रदूषण के संकट को थोड़ा कम किया जा सकता था। गौरतलब है कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने के बाद शनिवार को प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली सहित एनसीआर के शहरों में प्रदूषण नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से लागू कराने के लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय करने समेत कई निर्देश दिए।इसके अलावा, एनसीआर के 191 औद्योगिक इकाइयों को सील करने के आदेश दिए गए। जबकि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 30 अक्तूबर को ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उन औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, जिन्होंने वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाए थे। दिल्ली में प्रदूषण का संकट गहराने की वजहें किसी से छिपी नहीं हैं।ऐसा भी नहीं है कि सरकारी तंत्र को इस जटिल परिस्थिति का अंदाजा नहीं होता। मगर सरकार पहले से ही प्रदूषण पर नियंत्रण के नाम पर कई नियम-कायदे लागू करने की सिर्फ घोषणा करती रहती है। जबकि असली समस्या उनके कार्यान्वयन की है।

वंतारा से गौ सेवा तक अनंत की मानवीय सेवा यात्रा

व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

(ललित गर्ग)

अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं।

आज जब दुनिया व्यापार को प्रायः लाभ, प्रतिस्पर्धा, विस्तार और बाजार की भाषा में परिभाषित करती है, तब अनंत अंबानी का व्यक्तित्व इस स्थापित धारणा के सामने एक अलग प्रश्न खड़ा करता है-क्या बड़ी आर्थिक सफलता के साथ बड़ी मानवीय संवेदना भी संभव है? क्या अरबों-खरबों की व्यावसायिक दुनिया में करुणा, जीवदया, सेवा और पर्यावरण-संरक्षण केवल सामाजिक उत्तरदायित्व के औपचारिक शब्द रहेंगे या वे जीवन-दर्शन का हिस्सा बन सकते हैं? अनंत अंबानी की गतिविधियाँ इस प्रश्न का एक सकारात्मक उत्तर देती दिखाई देती हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े अनंत अंबानी आज केवल व्यापारिक उत्तराधिकारी के रूप में नहीं, बल्कि पशु कल्याण, जीवदया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। उनकी सबसे चर्चित पहल 'वंतारा'-स्टार ऑफ द फॉरेस्ट है, जो गुजरात के जामनगर में लगभग 3,500 एकड़ क्षेत्र में विकसित पशु बचाव, उपचार, पुनर्वास और संरक्षण का विशाल केंद्र है। हाल ही में केरल की 18 महीने की बीमार और घायल नन्हीं हथिनी 'माया' की जान बचाने के लिए उसे एयरलिफ्ट कराकर जामनगर स्थित अपने वन्यजीव पुनर्वास केंद्र वंतारा में भर्ती कराया है। रिलायंस फाउंडेशन के अनुसार वंतारा में 1.5 लाख से अधिक पशुओं और 2,000 से अधिक प्रजातियों की देखभाल की जा रही है तथा इसके लिए हजारों विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और देखभालकर्ताओं की टीम कार्यरत है। लेकिन अनंत अंबानी की चर्चा केवल वंतारा तक सीमित नहीं है। हाल में उनके गौसेवा संबंधी वक्तव्य ने देश का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। एक वायरल वीडियो में उन्होंने लगभग नौ लाख गायों की देखभाल से जुड़े होने की बात कही, जिनमें करीब सात लाख गायें ऐसी बताई गईं जो दूध नहीं देतीं या आर्थिक दृष्टि से उपयोगी नहीं हैं। उन्होंने घायल एवं संकटग्रस्त गायों के बचाव के लिए लगभग 100 एम्बुलेंस और आठ राज्यों में सक्रिय बचाव-व्यवस्था का भी उल्लेख किया। यहीं अनंत की सोच का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। जो पशु दूध नहीं देता, जिसकी आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो गई है, क्या उसका जीवन भी कम मूल्यवान हो जाता है? बाजार की सामान्य मानसिकता शायद इस प्रश्न का उत्तर उपयोगिता से देगी, लेकिन जीवदया की भारतीय परंपरा इसका उत्तर अस्तित्व के सम्मान से देती है। अनंत अंबानी की गौसेवा की चर्चा इसी बिंदु पर एक व्यापक सामाजिक विमर्श को



जन्म देती है-किसी जीव का मूल्य उसकी उत्पादकता से नहीं, उसके जीवन से तय होना चाहिए। यह विचार आधुनिक अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। व्यापार की सफलता का अर्थ केवल अधिक उत्पादन और अधिक लाभ नहीं होना चाहिए, उसके साथ यह प्रश्न भी जुड़ना चाहिए कि उस सफलता से समाज, प्रकृति और जीव-जगत को क्या मिला। यदि पूंजी संवेदना से जुड़ती है, तकनीक करुणा के साथ चलती है और उद्योग पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी बनता है, तो व्यापार केवल आर्थिक संस्था नहीं रहता, वह सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की दिनचर्या से जुड़ी बातें भी इसी संवेदनशीलता की ओर संकेत करती हैं। उन्होंने बताया है कि घर से निकलने से पहले वे गायों की मालिश करते हैं और उनके घर में छह गायें हैं, जिन्हें वे स्वयं अपने हाथों से भोजन कराते हैं। यह बात प्रतीकात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। बड़े उद्योग-घराने की सुविधाओं में रहने वाला कोई युवा यदि अपने दैनिक जीवन में किसी पशु के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को स्थान देता है, तो वह सेवा को केवल दान की गतिविधि नहीं रहने देता, उसे व्यक्तिगत संस्कार में बदल देता है।

वंतारा इस व्यक्तिगत संवेदना का संस्थागत और वैज्ञानिक विस्तार दिखाई देता है। यहां पशुओं के उपचार, पुनर्वास और संरक्षण के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ विकसित की गई हैं। रिलायंस की आधिकारिक जानकारी के अनुसार वंतारा में विशेषीकृत वन्यजीव अस्पताल, पशु चिकित्सा सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पोषण केंद्र और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम भी संचालित हैं। यानी यह केवल 'पशुओं को बचाने' की भावना नहीं है, इसके साथ विज्ञान, चिकित्सा, जैव-विविधता और दीर्घकालीन संरक्षण को जोड़ा गया है। यही वह जगह है जहाँ परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति कहती है-'अहिंसा परमो धर्मः', जबकि आधुनिक विज्ञान कहता है कि जैव-विविधता का संरक्षण मानव सभ्यता के भविष्य के लिए आवश्यक है। वंतारा इन दोनों विचारों को एक साझा धरातल देता है। इसी सोच का विस्तार अक्टूबर 2026 में आरंभ हुई 'चैंपियंस ऑफ केयर' पहल में भी दिखाई देता है। विश्व पशु दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल के अंतर्गत 50 से अधिक पशु कल्याण संगठनों को साथ लाने का प्रयास किया गया है, जो सामुदायिक कुत्तों, बिल्लियों, मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए चिकित्सा, बचाव और दीर्घकालीन देखभाल का काम करते हैं। इसका लक्ष्य पशु कल्याण को केवल एक बड़े केंद्र तक सीमित रखने के बजाय देशभर के जमीनी संगठनों तक सहायता पहुँचाना है। यहाँ अनंत अंबानी के दृष्टिकोण की एक और विशेषता दिखाई देती है-केंद्रीकरण से सहयोग की ओर बढ़ना। यदि देश में पहले से काम कर रहे छोटे-छोटे पशु कल्याण संगठन संसाधनों के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें खत्म करने के बजाय मजबूत करना अधिक प्रभावी सामाजिक मॉडल है। यही मॉडल भविष्य में पशु कल्याण के लिए एक राष्ट्रीय नेटवर्क का आधार बन सकता है।

अनंत की सोच को केवल भावुकता कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो इतने बड़े पशु-कल्याण अभियानों की वास्तविक कसौटी पारदर्शिता, वैज्ञानिक मानक, पशु-अधिकार, दीर्घकालीन पुनर्वास, जैव-सुरक्षा और स्वतंत्र मूल्यांकन होगी। वंतारा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ प्रश्न और बहसें भी हुई हैं, इसलिए ऐसे विशाल संस्थानों के लिए पारदर्शिता और प्रमाण-आधारित संचालन उतना ही आवश्यक है जितना करुणा। यही आलोचनात्मक कसौटी किसी भी बड़े परोपकारी प्रयास को अधिक विश्वसनीय बनाती है। करुणा भाव है, लेकिन करुणा का स्थायी प्रभाव व्यवस्था से पैदा होता है। इसीलिए अनंत अंबानी के बारे में यह कहना अधिक उचित होगा कि वे व्यापार की पुरानी परिभाषा को अस्वीकार करने के बजाय उसमें एक नया आयाम जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि उन्होंने स्वयं सिद्ध कर दिया है कि हर बड़ा व्यापार ईमानदारी और नैतिकता से ही चलता है, पर यह अवश्य कहा जा सकता है कि उनका सार्वजनिक आचरण यह संदेश देता है कि व्यावसायिक महत्वाकांक्षा और मानवीय संवेदना एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

अनंत अंबानी के व्यक्तित्व का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम उनके हालिया जियो संबोधन में सामने आया। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता के अवसर पर उन्होंने सफलता का श्रेय केवल परिवार या प्रबंधन को नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों को दिया। उन्होंने व्यापार को पूजा और शेयर बाजार की घंटी को मंदिर की घंटी से जोड़ते हुए कहा कि पूजा का प्रसाद बांटा जाता है और आज जियो भारत के साथ साझा किया गया है। उनके संबोधन के दौरान मुकेश अंबानी भावुक होकर आँसू पोंछते दिखाई दिए। यह प्रसंग महज पारिवारिक भावुकता नहीं था। इसमें व्यापार के अर्थ की एक नई व्याख्या छिपी थी-व्यापार केवल मालिक का नहीं, उससे जुड़े करोड़ों लोगों का भी होता है। जियो की सफलता को उन्होंने कर्मचारियों, तकनीशियनों, सेवा-कर्मियों, खुदरा भागीदारों और सामान्य भारतीयों की भागीदारी से जोड़ा। यही दृष्टि व्यापार को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है।

एचएफसीएल के अध्यक्ष एवं दूरसंचार क्षेत्र के वरिष्ठ उद्योगपति महेंद्र नाहटा लंबे समय से जियो की यात्रा से जुड़े रहे हैं और रिलायंस जियो इन्फोकॉम के निदेशक मंडल में भी रहे हैं। उनके दृष्टिकोण से अनंत अंबानी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता यह मानी जा सकती है कि उन्होंने तकनीक और व्यवसाय की आधुनिक दुनिया को सेवा, संस्कार और संवेदना से जोड़ने की कोशिश की है। जियो की ऐतिहासिक सफलता के अवसर पर अनंत के भावपूर्ण संबोधन में नाहटा ने भी भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और मानवीय संवेदना के संगम की झलक देखी-ऐसा विचार उनके हालिया लेख में व्यक्त हुआ है। अनंत ने एक महत्वपूर्ण बहस शुरू कर दी है-क्या कारोबार का अंतिम लक्ष्य केवल लाभ है, या लाभ के साथ लोकमंगल भी? यदि व्यापार में तकनीक हो, तो वह विकास बनता है। उसमें पूंजी हो, तो वह विस्तार बनता है। लेकिन उसमें करुणा जुड़ जाए, तो वही व्यापार सेवा का माध्यम बन सकता है। अनंत अंबानी की गौसेवा, वंतारा और सामुदायिक पशु कल्याण की पहलें इसी संभावित परिवर्तन की कहानी कहती हैं। **लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

भारत के आर्थिक विकास में राज्यों को बढ़ानी होगी अपनी हिस्सेदारी

(प्रह्लाद सबनानी)

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को ÷बीमारु÷ राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे।

भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देश के समस्त राज्यों को देश के आर्थिक विकास में अपनी भागीदारी बढ़ानी होगी। विशेष रूप से उन राज्यों को, जिनकी आर्थिक विकास दर देश की औसत आर्थिक विकास दर से नीचे है। भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लिए औसतन 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आर्थिक विकास दर हासिल करना आवश्यक है।

वर्तमान में जनसंख्या की दृष्टि से उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान सबसे बड़े राज्यों की श्रेणी में गिने जाते हैं। परंतु, 1980 के दशक में इन राज्यों को बीमारु राज्य की संज्ञा दी गई थी, क्योंकि इन राज्यों की जनसंख्या सबसे अधिक थी, भारत के 10 में से 4 नागरिक इन राज्यों में निवास करते थे। साथ ही, इन राज्यों की आर्थिक विकास दर तुलनात्मक रूप से बहुत कम थी जिससे इन राज्यों की प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम थी।

वर्ष 2000-01 में उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान 22 प्रतिशत था जो वर्ष 2034-24 में घटकर 21 प्रतिशत हो गया। पिछले, लगभग 25 वर्षों के दौरान देश के इन चारों बड़े राज्यों का देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान लगभग उसी स्तर पर बना रहा है, जो एक चिन्तनीय विषय होना चाहिए। यदि देश के सबसे बड़े राज्यों का देश के आर्थिक विकास में योगदान नहीं बढ़ेगा तो भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में किस प्रकार शामिल हो सकता है। अतः उक्त बड़े चारों राज्यों को अपने आर्थिक विकास को गति देना अब एक आवश्यक आवश्यकता बन गया है।

वर्ष 2024-25 के प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों पर यदि नजर डालें तो ध्यान में आता है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर 234,859 रुपए प्रतिवर्ष था। जबकि बिहार में प्रति व्यक्ति आय 76,000 रुपए प्रतिवर्ष थी, उत्तर प्रदेश में यह 126,304 रुपए थी, मध्य प्रदेश में 170,320 रुपए थी एवं राजस्थान में 206,440 रुपए थी। भारत में प्रति व्यक्ति आय बिहार में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में तीन गुणा अधिक है। जबकि उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय लगभग दोगुनी है। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में प्रति व्यक्ति आय की तुलना में भी भारत में प्रति व्यक्ति आय बहुत अधिक है। पूरे भारत में बेरोजगारी की दर 5.1 प्रतिशत है जबकि, राजस्थान में 7.7 प्रतिशत एवं बिहार में 7.3 प्रतिशत है। विशेष रूप से बिहार एवं उत्तर प्रदेश से रोजगार पाने के उद्देश्य से नागरिकों का देश के अन्य प्रदेशों में पलायन 37 प्रतिशत है। अर्थात, पूरे देश में एक राज्य से दूसरे राज्यों में होने वाले नागरिकों के पलायन का 37 प्रतिशत हिस्सा केवल बिहार एवं उत्तर प्रदेश का होता है। क्योंकि, इन राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो रहे हैं एवं इन प्रदेशों के नागरिक मजबूरी में अन्य राज्यों को पलायन करते हैं ताकि उन्हें अन्य राज्यों में रोजगार प्राप्त हो सके।

उक्त कारणों के चलते ही, उक्त चारो राज्यों को बीमारु राज्यों की संज्ञा दी गई थी। परंतु, हाल ही के समय में इन राज्यों में, विशेष रूप से, आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। उक्त चारों राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान, भारत में कृषि के औसत योगदान की तुलना में, बहुत अधिक है। अर्थात इन राज्यों में उद्योगों का विकास नहीं हो पाया है। मध्यप्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान 47 प्रतिशत है, जबकि उद्योग क्षेत्र का योगदान 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान 33 प्रतिशत है। प्रदेश की अधिकतम आबादी ग्रामीण इलाकों में निवास करती है एवं अपने रोजगार के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। अधिक आबादी के कृषि क्षेत्र पर निर्भर होने के चलते प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय भी कम हो जाती है। उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के विकसित नहीं होने के चलते इन क्षेत्रों में रोजगार के कम अवसर निर्मित होते हैं एवं मजबूरी में प्रदेश की अधिकतम जनसंख्या को कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना पड़ता है अथवा रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों को पलायन करना होता है। इसी प्रकार, राजस्थान में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 31 प्रतिशत हिस्सा कृषि क्षेत्र से आता है, 26 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 43 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। उत्तर प्रदेश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 28 प्रतिशत कृषि क्षेत्र, 28 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र एवं 44 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। बिहार में भी कुल सकल घरेलू उत्पाद का 25 प्रतिशत कृषि क्षेत्र से, 18 प्रतिशत उद्योग क्षेत्र से एवं 57 प्रतिशत सेवा क्षेत्र से आता है। जबकि, भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान लगभग 16 से 18 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र का योगदान लगभग 18 से 20 प्रतिशत एवं सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 62 से 64 प्रतिशत है।

हाल ही के समय में, उक्त चारों राज्यों में औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे उत्तर प्रदेश ने मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है। मध्य प्रदेश, ऑटोमोबाईल उत्पादन के क्षेत्र में एक हब के रूप में विकसित हो चुका है। इंदौर के आसपास विकसित किए गए ऑटोमोबाईल हब में 10 से अधिक चार पहिया उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं एवं 200 से अधिक ऑटो कम्पोनेंट का उत्पादन करने वाली इकाईयां स्थापित हो गई हैं। बिहार शिक्षा के क्षेत्र में अव्वल माना जाता है एवं मखाना उत्पादन के क्षेत्र में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या को बहुत बड़ी मात्रा में तेजी से कम करने में सफलता प्राप्त कर ली है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली ! दुनिया में अशांति फैलाने वाले ट्रंप-पुतिन जिनपिंग करेंगे शांति की बात

क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें? बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। दुनिया में वैसे तो तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन अब दुनिया की तीन सबसे बड़ी शक्तियां खुद एक ऐसा कदम उठाने जा रही हैं, जिसे इस दौर का सबसे बड़ा विरोधाभास कहा जा सकता है। दुनिया को युद्ध, तनाव और टकराव की आग में झोंकने वाली ये तीनों ताकतें अब एक मंच पर बैठकर शांति और वैश्विक स्थिरता पर चर्चा करने जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस प्रस्तावित मुलाकात को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता है। उत्सुकता इसलिए है क्योंकि ट्रंप लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां दे रहे हैं, पुतिन लगभग पांच साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हैं और जिनपिंग ताइवान से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपनी सैन्य और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब यही तीनों नेता दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने के लिए एक साथ बैठेंगे। ऐसे में सवाल सिर्फ इस बैठक के एजेंडे का नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे उन सामरिक और रणनीतिक उद्देश्यों का भी है, जिनका असर आने वाले समय में पूरी दुनिया की राजनीति पर पड़ सकता है।



देखा जाये तो हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। ईरान के साथ सैन्य टकराव, अमेरिकी हमले और तेहरान के जवाबी पलटवार ने पूरे मध्य पूर्व को बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया। इस संघर्ष ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों की जान ली, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर भी महंगाई का बोझ बढ़ाया। ईरान को लेकर ट्रंप का लगातार बदलता रुख कभी सैन्य धमकियों, कभी अधिकतम दबाव और कभी बातचीत की पेशकश के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शेनझेन में होने वाली बैठक ट्रंप की वास्तविक शांति पहल है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के मुखिया के रूप में अपना दबदबा स्थापित करने का एक और मंच है? दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन हैं। यूक्रेन के साथ रूस का युद्ध लगभग पांच साल पूरे करने की तरफ बढ़ रहा है। अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है, कई शहर तबाह हुए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था दशकों के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। जिस युद्ध को रूस ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों का सवाल बताकर शुरू किया था, वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि पुतिन शांति की बातचीत में क्या प्रस्ताव लेकर पहुंचेंगे? क्या वह युद्ध समाप्त करने का रास्ता तलाशेंगे या अपनी सैन्य कार्रवाई से हासिल किए गए क्षेत्रीय और राजनीतिक लाभ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे?

पुतिन के लिए इस बैठक का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति के साथ एक ही मंच पर बैठना रूस की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नई वैधता और प्रतिष्ठा दे सकता है। देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों के बीच यह तस्वीर मॉस्को के लिए अपने आप में बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

कथित शांति की चाह रखने वाले तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। देखा जाये तो चीन एक तरफ खुद को वैश्विक शांति और सहयोग का समर्थक बताता है, दूसरी तरफ ताइवान को लेकर उसकी सैन्य और राजनीतिक धमकियां लगातार क्षेत्रीय तनाव बढ़ाती हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी गतिविधियां फिलीपींस, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। समुद्री क्षेत्रों पर दावेदारी, सैन्य ठिकानों का विस्तार और क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिशें चीन की महत्वाकांक्षाओं को उजागर करती हैं। सवाल है कि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में दबाव की राजनीति करने वाले जिनपिंग शेनझेन में किस तरह की शांति व्यवस्था की बात करेंगे? क्या चीन अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता करने के लिए तैयार है? देखा जाये तो इस बैठक के मायने केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, वैश्विक सैन्य वर्चस्व, आर्थिक हित और नई विश्व व्यवस्था की लड़ाई भी छिपी है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। रूस के साथ अमेरिका की पुरानी परमाणु हथियार नियंत्रण व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और वाशिंगटन अब बीजिंग को भी इस व्यवस्था का हिस्सा बनाना चाहता है। लेकिन चीन के परमाणु हथियारों का भंडार अमेरिका और रूस की तुलना में काफी छोटा है। ऐसे में जिनपिंग क्यों ऐसी बातचीत में शामिल होंगे जिसमें उनकी सामरिक बढ़त के बजाय उनकी शक्ति को सीमित करने पर चर्चा हो?

देखा जाये तो पुतिन के लिए यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के साथ सीधे संवाद का रास्ता महत्वपूर्ण है, जबकि जिनपिंग के लिए यह साबित करने का अवसर है कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच किसी भी नए वैश्विक समीकरण में चीन की भूमिका निर्णायक होगी। वहीं ट्रंप के लिए यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव दिखाने का मौका है। साथ ही इस बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया की व्यवस्था अब तीन महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगी? क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें? बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं। शांति की मेज पर आमने-सामने बैठने जा रहे इन तीनों नेताओं की असली परीक्षा इस बात से होगी कि वे अपनी सामरिक महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक वर्चस्व की होड़ से कितना पीछे हटने को तैयार हैं।

जीत के बाद प्रथम आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा शिक्षक क्षेत्र से एमएलसी बने श्रीचंद शर्मा का जोरदार स्वागत किया

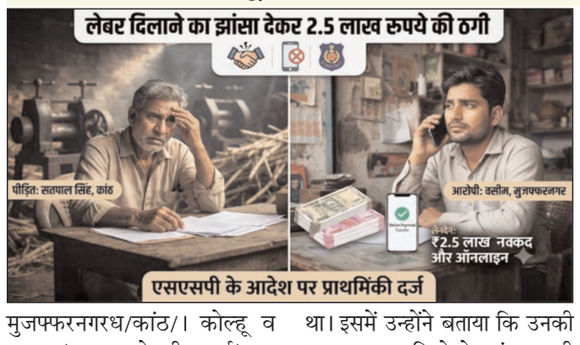
थानाभवन। भारतीय जनता पार्टी शिक्षक क्षेत्र से विधान परिषद सदस्य बनने पर श्रीचंद शर्मा जी का चुनाव जीतने के बाद प्रथम आगमन पर थाना भवन स्थित डीपीएस विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें जाते समय हरड फतेहपुर में भारतीय जनता पार्टी मंडल महामंत्री अमरीश सैनी के प्रतिष्ठान पर एमएलसी श्रीचंद शर्मा का भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकताओं द्वारा फूल माला डालकर जोरदार स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी, जिला मंत्री भूपेंद्र ,मंडल अध्यक्ष पंडित पवन



गौतम, मंडल महामंत्री, अमरीश सैनी ,मंडल महामंत्री जितेंद्र राणा ,मंडल अध्यक्ष जलालाबाद चक्रेश राणा, जयपाल प्रधान, गन्ना समिति चेयरमैन राजेश राणा ,वीरेंद्र सिंह दुष्यंत राणा ,मैनपाल सैनी, ऋषिपाल फौजी, योगेश चैयरमैन राइड, रमेश मास्टर, ओम प्रधान, आदि उपस्थित रहे

मुजफ्फरनगर के 'वसीम' पर मुरादाबाद में ठगी का मामला दर्ज: लेबर दिलाने का झांसा देकर ठगे 2.5 लाख रुपये

कांठ के किसान से नकद और ऑनलाइन लिए थे रुपये, आरोपी ने फोन भी किया बंद, एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने कसी कमरने गौमाता की चरण धूलि मस्तक पर लगाकर लिया आशीर्वाद



मुजफ्फरनगरध/कांठ/। कोल्हू व क्रशर (गुड़ बनाने की इकाई) पर कार्य करने के लिए मजदूर (लेबर) उपलब्ध कराने का झांसा देकर हजारों रुपये हड़पने के एक मामले में पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के कड़े आदेशों का पालन करते हुए पुलिस ने मुजफ्फरनगर के रहने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। आरोपी पर आरोप है कि उसने किसान से मोटी रकम लेने के बाद न तो लेबर दी और न ही पैसे वापस किए।

क्या था पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कांठ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव मनकुआ निवासी सत्यपाल सिंह ने एसएसपी को एक प्रार्थना-पत्र दिया था। इसमें उन्होंने बताया कि उनकी मुजफ्फरनगर जिले के गांव माण्डी तिताबी निवासी वसीम से पहले से जान-पहचान थी। वसीम का काम कोल्हू और क्रशर मालिकों को लेबर व मजदूर दिलाने का है। पीड़ित सत्यपाल के अनुसार, वसीम ने उन्हें अपने कोल्हू व क्रशर पर काम करने के लिए आवश्यक लेबर दिलाने का प्रलोभन दिया। आरोप है कि इस काम के बदले में वसीम ने सत्यपाल सिंह से अलग-अलग किस्तों में, नकद और ऑनलाइन माध्यम से कुल दो लाख 54 हजार रुपये (2,54,000) ले लिए। इतनी बड़ी रकम लेने के बाद भी वसीम ने वादे के अनुसार लेबर नहीं भेजी।

रुपये मांगने पर करता था झगड़ा, अब बंद है फोन

जब काफी समय बीत जाने के बाद भी लेबर नहीं मिली और न ही वसीम ने कोई संतोषजनक जवाब दिया, तो किसान सत्यपाल सिंह ने अपने दिए हुए रुपये वापस मांगे। पीड़ित का आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर वसीम टालमटोल करने लगा और झगड़े पर उतारू हो गया। दबाव बढ़ने पर आरोपी ने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया, जिससे उससे संपर्क पूरी तरह टूट गया। ठगा महसूस करने के बाद पीड़ित ने न्याय के लिए एसएसपी कार्यालय का दरवाजा खटखटाया।

एसएसपी के आदेश पर हुई कार्रवाई

सत्यपाल सिंह की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के आदेश दिए। एसएसपी के आदेश के बाद हरकत में आई कांठ थाना पुलिस ने आरोपी वसीम के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक (SHO) सुदेश पाल सिंह ने बताया कि प्राप्त प्रार्थना-पत्र और एसएसपी के निदेर्शों के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना (जांच) कर रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से लेबर सप्लाई के काम में लगे लोगों के बीच हड़कंप मच गया है।

इंस्टाग्राम पर हुई गाली-गलौज की खुन्नस शादी समारोह में निकाली, बाराती घायल

नरा गांव में तावली से आई थी बारात,पुराने विवाद में मारपीट का आरोप,पुलिस ने दो के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव नरा में शादी समारोह के दौरान पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई।आरोप है कि कुछ माह पहले इंस्टाग्राम पर हुई गाली-गलौज की खुन्नस निकालते हुए एक युवक ने बारात में आए युवक पर हमला कर दिया।घटना में बाराती गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव नरा निवासी हासिम की पुत्री की बारात बुधवार को गांव तावली से आई थी।शादी समारोह में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था।

इसी दौरान गांव तावली निवासी खुशनूद पुत्र इस्तकार और अब्दुल रहमान पुत्र जुलफूकार आमने-सामने आ गए।बताया गया है कि कुछ माह पूर्व इंस्टाग्राम पर खुशनूद ने अब्दुल रहमान के साथ गाली-गलौज की थी।उस समय से ही दोनों के बीच रंजिश चली आ रही थी।

आरोप है कि बुधवार को शादी समारोह में खुशनूद को देखकर अब्दुल रहमान ने पुरानी खुन्नस निकालते हुए उसके साथ मारपीट की।ग्रामीणों का कहना है कि खुशनूद पर पर चाकू से हमला किया गया,जिसमें खुशनूद गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पुलिस ने उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। इस मामले में खुशनूद के पिता इस्तकार ने अब्दुल रहमान सहित एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।वहीं पुलिस का कहना है कि मामला चाकूबाजी का नहीं,बल्कि मारपीट का है।

थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली से हरिद्वार-ऋषिकेश का सफर होगा आसान: नमो भारत कॉरिडोर का सर्वे शुरू, नमो भारत से जुड़ेंगे पश्चिमी यूपी के शहर

150 किमी लंबे रूट के दो विकल्पों पर मंथन, खतौली–मुजफ्फरनगर–रुड़की होकर गुजरेगी रैपिड ट्रेन; गंगनहर पटरी का विकल्प भी चर्चा में

मुजफ्फरनगर/मेरठ/नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर से हरिद्वार और ऋषिकेश जाने वाले यात्रियों के लिए आने वाले समय में सफर आसान हो सकता है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक नमो भारत रैपिड ट्रेन कॉरिडोर विकसित करने की संभावनाओं पर प्राथमिक सर्वे शुरू कर दिया है। करीब 150 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित कॉरिडोर के लिए दो अलग-अलग मार्गों पर विचार किया जा रहा है। इनमें एक मार्ग मेरठ के मोदीपुरम से दौराला, खतौली, मुजफ्फरनगर, पुरकाजी और रुड़की होते हुए हरिद्वार-ऋषिकेश तक पहुंचाने का है, जबकि दूसरे विकल्प में मोदीनगर से गंगनहर पटरी के किनारे सीधे रुड़की और हरिद्वार तक कॉरिडोर विकसित करने की संभावना तलाशी जा रही है। इस परियोजना के आकार लेने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों को तेज रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिल



सकता है। खासकर मुजफ्फरनगर, खतौली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली, मेरठ और हरिद्वार के बीच आवागमन के लिए एक नया विकल्प मिल सकता है। फिलहाल परियोजना शुरूआती स्तर पर है। रूट का स्केच तैयार करने और तकनीकी संभावनाओं की जानकारी जुटाने का काम किया जा रहा है। अंतिम मार्ग का निर्धारण विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होने के बाद ही होगा। मोदीपुरम से हरिद्वार तक कॉरिडोर बढ़ाने की तैयारी

दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम तक लगभग 82 किलोमीटर लंबे नमो भारत कॉरिडोर के संचालन के बाद अब इसके नेटवर्क को आगे बढ़ाने की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। प्रस्तावित योजना के तहत दिल्ली से हरिद्वार और ऋषिकेश तक तेज रफ्तार ट्रेन सेवा उपलब्ध कराने की परिकल्पना है। इसके लिए लगभग 150 किलोमीटर लंबे अतिरिक्त कॉरिडोर की आवश्यकता बताई जा रही है। प्रस्तावित कॉरिडोर में करीब 72 किलोमीटर हिस्सा उत्तर प्रदेश और 78 किलोमीटर हिस्सा उत्तराखंड में होने की संभावना है। ऐसे में परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए दोनों राज्यों की सरकारों के बीच समन्वय और सहमति महत्वपूर्ण होगी। इसके साथ ही संबंधित विभागों से तकनीकी जानकारी, उपलब्ध भूमि और संभावित मार्ग की स्थिति का आकलन भी करना होगा। एनसीआरटीसी के स्तर पर फिलहाल रूट की संभावनाओं को लेकर प्रारंभिक कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों की ओर से अभी इसे अंतिम परियोजना नहीं माना जा रहा है। सर्वे और तकनीकी अध्ययन के बाद ही तय हो सकेगा कि किस मार्ग से कॉरिडोर बनाना अधिक व्यावहारिक रहेगा। मुजफ्फरनगर और खतौली के यात्रियों को मिलेगा लाभ

मोदीपुरम से कॉरिडोर को आगे बढ़ाने का विकल्प पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस संभावित मार्ग में मोदीपुरम से दौराला, खतौली, मुजफ्फरनगर, पुरकाजी और रुड़की होते हुए हरिद्वार तक ट्रेन पहुंचाने की संभावना है। इसके बाद कॉरिडोर को ऋषिकेश तक विस्तार देने पर विचार किया जा सकता है। यदि यह मार्ग स्वीकृत होता है तो मुजफ्फरनगर और खतौली जैसे शहरों को नमो भारत नेटवर्क से जोड़ने का रास्ता खुल सकता है। वर्तमान में दिल्ली और हरिद्वार के बीच सड़क मार्ग से यात्रा करने वाले लोगों को यातायात के दबाव के कारण कई बार लंबा समय लग जाता है। त्योहारों, कांवड़ यात्रा, वीकेंड और पर्यटन सीजन में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर वाहनों की संख्या बढ़ने से जाम की समस्या भी सामने आती है। ऐसे में तेज रफ्तार क्षेत्रीय रेल सेवा शुरू होने से यात्रियों को सड़क यातायात के विकल्प के रूप में एक व्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिल सकती है। हालांकि, इस मार्ग पर किन-किन स्थानों पर स्टेशन बनाए जाएंगे, उनकी दूरी क्या होगी और ट्रेन का परिचालन किस तरह होगा

खतौली में नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा: गुजरात के तीर्थयात्री की मौत, तीन महिलाएं घायल, खराब स्लीपर बस में कबाड़ से भरे ट्रक ने मारी टक्कर

हरिद्वार जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस तिंगाई पुलिया के पास खराबी के चलते रुकी थी: चालक ट्रक छोड़कर फरार

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नेशनल हाईवे-58 पर बुधवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीर्थयात्रा पर निकले गुजरात के एक श्रद्धालु की जान चली गई, जबकि तीन महिला यात्री घायल हो गईं। थाना खतौली क्षेत्र के अंतर्गत तिंगाई पुलिया के निकट सड़क किनारे खराब खड़ी एक स्लीपर बस में पीछे से आ रहे कूड़े-कबाड़ से लदे तेज रफ्तार 'घोड़ा ट्रक' ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि गहरी नींद में सो रहे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुजरात से श्रद्धालुओं को लेकर एक स्लीपर बस (संख्या MP 41 ZD 2776) हरिद्वार जा रही थी। मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि के बाद बस में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते चालक ने बस को थाना खतौली क्षेत्र में तिंगाई पुलिया के पास हाईवे किनारे खड़ा कर दिया। बुधवार सुबह करीब पांच बजे पीछे से आ रहे कबाड़ से भरे अनियंत्रित घोड़ा ट्रक ने खड़ी बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जोरदार धमाके और झटके के साथ बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। इस भीषण टक्कर में गुजरात निवासी अनिल पटेल (पुत्र शंकर पटेल) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में बस में सवार तीन महिला तीर्थयात्री भी घायल हुई हैं। घायलों की पहचान गुजरात के भरूच और राजपीपल क्षेत्र के निवासियों के हर्षा (पत्नी रोहित), निवासी राजपीपल,



गुजरात, नयना (पत्नी धनुष), निवासी योगेश्वर नगर, भरूच (गुजरात) और गोहिल नयनबेन (पत्नी राजेश भाई), निवासी पनिदरा, भरूच (गुजरात) के रूप में हुई है। अनिल पटेल को मृत घोषित किया घटना की सूचना मिलते ही खतौली कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। स्थानीय स्तर पर सोनू एंबुलेंस सर्विस और अमन एंबुलेंस सर्विस की मदद से तीनों घायल महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) खतौली में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया, लेकिन अनिल पटेल को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने मृतक अनिल पटेल के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय मुजफ्फरनगर भेज दिया। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों के सड़क पर आ जाने के कारण नेशनल हाईवे-58 पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा। सुबह के समय हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। पुलिस ने क्रेन और स्थानीय मदद से वाहनों को किनारे हटवाकर यातायात सुचारू कराया। खतौली पुलिस ने फरार ट्रक चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और वाहन नंबर के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मुजफ्फरनगर के युवक की गन्नौर में सड़क हादसे में दर्दनाक मौत: भतीजा गंभीर रूप से घायल, इनोवा और बाइक की भीषण भिड़ंत से टूटा कहर

सोनीपत जाते समय गांव भूर्री अड्डे के पास हुआ दर्दनाक हादसा, पुलिस ने पंचनामा भरकर परिजनों को सौंपा शव

मुजफ्फरनगर/सोनीपत। हरियाणा में नेशनल हाईवे और संपर्क मार्गों पर तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार दोपहर गन्नौर क्षेत्र के गांव भूर्री अड्डे के पास एक तेज रफ्तार इनोवा कार और मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार चाचा-भतीजा सड़क पर दूर जा गिरे। इस दर्दनाक दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के गांव जटवाड़ा निवासी 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका 16 वर्षीय नाबालिग भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

काम के सिलसिले में जा रहे थे सोनीपत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के गांव जटवाड़ा निवासी मोहम्मद तालिब (19) पिछले कुछ समय से अपने 16 वर्षीय भतीजे शाहनवाज के साथ गन्नौर में किराये के मकान में रह रहे थे। मंगलवार दोपहर दोनों चाचा-भतीजा अपनी बाइक पर सवार होकर किसी जरूरी काम से सोनीपत की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गांव भूर्री अड्डे के समीप पहुंची, सामने से आ रही एक इनोवा गाड़ी से उनकी जोरदार टक्कर



हो गई। अस्पताल में तोड़ा दम, भतीजे की हालत नाजुक

टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के राहगीर और ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना देते हुए दोनों घायलों को संभाला। गंभीर अवस्था में दोनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मोहम्मद तालिब को मृत घोषित कर दिया। वहीं, भतीजे शाहनवाज की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे सोनीपत के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले के जांच अधिकारी सहायक उप निरीक्षक (अरक) विक्रम ने बताया कि पुलिस ने मौके का मुआयना कर क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई और शव का पंचनामा पूरा कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। युवक की असमय मौत की खबर मिलते ही मुजफ्फरनगर स्थित उसके पैतृक ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जटवाड़ा और गन्नौर में रह रहे परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस द्वारा दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है।

रंग संसार

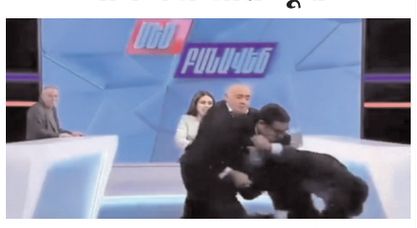
रामायणम की 'माता कैकई' ने कर दी भविष्यवाणी, 4000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन करेगी फिल्म



नई दिल्ली। फिल्म रामायणम इस वक्त कमाई के मामले में पूरी दुनिया में धमाकेदार प्रदर्शन करती हुई नजर आ रही हैं। निमार्ता नमित मल्होत्रा द्वारा पहले ही ये पुष्टिकरण किया जा चुका है कि रामायणम के दोनों भागों का कुल बजट 4000 करोड़ है। इस बीच अब रामायणम में माता कैकई का किरदार निभाने वालीं अभिनेत्री लारा दत्ता ने इसके कलेक्शन को लेकर भविष्यवाणी की है। लारा ने बताया है कि जिस तरह की प्लानिंग मेकर्स ने रामायणम फ्रेंचाइजी को लेकर की है, उसके आधार पर ये मूवी अपने बजट से भी ज्यादा का कारोबार करेगी। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने और क्या-क्या कहा है। जिस तरह से लारा दत्ता ने फिल्म रामायणम में माता कैकई की भूमिका को अदा किया है, उसके लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही हैं। हाल ही में लारा ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में रामायणम की बॉक्स ऑफिस सफलता को लेकर खुलकर चर्चा की है और बताया है- मुझे पूरा यकीन है कि ऐसा जरूर होगा कि ये फिल्म अपने बजट से ज्यादा का कारोबार करेगी। सिर्फ बॉक्स ऑफिस से ही नहीं, बल्कि नमित ने इस फिल्म के लिए जो भी योजनाएं बनाई हैं, उनके जरिए भी। इस फिल्म ने आखिरकार भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर ला खड़ा किया है, जिससे यह दुनिया की बेहतरीन फिल्मों के बराबर खड़ी हो सकती है। मेरे हिसाब से आलोचकों और संदेह करने वालों को नजरअंदाज करना, अपने विजन पर टिके रहना और उस दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहना, इसके लिए बहुत अधिक आंतरिक शक्ति की आवश्यकता होती है। इस तरह से लारा दत्ता का ये मानना है कि फिल्म रामायणम कमाई के मामले में अपने 4000 करोड़ से अधिक का बिजनेस करके सफलता का एक नया इतिहास रचेगी। फिल्म रामायणम की रिलीज के अभी 13 दिनों का समय बीता है और कमाई के मामले में रणबीर कपूर और यश स्टारर इस माइथोलॉजिकल फिल्म ने अपनी छाप छोड़ी है।

राज काज

लाइव डिबेट शो के दौरान हाथापाई, एंकर और गेस्ट के बीच चले लात-घूसे



येरेवान। आर्मेनिया में एक टीवी डिबेट शो के दौरान अफरा-तफरी मच गई। डिबेट शो की लाइव स्ट्रीमिंग के समय शो में शामिल दो मेहमान आपस में ही भिड़ गए और उनके बीच शुरू हुई बहस हाथापाई तक पहुंच गई। पिछले शुक्रवार को राजनेताओं के बीच हुई राजनीतिक बहस हाथापाई तक पहुंच गई। इस शो की ये वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। टीवी एंकर और गेस्ट के बीच हाथापाई शुक्रवार को पत्रकार बोरिस मुराजी और राजनीतिक विश्लेषक हारुत्युन म्क्रतचयान, आर्मेनिया के सरकारी ब्रॉडकास्टर के टीवी प्रोग्राम 'द ग्रेट डिबेट' में देश की राजनीति पर चर्चा करने के लिए आए थे। बहस तब गरमा गई जब म्क्रतचयान ने मुराजी से आर्मेनिया के पूर्व राष्ट्रपति सर्ज सरगस्यान के साथ उनके कथित निजी संबंधों के बारे में सवाल पूछा। पत्रकार मुराजी, जो पूर्व राष्ट्रपति की खुलकर आलोचना कर चुके हैं, उन्होंने कहा कि यह सवाल अपमानजनक और अस्वीकार्य था। दोनों के बीच तीखी बहस और एक-दूसरे को अपशब्द कहने का दौर चला, जिसके बाद फुटेज में वे एक-दूसरे की ओर झपटते और हाथापाई करते हुए दिखाई दिए।टीवी डिबेट शो में चले लात-घूसे सरकारी ब्रॉडकास्टर के प्रसारित वीडियो में दोनों को एक-दूसरे पर मुक्के और लात चलाते हुए देखा जा सकता है। इस दौरान क्रू के सदस्य और शो के प्रेजेंटर बीच-बचाव करने के लिए आगे आते हैं।पत्रकार मुराजी ने अगले दिन फेसबुक लाइवस्ट्रीम पर इस घटना के बारे में बात करते हुए बताया गेस्ट म्क्रतचयान ने सारी हदें पार कर दी थीं।

दैनिक राशिफल गुरूवार 19 नवम्बर 2026

मेष – कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंग। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा।

वृष – बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

मिथुन : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कर्क – खान-पान में सावधानी रखें। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

सिंह– महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगें। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कन्या – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेगें।

तुला – सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

वृश्चिक – कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

धनु – स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

मकर – सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

कुंभ – दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी।

मीन – अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग।

दैनिक पंचांग

19 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.05 ब.से
चंद्र	कुंभ में	धनु	08.25 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर	10.30 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.16 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	13.49 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.20 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.00 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.58 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.11 बजे से
		सिंह	23.28 बजे से
		कन्या	01.39 बजे से
		तुला	03.50 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार	2026 वर्ष का 323 वा दिन
दिशाशूल	दक्षिण ऋतु हेमन्त।
विक्रम संवत्	2083
शक संवत्	1948
मास	कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि	नवमी 07.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र	पूर्वाभाद्रपदा अहोरात्र।
योग	व्याघात 07.43 बजे को समाप्त।
करण	कौलव 07.07 बजे तदनन्तर तैतिल 19.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु	9.7 घण्टे
रवि क्रान्ति	दक्षिण 19° 24'
सूर्य	दक्षिणायन
कलि अहर्गण	1872898
जूलियन दिन	2461363.5
कलियुग संवत्	5128
कल्पारंभ संवत्	1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्	1955885128
वीरनिर्वाण संवत्	2552
हिजरी सन्	1448
महीना	जमादि उस्सानी
तारीख	08

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

टिकौला शुगर मिल ने किसानों को भेजा 19.38 करोड़ रुपये का गन्ना भुगतान, 5 से 11 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने की धनराशि खातों में पहुंची

मुजफ्फरनगर। पेराई सत्र 2026-27 के दौरान गन्ना किसानों को भुगतान उपलब्ध कराने की दिशा में टिकौला शुगर मिल ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चीनी मिल प्रबंधन ने 5 नवंबर से 11 नवंबर तक खरीदे गए गन्ने का कुल 19 करोड़ 38 लाख रुपये का भुगतान किसानों के बैंक खातों में भेज दिया है। मिल की ओर से भुगतान की धनराशि सीधे किसानों के खातों में अंतरित की गई है। भुगतान की जानकारी मिलने के बाद गन्ना किसानों को राहत मिली है। टिकौला शुगर मिल के अधिशासी अध्यक्ष हरकीरत सिंह ने बताया कि मिल की ओर से पेराई सत्र 2026-27 में 5 से 11 नवंबर तक किसानों से खरीदे गए गन्ने का 19.38 करोड़ रुपये का भुगतान जारी कर दिया गया है। यह पूरी धनराशि किसानों के बैंक खातों में सीधे भेजी गई है, ताकि किसानों को भुगतान प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने किसानों से संबंधित बैंकों में संपर्क कर अपने



भुगतान की जानकारी प्राप्त करने और धनराशि लेने की अपील की है।

साफ और ताजा गन्ना आपूर्ति करने पर जोर अधिशासी अध्यक्ष हरकीरत सिंह ने किसानों से चीनी मिल को साफ-सुथरा और ताजा गन्ना आपूर्ति करने का विशेष आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि किसान गन्ने की छिलाई और सफाई का ध्यान रखें। गन्ने के साथ जड़, पत्ती, मिट्टी और अगोला मिल में न भेजें। साफ गन्ने की आपूर्ति से चीनी मिल की पेराई व्यवस्था सुचारु बनी रहती है और चीनी की गुणवत्ता बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

पर्ची से अधिक गन्ना होने पर कराएं अतिरिक्त सट्टा

उन्होंने किसानों को गन्ना आपूर्ति से जुड़ी एक अन्य महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि जिन किसानों के खेतों में पर्ची पर निर्धारित मात्रा से अधिक गन्ना उपलब्ध है, वे अपनी सुविधा के अनुसार चीनी मिल अथवा गन्ना विकास परिषद कार्यालय से संपर्क करें। किसान अपनी आवश्यकता के अनुरूप अतिरिक्त सट्टा दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर लें, जिससे खेत में खड़े गन्ने की आपूर्ति के दौरान उन्हें किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े।

किसानों और मिल प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की अपील

मिल प्रबंधन ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित व्यवस्था के अनुसार गन्ने की आपूर्ति करें और भुगतान संबंधी जानकारी के लिए अपने बैंक से संपर्क बनाए रखें। पेराई सत्र के दौरान समय पर भुगतान, साफ गन्ने की आपूर्ति और अतिरिक्त सट्टे की व्यवस्था को लेकर मिल प्रबंधन ने किसानों से सहयोग की अपेक्षा जताई है। 19.38 करोड़ रुपये का भुगतान जारी होने से बड़ी संख्या में गन्ना किसानों को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है।

ककरौली में संदिग्ध परिस्थितियों में भैंस की मौत: दूसरी की हालत नाजुक, जहर देने का आरोप, तहरीर पर मुकदमा दर्ज

जटवाड़ा गांव में भैंसों के पास रोटी व धागे में लिपटी संदिग्ध वस्तु मिलने से मची सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

मोरना (मुजफ्फरनगर)। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जटवाड़ा में संदिग्ध परिस्थितियों में एक भैंस की मौत हो गई, जबकि दूसरी भैंस की हालत गंभीर बनी हुई है। पशुपालक ने अज्ञात व्यक्ति पर अपनी भैंसों को जहरीला पदार्थ खिलाने का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। घटनास्थल के पास रोटी और धागे में लिपटी हुई एक संदिग्ध वस्तु बरामद होने से गांव में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, ककरौली थाना क्षेत्र के ग्राम जटवाड़ा निवासी नौशाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मंगलवार की सुबह जब वह रोजाना की तरह अपनी भैंसों का दूध निकालने के लिए घेर (पशुशाला) में गया, तो दोनों भैंसें अस्वस्थ और बेसुध हालत में दिखाई



दीं। भैंसों की बिगड़ती स्थिति को देखकर उसने तत्काल स्थानीय पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया। चिकित्सक ने भैंसों की जांच करने के बाद प्राथमिक तौर पर उनके द्वारा कोई जहरीला पदार्थ निगले जाने की आशंका जताई। पीड़ित नौशाद ने बताया कि जब उसने पशुशाला के आसपास बारीकी से देखा, तो वहां भैंसों के पास रोटी और धागे में लिपटी हुई एक संदिग्ध वस्तु पड़ी मिली। इलाज शुरू होने के कुछ ही देर बाद एक भैंस ने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया, जबकि दूसरी भैंस की हालत अभी भी अत्यंत गंभीर बनी हुई है और उसका उपचार चल रहा है। इस घटना से पीड़ित पशुपालक को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

अज्ञात के खिलाफ तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

पीड़ित पशुपालक ने अज्ञात शरारती तत्वों पर रंजिशन उसकी भैंसों को जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाते हुए थाना ककरौली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में जटवाड़ा चौकी प्रभारी मुनेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस हर पहलू से मामले की गहनता से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

12 सूत्रीय मांगों को लेकर प्राथमिक शिक्षकों का बीएसए कार्यालय पर धरना, पुरानी पेंशन बहाली की उठाई आवाज

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद टीईटी की अनिवार्यता और सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्रों के दोबारा सत्यापन का किया विरोध

मुजफ्फरनगर। शिक्षकों की लंबित समस्याओं और विभिन्न मांगों को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। 12 सूत्रीय मांगों के समर्थन में संगठन के पदाधिकारियों और शिक्षकों ने बुधवार अपराह्न करीब 3:30 बजे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय पर धरना शुरू कर दिया। धरने के दौरान शिक्षकों ने सरकार से लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान कराने की आवाज उठाई। संगठन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजकर शिक्षकों की समस्याओं पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की।शिक्षक संघ का कहना है कि शिक्षकों से जुड़ी कई समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इनका समाधान नहीं होने के कारण शिक्षकों में असंतोष है। संगठन ने सरकार से मांग की कि शिक्षकों की सेवा शर्तों, पेंशन, पदोन्नति, वेतनमान और अवकाश से जुड़े मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक निर्णय लिया जाए। धरने में सबसे प्रमुख मांग एक अप्रैल 2005 या इसके बाद नियुक्त शिक्षकों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने की रही। संगठन ने कहा कि ऐसे शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था के दायरे में शामिल करने की मांग की गई, जिनका चयन निर्धारित समय में हो गया था, लेकिन किसी कारणवश उनकी नियुक्ति बाद में हुई। शिक्षक संघ का मानना है कि नियुक्ति की तारीख के आधार पर शिक्षकों के बीच पेंशन संबंधी अंतर नहीं होना चाहिए। संगठन ने सरकार से इस विषय में स्पष्ट नीति बनाकर प्रभावित शिक्षकों को राहत देने की मांग की।

टीईटी की अनिवार्यता पर केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग

शिक्षकों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता से जुड़े मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। संगठन ने सुप्रीम कोर्ट के एक सितंबर 2025 के आदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि इस आदेश के बाद शिक्षकों के सामने उत्पन्न स्थिति को



देखते हुए केंद्र सरकार को कानून बनाकर आवश्यक समाधान करना चाहिए। संघ का कहना है कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर स्पष्ट व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, ताकि शिक्षकों के सामने अनिश्चितता की स्थिति न रहे।

शिक्षक संघ ने सभी शिक्षकों के शैक्षिक और प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों की दोबारा जांच कराने के निदेर्शों पर भी आपत्ति जताई। संगठन का कहना है कि नियुक्ति के समय शिक्षकों के शैक्षिक और प्रशिक्षण संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन कराया जा चुका है। ऐसे में सभी शिक्षकों के प्रमाणपत्रों का दोबारा सत्यापन कराने की प्रक्रिया उचित नहीं है।संघ ने मांग की कि यदि किसी शिक्षक के प्रमाणपत्रों को लेकर कोई शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित शिक्षक के दस्तावेजों की जांच कराई जा सकती है, लेकिन बिना किसी शिकायत के सभी शिक्षकों को दोबारा सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। संगठन ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के रिक्त पदों पर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कराने की मांग भी उठाई। संघ का कहना है कि लंबे समय से पदोन्नति नहीं होने के कारण पात्र शिक्षकों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसलिए विभाग को पदोन्नति संबंधी प्रक्रिया जल्द पूरी करनी चाहिए। इस–ाके अलावा 12 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान का लाभ देने की मांग की गई।

संगठन ने कहा कि निर्धारित सेवा अवधि पूरी कर चुके शिक्षकों को नियमानुसार वेतनमान का लाभ मिलना चाहिए, ताकि उनकी आर्थिक और सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान हो सके। धरने के दौरान मृतक शिक्षकों के योग्य आश्रितों को नियुक्ति देने का मुद्दा भी उठाया गया। संगठन ने मांग की कि मृतक शिक्षकों के परिवारों को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देने के लिए पात्र आश्रितों की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।।शिक्षक संघ ने विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की तैनाती की मांग करते हुए कहा कि विद्यालयों में गैर-शैक्षणिक कार्यों के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं होने से शिक्षकों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां पड़ती हैं।

बिजली लाइन में स्पार्किंग से सूखे पेड़ में लगी आग, शामली रोड पर मची अफरातफरी, बुझने तक लगा रहा जाम

बघरा ब्लॉक के पास देशराज गढ़ी गेट के सामने हुआ हादसा, तेज हवा के चलते पेड़ की सूखी टहनियों में तेजी से फैली आग

मुजफ्फरनगर। शामली रोड पर बघरा ब्लॉक के पास देशराज गढ़ी गेट के सामने बिजली लाइन में स्पार्किंग होने से सूखे पेड़ में आग लग गई। पेड़ के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन में अचानक चिंगारी उठी, जिसकी चपेट में आकर पेड़ की सूखी टहनियों ने आग पकड़ ली। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलने लगी। पेड़ से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों और राहगीरों में अफरातफरी मच गई। गनीमत रही कि आग पेड़ तक ही सीमित रही और आसपास बने मकानों व दुकानों तक नहीं पहुंची। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को देशराज गढ़ी गेट के सामने से गुजर रही बिजली लाइन में अचानक स्पार्किंग होने लगी। इसी दौरान बिजली की चिंगारी सूखे पेड़ की टहनियों पर गिरी, जिससे उनमें आग लग गई। पेड़ सूखा होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप लेना शुरू कर दिया। तेज हवा चलने से आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं और दूर तक धुआं दिखाई देने लगा। पेड़ में आग लगी देखकर शामली रोड से गुजर रहे राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों ने शोर मचाकर लोगों को सतर्क किया। मौके पर काफी संख्या में लोग एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने



अपने स्तर से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। वहीं, कुछ लोगों ने बिजली विभाग और अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी, ताकि आग को फैलने से रोका जा सके। पेड़ में आग लगने और मौके पर लोगों की भीड़ जुटने के कारण शामली रोड पर यातायात प्रभावित हो गया। आग की लपटों और धुएं को देखकर वाहन चालकों ने भी अपने वाहन रोक दिए। इसके चलते सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। आग पर काबू पाए जाने तक सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर बिजली विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सबसे पहले संबंधित बिजली लाइन की आपूर्ति बंद कराई। इसके बाद आग बुझाने का प्रयास किया गया और आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि आग आसपास के मकानों और दुकानों तक नहीं पहुंची। घटना में आग केवल सूखे पेड़ तक ही सीमित रही और किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इस घटना ने सड़क किनारे सूखे पेड़ों और उनके ऊपर से गुजर रही बिजली लाइनों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली लाइनों के आसपास सूखी टहनियां होने से इस तरह की घटनाओं का खतरा बना रहता है। समय रहते बिजली आपूर्ति बंद होने और ग्रामीणों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

जिला कारागार में न्यायिक अधिकारी का औचक निरीक्षण, बंदियों को बताए संवैधानिक और कानूनी अधिकार

सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने पाकशाला, अस्पताल, पुरुष, महिला और बाल बैरकों का लिया जायजा

मुजफ्फरनगर। जिला कारागार में बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं, उनके स्वास्थ्य, रहन-सहन और विधिक अधिकारों की स्थिति का जायजा लेने के लिए बुधवार को न्यायिक अधिकारी ने निरीक्षण किया। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के कुशल निर्देशन में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार मुजफ्फरनगर की पाकशाला, अस्पताल, पुरुष बैरक, महिला बैरक और बाल बैरक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें संविधान तथा कानून के तहत प्राप्त अधिकारों की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने जिला कारागार की पाकशाला में भोजन तैयार करने से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद जेल अस्पताल का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पुरुष बैरक, महिला बैरक और बाल बैरक में पहुंचकर बंदियों की स्थिति तथा वहां की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली गई। न्यायिक अधिकारी ने दोषसिद्ध बंदियों को उनके संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बंदी को कानून के तहत निर्धारित अधिकार प्राप्त हैं और उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बंदियों को अपील दाखिल करने की कानूनी प्रक्रिया के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। डॉ. चौधरी ने कहा कि जिन दोषसिद्ध बंदियों को माननीय उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने में किसी प्रकार की



कानूनी परेशानी आ रही है, वे जिला कारागार के अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अपना आवेदन या समस्या उपलब्ध करा सकते हैं। ऐसे मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर विधिक सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान बंदियों ने अपनी विभिन्न समस्याएं न्यायिक अधिकारी के समक्ष रखीं। डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने उनकी बातों को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में नियमानुसार सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने विशेष रूप से ऐसे बंदियों के मामलों पर ध्यान दिया, जिन्हें कानूनी सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जिन बंदियों की जमानत याचिका अधीनस्थ न्यायालय से मंजूर हो चुकी है, उन्हें भी आवश्यक विधिक सहायता उपलब्ध कराई गई। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कानूनी प्रक्रिया की जानकारी या अन्य किसी समस्या के कारण बंदियों को उनके अधिकारों का लाभ मिलने में अनावश्यक परेशानी न हो। डॉ. चौधरी ने जिला कारागार अधीक्षक को निर्देश दिए कि ऐसे बंदियों की सूची तैयार कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजी जाए, जिनके मामलों का निस्तारण ई-जेल लोक अदालत अथवा जेल लोक अदालत के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पात्र मामलों को चिह्नित कर समय से सूची उपलब्ध कराने से बंदियों के मुकदमों का शीघ्र निस्तारण कराने में मदद मिलेगी। उन्होंने जेल प्रशासन से विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ समन्वय बनाए रखने और बंदियों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव डॉ. सत्येन्द्र कुमार चौधरी ने बंदियों को आगामी विशेष लोक अदालतों और राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 21 नवंबर 2026 को परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट), 1881 की धारा 138 से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से चेक बाउंस से जुड़े लंबित मामलों का आपसी सहमति और विधिक प्रक्रिया के तहत शीघ्र निस्तारण कराया जा सकेगा।

खेत में गन्ने की छिलाई कर रही महिला पर हमला, गले में जंजीर डालकर गला घोंटने की कोशिश का आरोप

जमीन के विवाद में मंदवाड़ा गांव में दो पक्षों की महिलाओं के बीच मारपीट का वीडियो वायरल, धारदार हथियारों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। जमीन के विवाद ने अब खेतों में भी टकराव का रूप ले लिया है। बुढ़ाना थाना क्षेत्र के गांव मंदवाड़ा में गन्ने की छिलाई कर रही एक महिला के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जमीन के विवाद को लेकर दूसरे पक्ष के लोग खेत में पहुंचे और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान महिला के गले में जंजीर डालकर उसका गला घोंटने की कोशिश की गई। धारदार हथियारों से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है। घटना के दौरान महिलाओं के बीच हुई मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। मंगलवार शाम करीब छह बजे वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसके बाद पुलिस ने भी मामले का संज्ञान लिया है। गांव निवासी राहुल कुमार ने थानाध्यक्ष को दी शिकायत में बताया कि 6 नवंबर को उनकी पत्नी मुनेश उर्फ पूजा खेत में गन्ने की छिलाई कर रही थीं। इसी दौरान दूसरे पक्ष के कई लोग खेत में पहुंच गए। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उन्होंने महिला के



साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर मारपीट करने लगे। अचानक हुए हमले से महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला। राहुल कुमार का आरोप है कि हमलावरों ने उनकी पत्नी के गले में जंजीर डालकर गला घोंटने का प्रयास किया। इसके अलावा धारदार हथियारों से हमला कर उन्हें घायल करने की कोशिश की गई। आरोपियों ने घटना के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित पक्ष का कहना है कि जमीन को लेकर चल रहे विवाद के कारण उनकी पत्नी को निशाना बनाया गया। घटना के बाद से परिवार में डर का माहौल है।

पहले भी खेत में हो चुका है विवाद, फसल को नुकसान पहुंचाने का आरोप

शिकायतकर्ता राहुल कुमार के अनुसार दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है। उनका आरोप है कि 19 अक्टूबर को भी दूसरे पक्ष के लोगों ने खेत में पहुंचकर मारपीट की थी और फसल को नुकसान पहुंचाया था। उस समय भी विवाद को लेकर तनाव की स्थिति बनी थी। अब दोबारा खेत में महिला के साथ मारपीट की घटना सामने आने से विवाद और गंभीर हो गया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। वीडियो में खेत के अंदर महिलाओं के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद लोग घटना को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हालांकि वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान और घटना के पूरे घटनाक्रम की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। पीड़ित पक्ष ने वीडियो को भी घटना से जुड़ा महत्वपूर्ण साक्ष्य बताया है। राहुल कुमार ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने, निष्पक्ष जांच कराने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मुजफ्फरनगर में डीजे वाली गाड़ियों का सड़क पर कब्जा! तेज आवाज और हुड़दंग के बीच यातायात व्यवस्था ध्वस्त, लगा लंबा जाम

40 फुटा रोड पर मुगल गार्डन के बाहर डीजे साउंड की गाड़ियों से लगा वाहनों का रेला, खुलेआम यातायात नियमों की अनदेखी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मुजफ्फरनगर। शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को ताक पर रखकर हुड़दंग करने का एक मामला सामने आया है। डीजे साउंड से लैस गाड़ियों के सड़क पर जमावड़े और कथित अव्यवस्थित संचालन के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सड़क पर डीजे वाली गाड़ियों के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और लंबा जाम लग गया। इस दौरान सड़क से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यातायात व्यवस्था और पुलिस की निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वायरल वीडियो के संबंध में बताया जा रहा है कि मामला थाना खालापार क्षेत्र के 40 फुटा रोड स्थित मुगल गार्डन के बाहर का है। यहां डीजे साउंड से लैस कई गाड़ियों के सड़क पर खड़े होने और आवाजाही प्रभावित होने की बात सामने आई है। आरोप है कि डीजे गाड़ियों के जमावड़े के चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को निकलने तक का रास्ता नहीं मिल सका। शहर की सड़कों पर यातायात सुचारू रखने के लिए नियम बनाए गए हैं, लेकिन वायरल वीडियो में दिखाई दे रही स्थिति



ने इन नियमों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सड़क पर इस तरह गाड़ियों का जमावड़ा होने से आम लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों, ई-रिक्शा और अन्य छोटे वाहनों को जाम के बीच निकलने में परेशानी होती है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि किसी आयोजन या कार्यक्रम के चलते इतनी बड़ी संख्या में डीजे गाड़ियां पहुंचती हैं तो उनके लिए पार्किंग और यातायात प्रबंधन की व्यवस्था क्यों नहीं की जाती?

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों ने यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

लोगों का कहना है कि सड़कों पर इस तरह यातायात बाधित होने से न केवल आम नागरिकों का समय बर्बाद होता है, बल्कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य जरूरी वाहनों को भी निकलने में दिक्कत हो सकती है। वायरल वीडियो ने पुलिस और यातायात विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए हैं।

शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले आम वाहन चालकों के खिलाफ अक्सर कार्रवाई की जाती है, लेकिन सड़क पर बड़े स्तर पर यातायात बाधित होने की ऐसी घटनाएं व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती हैं।

पशुपालकों को पशु पोषण, कृत्रिम गभार्धान और बीमारियों से बचाव के बताए तरीके

चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज में पशुपालन विभाग ने आयोजित किया एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, पशु मैत्री और प्रगतिशील पशुपालकों को दी गई विभागीय योजनाओं की जानकारी

मुजफ्फरनगर। पशुपालन को अधिक लाभकारी और वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग की ओर से प्रचार एवं प्रसार योजना के अंतर्गत पशु मैत्री एवं प्रगतिशील पशुपालकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर में किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड सदर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पशुपालकों के साथ कृषि विज्ञान पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण के दौरान पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण प्रबंधन, कृत्रिम गभार्धान, नस्ल सुधार और विभिन्न बीमारियों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों से जोड़ना और उन्हें विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के प्रति जागरूक करना रहा। अधिकारियों ने बताया कि वैज्ञानिक तर–ाके से पशुओं का पालन करने, उनके खानपान पर विशेष ध्यान देने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने से पशुपालक अपनी आमदनी बढ़ाने के साथ पशुओं को स्वस्थ रख सकते हैं।

पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और उत्पादन के लिए पोषण प्रबंधन जरूरी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना के नोडल अधिकारी एवं मुख्य अतिथि डॉ. सुमित कौशिक ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए पशु पोषण प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पशुओं को उनकी उम्र, शारीरिक क्षमता और दूध उत्पादन के अनुसार संतुलित आहार देना आवश्यक है। पशुओं के आहार में हरे चारे, सूखे चारे और पौष्टिक तत्वों का उचित संतुलन बनाए रखना चाहिए। पर्याप्त पोषण मिलने से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रहता है और उनकी उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने कृत्रिम गभार्धान के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए बताया कि पशुओं की नस्ल सुधारने और बेहतर नस्ल के बछड़े-बछड़ियां प्राप्त करने में कृत्रिम गभार्धान की महत्वपूर्ण भूमिका है। पशुपालकों को इस तकनीक के प्रति जागरूक होकर इसका लाभ उठाना चाि–



हए। इससे पशुपालन व्यवसाय को अधिक व्यवस्थित और लाभकारी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शक्ति प्रताप, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर ने किया। उन्होंने पशुपालन विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए पशुपालकों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों, उनके लक्षणों, बचाव के उपायों और उपचार के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पशुओं को बीमारियों से बचाने के लिए नियमित टीकाकरण बेहद जरूरी है। पशुपालकों को निर्धारित समय पर पशुओं का टीकाकरण कराना चाहिए तथा किसी भी प्रकार के असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। पशुओं में होने वाली बीमारियों की समय रहते पहचान और उचित उपचार से आर्थिक नुकसान को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने पशुओं में बांझपन की समस्या और उसके उपचार से संबंधित जानकारियां भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि पशुओं के उचित खानपान, सही देखभाल और समय पर चिकित्सकीय परामर्श से कई समस्याओं का समाधान संभव है।

पशुपालन को आधुनिक बनाने के लिए किसानों को किया जागरूक

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने पशुपालकों को बताया कि पशुपालन केवल पारंपरिक तरीके से पशु पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे वैज्ञानिक प्रबंधन के साथ अपनाकर आय का बेहतर साधन बनाया जा सकता है। पशुओं के रहने के स्थान की साफ-सफाई, स्वच्छ पानी की उपलब्धता, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मौजूद कृषि विज्ञान पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं को भी पशुपालन की आधुनिक तकनीकों और विभागीय गतिविधियों की जानकारी मिली। इस प्रकार प्रशिक्षण कार्यक्रम पशुपालकों के साथ विद्यार्थियों के लिए भी उपयोगी साबित हुआ। कार्यक्रम में चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य विजेंद्र सिंह, सहेंद्र सिंह, आलोक प्रताप, अरविंद कुमार और संजीत जावला सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नवजात शिशु की सही देखभाल ही स्वस्थ भविष्य की नींव, महिला अस्पताल में जागरूकता गोष्ठी आयोजित

राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल सप्ताह के तहत माताओं और तीमारदारों को किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। नवजात शिशुओं को स्वस्थ रखने, जन्म के बाद उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित करने और माताओं को शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से जिला महिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल सप्ताह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिला महिला चिकित्सालय के प्रथम तल पर विशेष जन-जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, अस्पताल में उपचार कराने पहुंची महिलाओं और उनके परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित स्तनपान, संक्रमण से बचाव, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने और समय पर टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल सप्ताह 15 से 21 नवंबर तक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. मुरली भास्कर ने कहा कि नवजात शिशु की सही देखभाल ही उसके स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव होती है। जन्म के शुरूआती दिन बच्चे के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान थोड़ी सी लापरवाही भी उसके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसलिए माता-पिता और परिजनों को नवजात की देखभाल से जुड़ी जरूरी जानकारियां होना आवश्यक है।



जन्म के तुरंत बाद मां का दूध पिलाना बेहद जरूरी

मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. मुरली भास्कर ने बताया कि बच्चे के जन्म के तुरंत बाद मां का दूध पिलाना अत्यंत आवश्यक है। मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) नवजात के लिए अमृत समान होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले तत्व बच्चे को कई प्रकार के संक्रमणों से बचाने में मदद करते हैं। उन्होंने माताओं को सलाह दी कि जन्म के बाद शुरूआती समय में स्तनपान शुरू करें और छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध पिलाएं। इस दौरान पानी या अन्य बाहरी आहार देने से बचें। उन्होंने यह भी कहा कि नवजात को पर्याप्त गर्माहट देना, स्वच्छता बनाए रखना और संक्रमण से बचाना उसकी बेहतर देखभाल के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।

कंगारू मदर केयर और साफ-सफाई की दी जानकारी

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान माताओं और परिजनों को कंगारू मदर केयर (केएमसी) के महत्व के बारे में भी बताया गया। चिकित्सकों ने समझाया कि इसमें शिशु को मां की छाती से त्वचा के संपर्क में रखकर देखभाल की जाती है। विशेष रूप से कम वजन और समय से पहले जन्म लेने वाले बच्चों के लिए यह विधि काफी लाभकारी होती है। इससे बच्चे को गर्माहट मिलने के साथ स्तनपान में भी मदद मिलती है। इसके अलावा नवजात को छूने से पहले हाथ धोने, उसके आसपास साफ-सफाई रखने और संक्रमण से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सकों ने कहा कि नवजात की देखभाल में परिवार के प्रत्येक सदस्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

'न्यूबॉर्न हेल्थ चैलेंज इन इंडिया' विषय पर दिया व्याख्यान

कार्यक्रम में एसएनसीयू के नोडल अधिकारी डॉ. अनुज राजवंशी ने 'न्यूबॉर्न हेल्थ चैलेंज इन इंडिया' विषय पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने देश में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों, जन्म के बाद होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और उनकी रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डाला।

खतौली में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालुः हर-हर महादेव के जयकारों के साथ उमड़ी भक्तों की भीड़

सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

खतौली (मुजफ्फरनगर)। खतौली ग्रामीण क्षेत्र स्थित भूड़ की आर्यपुरी कॉलोनी में चल रही सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा के पांचवें दिन भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और 'हर-हर महादेव' व 'जय शिव शंकर' के गगनभेदी जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया। कथा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह का प्रसंग सुनकर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के पांचवें दिन प्रसिद्ध कथा व्यास श्री कुलदीप कृष्ण जी महाराज ने अपनी मधुर वाणी से भगवान शिव एवं माता पार्वती के दिव्य विवाह प्रसंग का अत्यंत मार्मिक और भावपूर्ण वर्णन किया। महाराज श्री ने प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि माता पार्वती ने देवाधिदेव महादेव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अत्यंत कठोर तपस्या की थी। उनकी अटूट श्रद्धा, निश्छल भक्ति और समर्पण से प्रसन्न होकर



भगवान शिव ने उनकी तपस्या स्वीकार की, जिसके पश्चात समस्त देवताओं और ऋषि-मुनियों की पावन उपस्थिति में दोनों का दिव्य विवाह संपन्न हुआ। उन्होंने श्रद्धालुओं को जीवन का मर्म समझाते हुए कहा कि शिव-पार्वती का विवाह केवल एक पौराणिक या धार्मिक प्रसंग मात्र नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, त्याग, तपस्या और समर्पण का एक अनुपम उदाहरण है। यह दिव्य प्रसंग हमें प्रेरणा देता है कि जीवन में सच्ची श्रद्धा और दृढ़ संकल्प के बल पर कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है। इस दौरान महाराज श्री ने भगवान शिव के भोलेपन, उनकी करुणा और अपने भक्तों के प्रति असीम कृपा का विस्तार से बखान किया। कथा के मध्य प्रस्तुत किए गए सुमधुर भजनों पर श्रद्धालु खुद को रोक नहीं पाए और भावविभोर होकर झूमते नजर आए।

भगवान शिव के आदर्श समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हैंः श्यामलाल कथा में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्यामलाल बच्ची सैनी ने व्यास पीठ का नमन किया और श्रद्धापूर्वक कथा का श्रवण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान शिव का संपूर्ण जीवन त्याग, तपस्या, समानता, प्रेम और मानवता का महान संदेश देता है। सपा नेता ने कहा कि भगवान भोलेनाथ सभी के आराध्य हैं और वे अपने भक्तों के केवल भाव व श्रद्धा को देखते हैं, न कि उनकी पद-प्रतिष्ठा को।

खतौली में गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर गूंजे शबद कीर्तनः निकली दूसरी प्रभात फेरी, पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

गुरुद्वारा श्री माता राम मूर्ति से होते हुए हाईवे स्थित रिसॉर्ट पहुंची संगत, लंगर प्रसाद का हुआ आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर। सिख धर्म के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सिख समाज खतौली की ओर से नगर में निकाली जा रही प्रभात फेरियों की श्रृंखला में बुधवार को दूसरे दिन भी अपार श्रद्धा और उत्साह देखने को मिला। प्रातः काल से ही बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने प्रभात फेरी में शामिल होकर गुरु साहिब के प्रति अपनी अटूट आस्था प्रकट की। प्रभात फेरी के दौरान मधुर शबद कीर्तन और गुरुवाणी के गायन से संपूर्ण नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। दूसरे दिन की प्रभात फेरी रेलवे क्रॉसिंग से विधिवत अरदास के साथ प्रारंभ हुई। इसके पश्चात यह जानसठ रोड, शिवजी मूर्ति, सैनी नगर, नगर पालिका रोड और जीटी रोड जैसे प्रमुख मार्गों से होते हुए थाने के पीछे स्थित गुरुद्वारा श्री माता राम मूर्ति पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने गुरुवाणी का श्रवण किया। गुरुद्वारा साहिब पहुंचने पर संगत द्वारा शबद कीर्तन किया गया, जिसके उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रसाद की सेवा रमित खरबंदा परिवार की ओर से श्रद्धापूर्वक निभाई गई। हाईवे स्थित रिसॉर्ट में सजा कीर्तन दरबार, बागड़ी परिवार ने की लंगर सेवा



गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम के पश्चात प्रभात फेरी बसों के माध्यम से हाईवे स्थित एक रिसॉर्ट पर पहुंची। यहां पहुंचते ही बागड़ी परिवार की ओर से संगत पर पुष्पवर्षा कर प्रभात फेरी का भव्य और आत्मीय स्वागत किया गया। रिसॉर्ट परिसर में विशेष रूप से कीर्तन दरबार सजाया गया, जहां उपस्थित ज्ञानीजनों ने शबद कीर्तन एवं गुरुवाणी का पाठ कर संगत को निहाल किया। इस दौरान पूरा परिसर 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल' के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के अंत में बागड़ी परिवार की ओर से समस्त साध संगत के लिए लंगर प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।

मानवता और भाईचारे का संदेश दे रही है प्रभात फेरी

गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व को लेकर पूरे सिख समाज में विशेष उत्साह का माहौल है। नगर में निकाली जा रही इन प्रभात फेरियों के माध्यम से श्रद्धालु गुरु साहिब की महान शिक्षाओं–मानवता, निःस्वार्थ सेवा, समानता और आपसी भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। ये गणमान्य लोग रहे उपस्थित इस पावन अवसर पर ज्ञानी जनक सिंह, ज्ञानी सोहन सिंह, सरदार महेंद्र सिंह, गुरमीत सिंह, सरबजीत सिंह, गुरविंदर सिंह, जसवीर सिंह, गुरुचरण सिंह, सरदार मंजीत सिंह, गगन सिंह, मनीष सहगल, हरबंस लाल सलूजा, टीनू, सुमित रहेजा, आशीष, जुगल किशोर, विनोद कुमार, गौरी शंकर गौरी, विद्याभूषण साहनी, नितिन ग्रोवर, बॉबी सरदार और उन्मूलक सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे।

भोपा गंगनहर में कूदे युवक का छह दिन बाद शव बरामदः परिवार में मचा कोहराम, पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम

गांव नंगला बुजुर्ग निवासी 20 वर्षीय विक्की ने बीते शुक्रवार को नहर पुल से लगाई थी छलांग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नंगला बुजुर्ग निवासी एक 20 वर्षीय युवक का शव घटना के छह दिन बाद बुधवार की सुबह जौली गंगनहर से बरामद कर लिया गया। युवक ने बीते शुक्रवार की शाम गांव के निकट स्थित नहर में छलांग लगा दी थी, जिसके बाद से पुलिस और ग्रामीण लगातार उसकी तलाश में जुटे हुए थे। बुधवार को शव मिलने की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गांव नंगला बुजुर्ग निवासी 20 वर्षीय विक्की पुत्र स्वर्गीय श्रवण बीते शुक्रवार की शाम बदहवास हालत में गांव के निकट स्थित नहर पुल पर पहुंचा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विक्की ने पुल पर अपने कपड़े व जूते उतारे और देखते ही देखते उफनती नहर में छलांग लगा दी। युवक को नहर में कूदता



देख मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही जौली चौकी प्रभारी सुमित कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से नहर में सघन तलाश अभियान शुरू कराया, लेकिन कई दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका था। छह दिनों की मशक्कत के बाद बुधवार की सुबह जौली गंगनहर में युवक का शव दिखाई देने पर ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों–मोहम्मद अमजद, गुलबहार, उम्मैद, रिजवान, मोहसीन, अरशद जिया, असजद और सन्नी कुमार–ने मानवता का परिचय देते हुए कड़ी मशक्कत के बाद शव को नहर से बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक विक्की अपने परिवार का इकलौता चिराग था। परिजनों के अनुसार, उसके पिता श्रवण की भी कुछ वर्ष पूर्व एक बिजली हादसे में असमय मृत्यु हो गई थी। अब परिवार के एकमात्र सहारे और इकलौते बेटे की मौत की खबर से घर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां मंजू तथा बहनों अन्नू और दिव्या का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं इस हृदयविदारक घटना से पूरे नंगला बुजुर्ग गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

भोपा में निमार्णाधीन दुकान का लेंटर भरभराकर गिराः मलबे में दबकर दो मजदूर गंभीर रूप से घायल, पुलिस व ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर बचाई जान

गंगनहर पुल के पास तकनीकी खामी के चलते सहारे के लिए लगाई गई बल्ली टूटने से हुआ हादसा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र में भवन निर्माण के दौरान बरती गई तकनीकी खामियों के चलते एक निमार्णाधीन दुकान का लेंटर अचानक भरभराकर गिर गया। इस भीषण हादसे में मौके पर काम कर रहे दो मजदूर मलबे के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मजदूरों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद अन्य श्रमिकों और ग्रामीणों ने पुलिस की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भोपा में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बल्ली टूटने से गिरा निमार्णाधीन लेंटर का मलबा

मिली जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र में गंगनहर पुल के पास बिजलीघर के सामने नई दुकानों का



निर्माण कार्य चल रहा है। बुधवार की सुबह एक दुकान की छत का लेंटर डाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, निर्माण कार्य के दौरान लेंटर को नीचे से सहारा देने के लिए लगाई गई बल्ली अचानक दबाव न सह पाने के कारण टूट गई। बल्ली टूटते ही पूरा लेंटर भरभराकर नीचे आ गिरा। इस दौरान ऊपर काम कर रहे दो मजदूर–जमर्न सिंह (निवासी गांव पुसार, थाना दोघट, जनपद बागपत) और संदीप (निवासी भोपा)–सीधे मलबे की चपेट में आकर उसके नीचे दब गए।

मौके पर मची अफरा-तफरी, ग्रामीणों व पुलिस ने निकाला बाहर

अचानक हुए इस हादसे से निर्माण स्थल पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। मलबे में दबे मजदूरों की आवाज सुनकर पास ही काम कर रहे अन्य श्रमिक और स्थानीय ग्रामीण तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही भोपा थाना पुलिस भी तत्काल मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने ग्रामीणों और मजदूरों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए मलबा हटाया और काफी मशक्कत के बाद दोनों घायल मजदूरों को बाहर निकाला।

सीएचसी भोपा में कराया गया भर्ती, हालत गंभीर

रेस्क्यू कर मलबे से बाहर निकाले गए दोनों घायल मजदूरों को एंबुलेंस व निजी वाहन की मदद से तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा पहुंचाया गया। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार दिए जाने के बावजूद दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के बाद से निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों और तकनीकी गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में चचाओं का बाजार गर्म है।

खतौली में दिन के समय गन्ना वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग: नपा अध्यक्ष ने चीनी मिल प्रबंधन को भेजा पत्र

वैकल्पिक सफेदा रोड से वाहन गुजारने और ओवरलोडिंग रोकने की उठाई मांगः रात 10 से सुबह 7 बजे तक हो संचालनः शाहनवाज अली

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर में गन्ना लेकर आने वाले भारी वाहनों के अनियंत्रित आवागमन से बढ़ रहे सड़क हादसों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) नेता हाजी शाहनवाज अली ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने त्रिवेणी शुगर मिल खतौली के प्रबंधन को पत्र भेजकर दिन के समय नगर के मुख्य आबादी वाले मार्गों पर गन्ने से लदे ट्रक, ट्रॉला, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बुग्गी आदि के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की है। चेयरमैन ने इन वाहनों के संचालन का समय केवल रात 10 बजे से सुबह 7 बजे तक निर्धारित करने और सभी गन्ना वाहनों को वैकल्पिक सफेदा रोड से शुगर मिल तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा, पुराने हादसों का दिया हवाला

चेयरमैन शाहनवाज अली ने अपने पत्र में लिखा है कि शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू होते ही नगर के व्यस्त मार्गों पर



गन्ना वाहनों की संख्या में भारी इजाफा हो जाता है। जिन मार्गों (विशेष रूप से बुढ़ाना रोड, मेन रोड और जानसठ चौपला) से ये भारी वाहन गुजरते हैं, उनके आसपास कई इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय और निजी शिक्षण संस्थान स्थित हैं। सुबह स्कूल खुलने और दोपहर में छुट्टी के समय बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इन रास्तों से गुजरते हैं, जिससे हमेशा किसी बड़ी अनहोनी का डर बना रहता है। उन्होंने पूर्व में हुई दर्दनाक घटनाओं की याद दिलाते हुए कहा कि गन्ने से भरे भारी वाहनों की चपेट में आकर कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैंः 5 दिसंबर 2025 की घटनाः खड़े ऑटो रिक्शा में ट्रक की टक्कर से खतौली निवासी इस्लामुद्दीन की दर्दनाक मौत हो गई थी।

बुढ़ाना तिराहा हादसाः इस मार्ग पर भी भारी वाहनों के कारण जानलेवा दुर्घटना हो चुकी है। ओवरलोडिंग से टूट रहीं नगर की सड़कें, मिल में न मिले प्रवेश

शाहनवाज अली ने निर्धारित क्षमता से अधिक गन्ना लादकर चलने वाले (ओवरलोडेड) वाहनों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ओवरलोडिंग न केवल हादसों को न्योता देती है, बल्कि इससे नगर की नई बनी सड़कों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। सड़कों के क्षतिग्रस्त होने से उनकी मरम्मत पर सरकारी धन का अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उन्होंने मांग की है कि शुगर मिल प्रबंधन ओवरलोड गन्ना लेकर आने वाले वाहनों को मिल परिसर में प्रवेश ही न दे और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि यह कदम किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं, बल्कि नगरवासियों के जीवन की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी 21 नवंबर 2024 (पत्र संख्या 749/न.पा.प./2024-25) को मिल प्रबंधन को पत्र लिखकर समय और मार्ग तय करने को कहा गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस व्यवस्था लागू नहीं हुई है। गौरतलब है कि पेराई सत्र शुरू होने से पूर्व पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने चीनी मिल प्रबंधन व ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक कर यातायात नियमों और ओवरलोडिंग रोकने के सख्त दिशा-निर्देश दिए थे।

शुकतीर्थ में डॉ. मोहन भागवत के दौरे की तैयारियां: डीएम-एसएसपी ने श्री शुकदेव आश्रम का किया निरीक्षण, परखी आश्रम की व्यवस्थाएं

सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने दिल्ली से आई टीम के साथ की मंत्रणा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की संभावित दो दिवसीय यात्रा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस महकमे ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने प्रशासनिक व पुलिस अमले के साथ भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज से शिष्टाचार भेंट कर कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की।

पहली बार शुकदेव आश्रम पहुंचेंगे भागवत

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला पर्व के अवसर पर 22 नवंबर की शाम 6 बजे पहली बार ऐतिहासिक श्री शुकदेव आश्रम पहुंचेंगे। उनके इस प्रथम आगमन को लेकर आश्रम प्रबंधन और प्रशासनिक स्तर पर



विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

समाधि मंदिर से लेकर अक्षय वट तक का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान डीएम और एसएसपी ने आश्रम परिसर के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। अधिकारियों ने शिक्षा ऋषि पूज्य वीतराग स्वामी कल्याणदेव समाधि मंदिर, यज्ञशाला, प्राचीन अक्षय वट और मुख्य शुकदेव मंदिर में साफ-सफाई, प्रकाश और आवागमन की व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। निरीक्षण के दौरान आश्रम में चल रहे विकास कार्यों को देखते हुए डीएम सुनील कुमार सिंह ने पर्यटन विभाग के अभियंताओं को कड़े निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों को हर हाल में 20 नवंबर तक पूरा कर लिया जाए, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिल्ली से आए अधिकारियों ने सुरक्षा घेरे पर की मंत्रणा

सरसंघचालक की उच्च श्रेणी की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। एसएसपी सूरज कुमार राय ने आश्रम पदाधिकारियों से डॉ. भागवत के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम की जानकारी ली। इसके साथ ही, आरएसएस प्रमुख की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए दिल्ली से आए सुरक्षा अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर आपसी समन्वय और रूट प्लान पर गहन मंत्रणा की।

शुकतीर्थ में कार्तिक गंगा स्नान मेले की तैयारियां शुरू: 24 नवंबर को होगा मुख्य स्नान, गंगा घाट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम



मोरना (मुजफ्फरनगर)। प्रसिद्ध तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में प्रतिवर्ष लगने वाले ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले को लेकर प्रशासनिक व विभागीय तैयारियां जोर-शोर से आरंभ हो गई हैं। जिला पंचायत के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस भव्य मेले के लिए कर्मचारियों ने मेला ग्राउंड में डेरा डाल दिया है, वहीं प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार मौके पर पहुंचकर जारी व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। जिला पंचायत द्वारा इस वर्ष कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले का आयोजन 21 नवंबर से 25 नवंबर तक किया जाएगा। मेले का सबसे महत्वपूर्ण पर्व यानी मुख्य गंगा स्नान 24 नवंबर को प्रातः काल (सुबह सवेरे) संपन्न होगा। इस पावन अवसर पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली और भैंसा-बोगी आदि पारंपरिक वाहनों से तीर्थ नगरी पहुंचते हैं और यहां तंबू लगाकर चार से पांच दिनों तक प्रवास करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड पर सरकारी टेंट और विभागीय स्टॉल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। मेले के स्वागत के लिए भव्य मुख्य द्वार का निर्माण किया गया है।

भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए प्रमुख रास्तों पर बैरिकेडिंग की जा रही है, जबकि रात के समय संपूर्ण मेला क्षेत्र को रोशन रखने के लिए बिजली की अस्थाई लाइनें बिछाई जा रही हैं। गंगा किनारे लगने वाले इस मेले में सुरक्षा के मद्देनजर अस्थाई पुलिस कोतवाली स्थापित की जा रही है। इसके अतिरिक्त युवाओं के लिए क्रीड़ा स्थल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भव्य मंच और आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों के प्रदर्शनी स्टॉल भी लगाए जा रहे हैं। गंगा घाट पर श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान के लिए विशेष बैरिकेडिंग व गोताखोरों की व्यवस्था की जा रही है। वहीं, अम्बेडकर चौक के सामने पारंपरिक मीना बाजार में भी विभिन्न प्रकार की दुकानें लगनी शुरू हो गई हैं, साथ ही तीर्थ नगरी की धर्मशालाओं में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है।

खतौली में जनगणना-2027 जागरूकता अभियान का शुभारंभ: हेल्प डेस्क व सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन, 30 नवंबर तक कर सकेंगे ऑनलाइन स्व-गणना

श्री कुन्दकुन्द जैन इंटर कॉलेज में नगर पालिका ईओ राजीव कुमार ने विद्यालय प्रबंधक व प्रधानाचार्य की उपस्थिति में किया उद्घाटन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जनगणना-2027 के प्रति आमजन को जागरूक करने और इस राष्ट्रीय महाअभियान में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को श्री कुन्दकुन्द जैन इंटर कॉलेज, खतौली में विशेष जागरूकता अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में नागरिकों की सुविधा के लिए जनगणना हेल्प डेस्क और युवाओं को अभियान से जोड़ने के लिए एक आकर्षक सेल्फी पॉइंट स्थापित किया गया। हेल्प डेस्क एवं सेल्फी पॉइंट का विधिवत उद्घाटन नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी (ईओ) राजीव कुमार ने विद्यालय प्रबंधक मुकेश जैन एवं प्रधानाचार्य अनुराग जैन की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

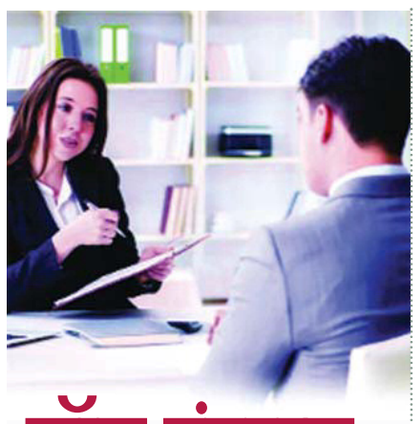
30 नवंबर तक स्व-गणना, 1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक

कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित नागरिकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों को जनगणना-2027 की संपूर्ण प्रक्रिया और डिजिटल स्व-गणना (री'ा-एल्ल४ी१ं-३ङ्मल्ल) की सुविधा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि नागरिक 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक आधिकारिक पोर्टल (रीा्रील्ल२४२.ङ्म५ल्ल) पर जाकर अपने परिवार की जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। ऑनलाइन स्व-गणना की अवधि समाप्त होने के



पश्चात 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर पहुंचकर जनगणना का कार्य संपन्न करेंगे।

विद्यालय परिसर में स्थापित हेल्प डेस्क के माध्यम से आम नागरिकों को स्व-गणना पोर्टल पर पंजीकरण करने, परिवार के सदस्यों का सही विवरण भरने, लोकेशन दर्ज करने तथा स्व-गणना पूरी होने के बाद प्राप्त होने वाली 'रए क्ल' को सुरक्षित रखने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके लिए एक विशेष टीम गठित की गई है, जिसमें फील्ड ट्रेनर्स राजकुमार जैन, हितेश कुमार, चंदन शर्मा एवं प्रियंका जैन को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह टीम नागरिकों को स्व-गणना के दौरान आने वाली किसी भी तकनीकी व व्यावहारिक समस्या के समाधान में सहयोग करेगी। इसके अतिरिक्त, विद्यालय की ओर से लगभग 25 प्रगणक भी घर-घर जाकर परिवारों की जानकारी एकत्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान स्थापित सेल्फी पॉइंट विद्यार्थियों एवं युवाओं के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा, जिसके जरिए सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की पहल की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति की सही जानकारी दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी नागरिक पूरी ईमानदारी व सटीकता के साथ अपना विवरण उपलब्ध कराएं। विद्यालय प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि विद्यालय परिवार विद्यार्थियों और अभिभावकों के माध्यम से इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाएगा। अंत में ईओ राजीव कुमार, प्रबंधक मुकेश जैन व प्रधानाचार्य अनुराग जैन सहित समस्त विद्यालय परिवार ने नगरवासियों से स्व-गणना का लाभ उठाते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की।



जॉब इंटरव्यू के दौरान इन बातों का रखें खास ख्याल

इंटरव्यू का पहला इंप्रेशन अगर आपका अच्छा गया है तो यह आपको आसानी से नौकरी दिला सकता है। कई बार हम बड़ी कंपनी में इंटरव्यू के दौरान कुछ गलतियां कर देते हैं। ऐसे में अच्छी नौकरी हमारे हाथ से निकल जाती है। अगर आप भी जॉब के इंटरव्यू की तैयारी में लगे है तो इंटरव्यू को दौरान कुछ बातों का रखें खास ख्याल।

इंटरव्यू में केवल आपकी शिक्षा ही नहीं बल्कि आपके बोलचाल का तरीका भी देखा जाता है। ऐसे में कई बार आप सभी सवालों का सही जवाब देते है इसके बावजूद भी आपकी नौकरी नही लगती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कई बार सामने वाला आपके काम के साथ ही आपकी बॉडी लैंग्वेज भी नोटिस करता है। ऐसे में आपको इंटरव्यू के समय इन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

कपड़ो का रखें खास ख्याल

अगर आप जॉब इंटरव्यू के लिए जा रही हैं तो आपको कपड़ो का खास ख्याल रखना चाहिए। कोशिश करें की आप फॉर्मल कपड़े ही पहने। ऐसा करने से भी आपका फर्स्ट इम्प्रेशन काफी अच्छा जाएंगा। ज्यादा तड़क-भड़क रंग के कपड़ों को इंटरव्यू में पहनने से हमेशा ही बचना चाहिए।

बॉडी लैंग्वेज का रखें खास ख्याल

बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव एक तरह की शारीरिक भाषा है। जो व्यक्ति आपका इंटरव्यू ले रहा है वह आपके बॉडी लैंग्वेज पर खास ध्यान देता है। कई कंपनियां स्किल्स के साथ ही कैंडिडेट के उठने-बैठने के अंदाज और बातचीत करने के तरीके को ध्यान में रखते हुए भी उन्हें शॉर्टलिस्ट करती हैं। ऐसे में आपको इसका खास ख्याल रखना है।

आई कॉन्टैक्ट से बनेगा खेल

आपसे जब किसी भी तरीके का सवाल पूछा जाएं तो आई कॉन्टैक्ट करके जवाब दें। ऐसा करने से भी आपको जॉब आसानी से मिल जाएंगी। अगर आप इधर-उधर देखते हुए जवाब देंगे तो इससे आपके कॉन्फिडेंस पर सवाल उठ सकता है।



ग्रेजुएशन के बाद किस कॉलेज से करें पीजीडीएम कोर्स?

ग्रेजुएशन के बाद अगर पीजीडीएम कोर्स करना चाहते हैं तो यहां बताए गए 7 प्वाइंट्स की मदद से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव कर सकते हैं। अच्छे कॉलेज का चुनाव करते हुए कुछ खास बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि पीजीडीएम के लिए सही संस्थान का चुनाव कर सकें।

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) दो साल का बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम है। यह कोर्स बिजनेस के कई पहलुओं को कवर करता है। इसमें फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स, मार्केटिंग, एआई और डेटा साइंस, बिजनेस एनालिटिक्स और ऑपरेशंस मैनेजमेंट शामिल हैं। पीजीडीएम छात्रों को जरूरी मैनेजमेंट स्किल्स और ज्ञान से लैस करता है। यह कोर्स इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है लेकिन इसके लिए सही पीजीडीएम कॉलेज का चुनाव बहुत जरूरी है।

कुल मिलाकर, पीजीडीएम कोर्स उन लोगों के लिए जरूरी हैं जो अपनी नौकरी में आगे बढ़कर अपने बिजनेस ज्ञान में सुधार करना चाहते हैं। एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एक सामान्य कॉलेज की तुलना में अनुभवी फैकल्टी और अच्छी शिक्षा मिलती है। अच्छे पीजीएम कॉलेज के लिए बेस्ट कॉलेज कैसे चुनें, जानिए डॉ ए.एस. सुरेश अय्यर, निदेशक, आदित्य स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एएसबीएम) से।

रैंकिंग और मान्यता

पीजीडीएम के लिए सबसे जरूरी चीजों में से एक उन कॉलेजों की तलाश करना है जिन्हें संबंधित बॉडी द्वारा मान्यता प्राप्त है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि छात्रों को अच्छी गुणवत्ता वाली सही शिक्षा मिले। प्रसिद्ध जगह से मान्यता को गुणवत्ता मानदंड माना जाता है। रैंकिंग पर विचार करना एक और महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि यह एक प्रोग्राम की गुणवत्ता को भी निर्धारित करता है। यह स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद आपकी नौकरी की संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

पाठ्यक्रम या सिलेबस

यह सुनिश्चित करने के लिए पाठ्यक्रम प्रस्तावों और विशेषज्ञताओं की समीक्षा करना बहुत जरूरी है कि वे किसी के करियर के लक्ष्यों के अनुसार हों। एक असाधारण पीजीडीएम कार्यक्रम को उसके इंडस्ट्री ओरिएंटिड पाठ्यक्रम के अनुसार होना चाहिए। आपको ऐसे कॉलेजों और प्रोग्रामों की तलाश करनी चाहिए जो प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप और केस स्टडी के माध्यम से व्यावहारिक यानी प्रैक्टिकल शिक्षा को शामिल करते हैं। वास्तविक दुनिया की स्थितियों में सैद्धांतिक या थ्योरी ज्ञान को लागू करने के लिए ये अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

आर्थिक मदद

छात्रों की ओर से चुने पीजीडीएम कॉलेज के आर्थिक फायदों पर विचार करना जरूरी है। छात्रों को ट्यूशन फीस का विश्लेषण करना चाहिए, कॉलेज में उपलब्ध छात्रवृत्ति यानी स्कॉलरशिप की जांच करनी चाहिए और ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई के बाद संभावित वेतन के संबंध में निवेश के लाभ पर भी विचार करना चाहिए। कोर्स की लागत को समझना भी जरूरी है, क्योंकि यह संस्थानों के अनुसार अलग-अलग होती है। छात्र यह सुनिश्चित करके भविष्य में आर्थिक तनाव से बच सकते हैं कि लागत और अपने बजट के अनुसार कॉलेज चुन सकते हैं।

प्लेसमेंट रिकॉर्ड

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने के लिए, कॉलेज के प्लेसमेंट आंकड़ों और वहां से भर्ती करने वाली कंपनियों को जांचना भी जरूरी है। एक मजबूत और योग्य प्लेसमेंट रिकॉर्ड छात्रों को सफल भविष्य के लिए तैयार करने में पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता और गुणवत्ता को दिखाता है। इसके अलावा निवेश पर लाभ की गणना करने के साथ-साथ, छात्रों को आने वाली कंपनियों और उनकी ओर से प्रतिनिधित्व करने वाली इंडस्ट्री को भी ध्यान में रखना चाहिए। इससे छात्रों को एक व्यापक तस्वीर मिलेगी कि वे वास्तव में क्या कर रहे हैं।

पूर्व छात्रों से करें बात

सही पीजीडीएम कॉलेज चुनने का एक अनिवार्य हिस्सा पूर्व छात्रों का ग्रुप भी हो सकता है। यह देखने के लिए कि पिछले ग्रेजुएट अपने करियर में कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं, पूर्व छात्रों के परिणामों पर रिसर्च करने से छात्रों को सही रास्ता चुनने में मदद मिल सकती है। पूर्व छात्रों को खोजना या लिंक्डइन पर उनसे जुड़ना आपको बेहतर कॉलेज खोजने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, एक सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क सलाह और मदद करके आपके करियर के रास्ते में आपकी मदद कर सकता है।

बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर

छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और संसाधनों का मूल्यांकन करने के लिए कैंपस का दौरा करना या ऑनलाइन संसाधनों की जाँच करना महत्वपूर्ण है। बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर, कक्षाओं, लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब आदि का आकलन करने से छात्रों को कॉलेज के लिए बेहतर निर्णय लेने में मदद मिल सकती है। जरूरी सुविधाओं वाला एक परिसर एक छात्र की शिक्षा में सुधार कर सकता है और एक ऐसा वातावरण प्रदान कर सकता है जो उनके विकास के अनुकूल हो।

कॉलेज की जगह

छात्रों को संस्थान या कॉलेज की जगह और इसकी पहुंच का मूल्यांकन करना चाहिए। ऐसे क्षेत्र में कॉलेज चुनना आवश्यक है जो इंडस्ट्री केंद्रों और नेटवर्किंग के अवसरों तक पहुंच देता हो। एक आरामदायक और उचित सीखने के अनुभव की गारंटी के लिए, आने-जाने के समय, रहने की संभावनाओं और इंडस्ट्री केंद्रों से नजदीकी का ध्यान रखें।





इंस्टाग्राम के जरिए बनाएं म्यूजिक में करियर

पहले के समय में लोग सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर के करियर को ही सबसे अच्छा प्रोफेशन मानते थे। पर, बदलते वक्त ने लोगों के नैरेटिव को भी बदल दिया है। आज के समय में कोई भी अपने पैशन और टैलेंट के बदौलत भी ऊंचाइयों को छू सकता है। साथ ही, इससे अच्छी कमाई भी कर सकता है। क्योंकि आज के दौर में लोगों को कुछ नया और हटके पसंद आता है।

आज के समय में अगर आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसे अपना प्रोफेशन बना सकती हैं। ऐसे में आप यदि म्यूजिक में गहरी रुचि रखते हैं और आपको उसकी जानकारी भी है, तो आप इसके माध्यम से भी अच्छी कमाई कर सकते हैं। हालांकि, म्यूजिक भी इतना आसान नहीं होता है। इस क्षेत्र में केवल वही करियर बना सकते हैं, जिसके अंदर क्रिएटिविटी हो और जिसमें म्यूजिक के प्रति जुनून हो। पर, बहुत से लोग टैलेंट होने के बावजूद भी कभी-कभी पीछे रह जाते हैं। तो चलिए हम आज आपको बिना किसी एक्सपीरियंस के म्यूजिक में करियर बनाने की टिप्स बताते हैं।

म्यूजिक में करियर कैसे बनाएं?

आजकल ऑनलाइन और सोशल मीडिया की वजह से म्यूजिक इंडस्ट्री में काफी बदलाव आया है। लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी अपने टैलेंट को दिखा रहे हैं और उन्हें खूब पसंद भी किया जा रहा है। इस तरह लोग काफी कुछ अपने दम पर कर पा रहे हैं। पहले के समय में यह सुविधा नहीं होती थी, तो बहुत कम लोग ही अपने पैशन को चुन पाते थे।

आप अगर म्यूजिक में दिलचस्पी रखते हैं और आपके अंदर कुछ अलग करने का हुनर है, तो आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर इसे शेयर कर सकते हैं। यदि आपकी क्रिएटिविटी लोगों को पसंद आई, तो ऐसा करने से धीरे-धीरे आपकी फैन फॉलोइंग बढ़ सकती है। इसके बाद आप फेमस हो सकते हैं और आपकी अर्निंग भी शुरू हो सकती है। हालांकि, इसके लिए आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। आप चाहें तो वीडियो शूट करने के लिए अपने घर में भी छोटा सा शूटिंग कमरा बना सकती हैं। इसके अलावा, आप कहीं अच्छे स्पॉट पर भी शूट कर सकते हैं।

यूट्यूब से कर सकते हैं अच्छी कमाई

अगर आपके पास म्यूजिक का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन आपके अंदर इसके प्रति जुनून है, तो आप अपने टैलेंट को दुनिया के सामने दिखाने के लिए यूट्यूब का सहारा ले सकते हैं। इसपर आप अपनी लॉन्ग या शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर सकते हैं। शुरुआत में तो धैर्य रखना पड़ेगा। पर, इसी तरह यदि आप सही समय और ट्रेंड को फॉलो करते हुए लगातार वीडियो डालेंगे तो आपके पोस्ट की रीच बढ़ सकती है। यही नहीं, आप इसके माध्यम से भी एक अच्छे कलाकार बन सकते हैं।

म्यूजिक से संबंधित कोर्स कर बनाएं करियर

अगर आप म्यूजिक में अपना करियर देखते हैं, तो आप इस फिल्ड में स्पेशल कोर्स करके भी प्लेसमेंट के जरिए आगे का रास्ता चुन सकते हैं। इसके लिए भारत में कई सारे कॉलेज और यूनिवर्सिटी उपलब्ध है, जो संगीत से ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स करने की सुविधा देते हैं।



बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

अगर अपने बीए की डिग्री हासिल की है और अब आपको यह समझ में नहीं आ रहा है कि आप अपने करियर को आगे किस तरह बढ़ाएं तो आप इन फील्ड में ट्राई कर सकते हैं।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आर्टर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

आर्टर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं। अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें। अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं। इसके बाद आप लॉ प्रैक्टिस शुरू कर सकते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

डेढ़ करोड़ का गांजा बरामद, ओडिशा से गुरुग्राम ले जाए जा रहे 177 किलो से अधिक अवैध गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार



ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने गांजा तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के हाथ लगी इस बड़ी सफलता के दौरान आरोपियों के कब्जे से 177 किलो 790 ग्राम अवैध गांजा और तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा बिना बॉडी का एक ट्रक बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये बताई गई है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि बुधवार को थाना बादलपुर पुलिस और एएनटीएफ की टीम ने स्थानीय और मैनुअल इंटेलिजेंस की मदद से कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस टीमों ने दोनों आरोपियों को अंबेडकर पार्क के सामने से धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान इरफान पुत्र बसीर (उम्र 31 वर्ष) और आसिफ पुत्र सगीर (उम्र 20 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी मूल रूप से गांव सांचोली, थाना सोहना, जिला गुरुग्राम, हरियाणा के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके पास से हरियाणा नंबर का वह ट्रक भी बरामद कर लिया है जिसका इस्तेमाल तस्करी के लिए किया जा रहा था।

ट्रक में बनाई गई थी विशेष कैविटी: डीसीपी के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं। आरोपियों ने बताया कि वे इस भारी मात्रा में गांजे को ओडिशा से गुरुग्राम लेकर जा रहे थे। इस अवैध खेप को छिपाने के लिए एक शातिर तरीका अपनाया गया था। तस्करी के लिए ट्रक के नीचे टूल बॉक्स के पास एक विशेष कैविटी तैयार की गई थी। यह गुप्त स्थान देखने में बिल्कुल डीजल टैंक जैसा प्रतीत होता था, ताकि किसी को शक न हो। इसी गुप्त स्थान के भीतर गांजा छिपाकर रखा गया था। इस खेप को ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर डिलीवर किया जाना था।

पहले भी जेल जा चुके हैं आरोपी: पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं। दोनों आरोपी पहले भी असम में एनडीपीएस के एक मुकदमे में जेल की हवा खा चुके हैं। इस पुराने आपराधिक इतिहास के संबंध में पुलिस और अधिक गहराई से जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से इरफान इस ट्रक का मालिक होने के साथ-साथ चालक भी है, जबकि दूसरा आरोपी आसिफ उसी ट्रक में हेल्पर का काम संभालता था। पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी केवल आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं।

किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान, गुणवत्ता परक विकास कार्यों और भूमि अधिग्रहण पर जोरः सीईओ



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नवनियुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. बलकार सिंह ने बुधवार को अपना कार्यभार संभाल लिया। 2004 बैच के आईएएस अधिकारी एवं यूपीसीडा के सीईओ रहे डॉ. बलकार सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसीईओ प्रेरणा सिंह, एसीईओ सुमित यादव और एसीईओ नुपुर गोयल की मौजूदगी में अधिकारियों के साथ पहली बैठक की। इस दौरान उन्होंने प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए किसानों की समस्याओं के समाधान, भूमि अधिग्रहण, विकास कार्यों की गुणवत्ता, साफ-सफाई और शहर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सीईओ ने स्पष्ट कहा कि किसानों की आपसी सहमति और जायज मांगों को पूरा करते हुए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाए। किसानों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राधिकरण कार्यालय में आने वाले प्रत्येक किसान और आवंटी की शिकायतों को सम्मानपूर्वक सुनें। किसी को भी कार्यालय में असुविधा महसूस नहीं होनी चाहिए।

उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए डॉ. बलकार सिंह ने गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना विभाग की टीम को नियमित रूप से निर्माण कार्यों की निगरानी करने तथा प्रतिष्ठित एजेंसी के माध्यम से भी गुणवत्ता की जांच कराने को कहा। शहर में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सड़कों के किनारे और सेंट्रल वर्ज पर घास लगाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को फील्ड में जाकर समस्याओं को चिंहितकरने और उनके समाधान की कार्ययोजना तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। सीईओ ने एसटीपी से शोधित पानी के पुनः उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि सिंचाई और निर्माण कार्यों में भूजल के बजाय ट्रीटेड वाटर का इस्तेमाल किया जाए।

आवासीय सेक्टरों में खाली पड़े भूखंडों के आवंटियों को चिंहित कर उन्हें निर्माण के लिए प्रेरित करने के निर्देश नियोजन विभाग को दिए। उन्होंने निवेश को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम विकसित करने और निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार करने पर भी जोर दिया। बैठक में जीएम वित्त स्वतंत्र गुप्ता, ओएसडी अभिषेक पाठक, गुंजा सिंह, लवगीत कौर, गिरीश कुमार झा, मुकेश कुमार सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह समेत प्राधिकरण के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण के गेट पर किसानों का धरना

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसानों ने मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ सेक्टर-96 स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन के गेट पर धरना दिया।

किसानों की मांगों को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच मंगलवार को प्राधिकरण की ओर से जनसुनवाई शुरू की गई। इसमें किसानों की समस्याएं सुनी जा रही है।।किसान पिछले कई वर्षों से लंबित मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों के साथ कई बार वार्ता और ज्ञापन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में किसानों की मांगों को लेकर मोर्चाबंदी हो चुकी है।

किसान पिछले पांच साल से अधिकारियों के साथ वार्ता कर रहे हैं। कई बार ज्ञापन भी दिए गए, लेकिन अब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब किसान केवल आश्वासन नहीं, बल्कि अपनी मांगों का समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस बार मांगें पूरी कराए बिना किसान वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा नोएडा की स्थापना के लिए वर्ष 1976 में किसानों की जमीन अर्जेसी क्लॉज के तहत बेहद कम दर पर अधिग्रहित की गई थी। आज उसी जमीन की कीमत लाखों रुपये प्रति वर्गमीटर तक पहुंच गई है, लेकिन जमीन देने वाले कई किसानों को अब तक विकसित भूखंड नहीं मिले हैं।

प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर भूखंड आवंटन की योजनाएं लाई गईं, लेकिन बड़ी संख्या में पात्र किसान इनका लाभ पाने से वंचित रह गए।

पार्किंग विवाद में पड़ोसी को धारदार हथियार मारा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के कुलेसरा गांव में गली में गाड़ी खड़ी करने को लेकर पड़ोसी ने एक व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पिछले दो साल से परेशान कर रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मनोज चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह गली में अपने घर के बाहर गाड़ी खड़ी करता है। आरोपी पड़ोसी चिंटू इस बात का विरोध करता है। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में कई बार विवाद हुआ। आरोपी पिछले दो साल से उसे परेशान कर रहा है। विरोध करने पर गाली-गलौज करता है। आरोपी ने सोमवार को भी इसी विवाद के चलते मनोज चौधरी पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया। हमले में पीड़ित को चोटें आईं। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।गली में टेंपो खड़ा करने पर हत्या हो चुकी : कुलेसरा में पिछले दिनों एक टेंपो चालक की हत्या की गई थी।

23 साल के आदमी में दुर्लभ हिरायामा बीमारी का हुआ इलाज

ग्रेटर नोएडा। शारदाकेयर हेल्थसिटी में एक 23 साल के आदमी का हिरायामा बीमारी का सफल इलाज किया गया है। हिरायामा एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है। यह बीमारी होने पर सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड प्रभावित होती है। मरीज़ रमेश को कई महीनों से दोनों हाथों में लगातार कमज़ोरी, बाएं हाथ का अगला हिस्सा पतला होना, दर्द, सुन्नपन और हाथ कांपने जैसी समस्या महसूस हो रही थी। न्यूरोलॉजिकल जांच और एडवांस्ड सर्वाइकल स्पाइन इमेजिंग से डायग्नोसिस में मदद मिली। इसके बाद उसका दवा, सर्वाइकल सपोर्ट और सुपरवाइज़्ड फिजियोथेरेपी से इलाज़ किया गया।

हिरायामा बीमारी एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल समस्या है। यह आमतौर पर कम उम्र के लड़कों को किशोरावस्था और जवानी की शुरुआत में होती है, जिससे हाथ और कलाई के नीचे की मांसपेशियों में कमजोरी और सिकुड़न आ सकती है। पूरे देश में हुए एक सर्वे के अनुसार यह करीब 3,33,000 में से 1 व्यक्ति को होती है। 100,000 लोगों पर 5.54 मामलों का 10 साल का अलग आंकड़ा सामने आया है, यह बीमारी ज्यादातर एशियाई लोगों में पाई जाती है और पूरी



दुनिया में काफी कम देखने को मिलती है।

सर्वाइकल स्पाइन की जांच में सी से सी7 स्तर पर स्पाइनल कॉर्ड (रीढ़ की हड्डी) का पतला होना पाया गया। साथ ही नॉन-कम्प्रेसिव माइलोपैथी के संकेत मिले, जो हिरायामा बीमारी और एक्यूट सर्वाइकल ट्रांसवर्स माइलाइटिस जैसी स्थितियों से जुड़े हो सकते हैं।

मरीज़ को नर्व की सूजन के इलाज के लिए दवा दी गई, गर्दन को ज़्यादा झुकने से बचाने के लिए सॉफ्ट सर्वाइकल कॉलर पहनाया गया, और देखरेख में फिजियोथेरेपी व कसरत कराई गई। वह 18 दिन तक अस्पताल में रहा, इस दौरान उसकी हालत ठीक रही और उसमें धीरे-धीरे सुधार हुआ।

रमेश को एक रिहैबिलिटेशन प्लान के साथ डिस्चार्ज कर दिया गया और उनके हाथ और बांह की ताकत पर नज़र रखने के लिए न्यूरोलॉजिकल फॉलो-अप जारी रहेगा।

शारदाकेयर हेल्थसिटी के न्यूरोलॉजी विभाग के सीनियर डॉयरेक्टर और प्रमुख डॉ आत्मप्रीत सिंह ने कहा, 'हिरायामा बीमारी एक सामान्य न्यूरोलॉजिकल समस्या नहीं है। इस बीमारी में शुरू में हाथ या बांह में धीरे-धीरे कमज़ोरी बढ़ सकती है। अगर समय पर इलाज न किया जाए, तो इससे और न्यूरोलॉजिकल कमी हो सकती है, बांह के आकार में साफ़ बदलाव या किसी जवान व्यक्ति में हाथ कांपना न्यूरोलॉजिकल जांच की ज़रूरत होती है। इस मामले में बीमारी की समय पर पहचान होने से हमें मरीज़ का सावधानीपूर्वक इलाज करने में मदद मिली। हमारा मुख्य ध्यान उसकी रोज़मर्रा के काम करने की क्षमता में सुधार लाने और बीमारी को आगे बढ़ने से रोकने पर रहा। '

से भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर कार्तिक मास का स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठान करने वाली महिलाओं में अंजना शर्मा, नीता शर्मा, कंचन राजपूत, नीतू झा, नीलम चौहान, चंपा देवी, गीतु सिंह एवं विमला नेगी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

वहीं सोसाइटी की अनेक वरिष्ठ एवं बुजुर्ग महिलाओं ने भी इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें हेमलता राजपूत, गीता तिवारी, सरोज शर्मा एवं सरला गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि भले ही नोएडा जैसे आधुनिक और हाईटेक शहर में जीवनशैली बदल रही हो, लेकिन रजत विहार सेक्टर-62 में आज भी हमारी धार्मिक परंपराएं, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत पूरी श्रद्धा के साथ जीवित हैं। यहां सभी पीढ़ियों की महिलाएं मिलकर इन परंपराओं को निभा रही हैं और आने वाली पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। रजत विहार की यही विशेषता है कि यहां आधुनिकता के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, आपसी प्रेम, पारिवारिक एकता और परंपराओं का भी पूरा सम्मान किया जाता है।

मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशों के क्रम में आज विकास भवन के सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन



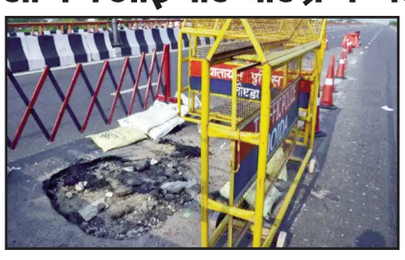
गौतमबुद्धनगर। जनपद के कृषकों की कृषि संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर भाल चंद्र त्रिपाठी के निर्देशानुसार बुधवार को विकास भवन स्थित सभागार में उप निदेशक कृषि विवेक दुबे की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया।

प्रगतिशील कृषकों ने किसान दिवस में सम्मिलित होते हुए अपनी समस्याओं को बैठक में रखा। इस कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा फसल बीमा, फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आई0डी0 विषय पर कृषकों के मध्य जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया गया तथा निकट भविष्य में खाद क्रय हेतु फार्मर रजिस्ट्री की अनिवार्यता के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम में इस विषय पर भी बल दिया गया कि कृषकों द्वारा प्रयोग की जाने वाली खाद की मात्रा कृषकों को उपलब्ध कराए गए सॉइल हेल्थ कार्ड के निष्कर्षों पर ही आधारित हो। कृषकों को फसल बीमा के विषय में भी जानकारी दी गई तथा सुरक्षित भविष्य हेतु अपनी फसल को भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के अन्तर्गत फसल बीमा आच्छादन के अन्तर्गत लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की निर्बाध प्राप्ति के लिए कृषकों को ई0 के0वाई0सी0 कराने एवं अपडेट मिसिंग इन्फॉर्मेशन कराने हेतु जागरूक किया गया।

कृषकों की सहायता हेतु आयोजित इस किसान दिवस कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से जुड़े विभागों के अधिकारी, जिसमें सिंचाई, ऊर्जा एवं कृषि उत्पादन शाखा से जुड़े विभाग जैसे कृषि, उद्यान, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन आदि विभागों के अधिकारियों व एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री व प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सम्बन्धित समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

उप कृषि निदेशक, गौतमबुद्धनगर द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी कृषकों व कर्मचारी/अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

अब गड्ढा नहीं भरा जाएगा, नोएडा में एलिवेटेड रोड का हिस्सा ही बदलेगा; सामने आई बार-बार क्रैक पड़ने की वजह



नोएडा। शहर की पहली एलिवेटेड रोड पर बार-बार गड्ढा होने की वजह शुरुआती तकनीकी जांच में सामने आई है। एमपी-टू स्थित सेक्टर 27-28 से सेक्टर 60-61 तक बनी इस सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से में बेयरिंग कमजोर पाई गई है।

पर्याप्त भार न संभाल पाने के कारण एक सेगमेंट पर दबाव पड़ा और उसमें दरारें आ गईं। इसका असर करीब 11 मीटर लंबे हिस्से पर हुआ, जिसकी ऊपरी सतह क्षतिग्रस्त होकर गड्ढे में बदल गई।

बता दें कि सेक्टर-61 से सेक्टर-18 की ओर जाने वाली लेन में सेक्टर-33 स्थित इस्कॉन मंदिर के सामने 18 अक्टूबर को पहली बार गड्ढा हुआ था। मरम्मत के बाद 20 अक्टूबर को उसी जगह फिर गड्ढा बन गया।।सुरक्षा के मद्देनजर 21 अक्टूबर को लेन पर यातायात बंद कर दिया गया। यह लेन 26 दिन से बंद है और नीचे की सड़क पर दबाव बढ़ा है। एमपी-टू एलिवेटेड रोड प्रीकास्ट तकनीक से बनी है।

इसमें पहले से तैयार कंक्रीट के हिस्सों को मौके पर जोड़कर लगाया जाता है। सेगमेंट और गर्डर के बीच तकनीकी कनेक्शन होने से किसी हिस्से को बदलते समय आसपास के स्ट्रक्चर का ध्यान रखना पड़ता है।

गड्ढे की मरम्मत के बजाय बदला जाएगा पूरा सेगमेंट: अब नोएडा प्राधिकरण ने केवल गड्ढे की मरम्मत करने के बजाय पूरा क्षतिग्रस्त सेगमेंट बदलने का फैसला किया है। पुराने हिस्से को हटाकर नया सेगमेंट लगाया जाएगा।।मरम्मत का काम शुरू हो गया है और प्राधिकरण का लक्ष्य इसे 10 दिसंबर तक पूरा करने का है। एलिवेटेड रोड के अलग-अलग सेगमेंट के बीच लगी बेयरिंग ऊपर से आने वाले भार को सहारा देती हैं। तापमान में बदलाव से पुल के फैलने और सिकुड़ने पर ये नियंत्रित हलचल की गुंजाइश भी देती हैं। बेयरिंग कमजोर होने या ठीक से काम न करने पर संबंधित हिस्से में भार का संतुलन बिगड़ सकता है। प्रारंभिक जांच में इसी तरह की तकनीकी समस्या सामने आई है।

आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों की देखरेख में मरम्मत: आईआईटी रुड़की के इंजीनियरों की देखरेख में हो रही मरम्मत में विशेषज्ञों की सलाह पर पूरा सेगमेंट बदला जा रहा है। एलिवेटेड रोड के अन्य सेगमेंट की भी जांच कराई जा रही है, ताकि दूसरी जगह ऐसी तकनीकी खामी का पता लगाकर पूरी सड़क की मजबूती का आकलन किया जा सके।

आजम खां की रिहाई की प्रक्रिया शुरू, गाजियाबाद कोर्ट ने तय की 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की जेल से रिहाई की प्रक्रिया तेज हो गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद बुधवार को उनके अधिवक्ताओं ने गाजियाबाद की विशेष अदालत में जमानत संबंधी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए अर्जी दाखिल की। अदालत ने आजम खां की रिहाई के लिए 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें निर्धारित की हैं।

आजम खां के अधिवक्ता मोहम्मद यासिर अब्बासी ने कोर्ट परिसर के बाहर पत्रकारों को बताया कि हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद आजम खां को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। मामले में अगली सुनवाई के लिए 10 से 12 दिसंबर की तारीख निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में गाजियाबाद की विशेष अदालत में श्योरिटी फिक्सेशन के लिए अर्जी दाखिल की गई थी। अदालत ने 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें तय कर दी हैं।

अधिवक्ता यासिर अब्बासी ने बताया कि आजम खां की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और उनकी मेडिकल हिस्ट्री को देखते हुए अदालत में एक अन्य प्रार्थना पत्र भी दिया गया है। इसमें उन्हें कार्डियोलॉजिस्ट से उपचार दिलाने की आवश्यकता का हवाला दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले सेशन कोर्ट की ओर से भी कार्डियोलॉजिस्ट को दिखाने के संबंध में आदेश पारित किया गया था। इसी आधार पर अदालत से अनुरोध किया गया कि जमानतदारों के सत्यापन की प्रक्रिया लंबित रहने के दौरान भी अन्य जरूरी औपचारिकताएं पूरी होने पर आजम खां को रिहा किया जाए।

वकील के मुताबिक, अदालत ने जमानतदारों के सत्यापन की प्रक्रिया लंबित रहने के दौरान अन्य औपचारिकताएं पूरी करने की शर्त पर रिहाई की अनुमति दी है।

अधिवक्ता यासिर अब्बासी ने कहा कि बाकी कानूनी औपचारिकताएं पूरी होते ही आजम खां की रिहाई का रास्ता साफ हो सकता है। उन्होंने जल्द रिहाई की उम्मीद जताई।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ईडी की ओर से की गई गिरफ्तारी के मामले में आजम खां को अंतरिम जमानत दी थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब गाजियाबाद की विशेष अदालत में जमानत और रिहाई से जुड़ी कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

जिलाधिकारी ने जनसुविधा केंद्र सूरजपुर का निरीक्षण कर आमजन को मिल रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा



गौतमबुद्धनगर। जनसामान्य को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुगमता एवं सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ने आज सूरजपुर स्थित जनसुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र पर आम जनमानस को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं, मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र पर आने वाले जनसामान्य की सुविधा, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल तथा विभिन्न सेवाओं के संचालन की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि जनसुविधा केंद्र आमजन और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण संपर्क माध्यम हैं, इसलिए यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक को सहज एवं बेहतर अनुभव मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र संचालकों को निर्देशित किया कि केंद्र पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थित रखी जाएं तथा आमजन को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, निरीक्षण के दौरान जनसुविधा केंद्र परिसर में पर्याप्त रोशनी न होने के दृष्टिगत प्रकाश व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

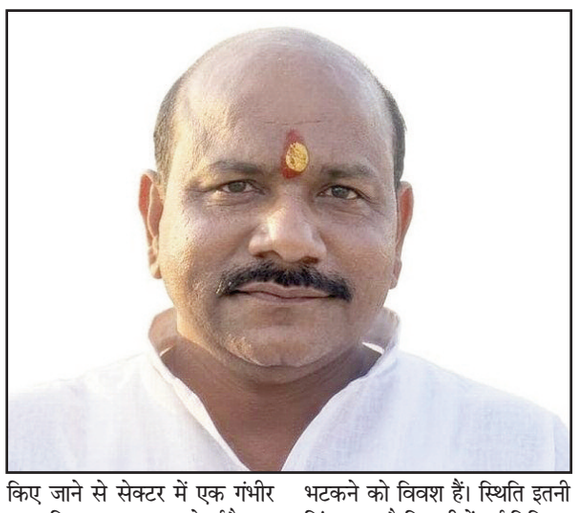
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

अनुपस्थित बीएलओ और लंबित वोटर कार्ड के मुद्दे पर हस्तक्षेप करें जिलाधिकारी : दिव्य कृष्णात्रेय

नोएडा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत एक जागरूक और सशक्त मतदाता होता है। इसी जनहितैषी सोच के साथ सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मेधा रूपम (आई.ए.एस.) को एक विस्तृत पत्र सौंपकर सेक्टर के हजारों निवासियों को मतदाता संबंधी कार्यों में हो रही गंभीर बाधाओं के त्वरित निवारण की पुरजोर मांग की है।



दिव्य कृष्णात्रेय ने अवगत कराया कि सेक्टर 105 की भाग संख्या 766 में बीएलओ श्रीमती भारती सिंह अत्यंत निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रही हैं, परंतु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सेक्टर की शेष सभी भाग संख्याओं–जहाँ सेक्टर के बहुसंख्यक निवासियों के वोट दर्ज हैं–के बीएलओ लंबे समय से लगातार अनुपस्थित चल रहे हैं। प्रशासन द्वारा इन रिक्त स्थानों पर किसी वैकल्पिक बीएलओ की नियुक्ति न किए जाने से सेक्टर में एक गंभीर प्रशासनिक शून्यता उत्पन्न हो गई है। इस अव्यवस्था के चलते हजारों नागरिक नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने, अपने विवरण में आवश्यक संशोधन कराने और मतदाता सूची से जुड़े अनिवार्य कार्यों को पूरा कराने के लिए भटकने को विवश हैं। स्थिति इतनी चिंताजनक है कि महीनों पूर्व विधिवत आवेदन करने के बावजूद अनेक निवासियों को आज तक उनके वोटर कार्ड प्राप्त नहीं हो सके हैं, जिससे आम नागरिकों और विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों में गहरा रोष व निराशा व्याप्त है।

समस्या के एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा कि निर्वाचन विभाग और आरडब्ल्यूए के बीच संवादहीनता के कारण स्थिति और भी जटिल हो गई है। जब भी कोई बीएलओ सेक्टर में अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन हेतु आते हैं, तो उनके आगमन की तिथि, समय और निर्धारित स्थान की कोई भी पूर्व सूचना आरडब्ल्यूए को नहीं दी जाती है। सूचना के इस अभाव में आरडब्ल्यूए समय रहते निवासियों को सूचित नहीं कर पाती, जिसका सीधा खामियाजा कामकाजी लोगों और बुजुर्गों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन बीएलओ के सेक्टर भ्रमण का कार्यक्रम अग्रिम रूप से आरडब्ल्यूए को उपलब्ध करा दे, तो आरडब्ल्यूए अपने संचार माध्यमों से मिनटों में यह जानकारी प्रत्येक घर तक पहुँचा सकती है।

इससे न केवल नागरिकों को अनावश्यक भटकाव से मुक्ति मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यों में भी अभूतपूर्व गति और पारदर्शिता आएगी।

दिव्य कृष्णात्रेय ने जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम के संवेदनशील, त्वरित और जनोन्मुखी नेतृत्व पर गहरा विश्वास जताते हुए अपेक्षा की है कि जनहित और लोकतांत्रिक सहभागिता को सर्वोपरि रखते हुए वे तत्काल सेक्टर 105 की शेष सभी भाग संख्याओं के लिए सक्रिय एवं वैकल्पिक बीएलओ की नियुक्ति करेंगी। साथ ही, वे महीनों से लंबित पड़े वोटर कार्डों का शीघ्र वितरण सुनिश्चित कराएंगी और भविष्य में बीएलओ के सेक्टर भ्रमण की पूर्व सूचना आरडब्ल्यूए को अनिवार्य रूप से दिए जाने की व्यवस्था लागू करेंगी। सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए की यह पहल इस विश्वास को पुष्ट करती है कि प्रशासन और नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय से ही एक सुदृढ़ और सहभागी लोकतंत्र का निर्माण संभव है।

नोएडा के सेंटर पाइंट सेक्टर-25ए में बनेगा बिजनेस पार्क



नोएडा। नोएडा में अब बड़ा बिजनेस और टेक्नोलॉजी हब विकसित करने की तैयारी है। सेक्टर-25ए में 5 लाख वर्गमीटर जमीन पर बिजनेस पार्क बनाया जाएगा। पहले चरण में 2 लाख वर्गमीटर जमीन आवंटित होगी।

यहां एआई, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और आईटी कंपनियों को जगह मिलेगी। योजना में कंपनी को जमीन के साथ 1 लाख वर्गमीटर कमर्शियल स्पेस भी दिया जाएगा, जहां मॉल और दूसरी व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जा सकेंगी। इससे नोएडा में निवेश बढ़ने और हजारों तकनीकी नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

बिजनेस पार्क में क्या-क्या होगा?

योजना जल्द लॉन्च होगी: नोएडा प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने बताया कि बिजनेस पार्क की योजना जल्द लॉन्च की जाएगी। पहले चरण में जमीन आवंटित करने के बाद अगले चरण की जमीन आवंटन प्रक्रिया शुरू होगी। परियोजना के लिए मास्टर डेवलपर का चयन प्रतिस्पर्धी ई-बिडिंग से किया जाएगा।

परियोजना DBFOT मॉडल पर विकसित होगी। इसमें डेवलपर डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण और संचालन की जिम्मेदारी निभाएगा। जमीन का मालिकाना हक नोएडा प्राधिकरण के पास रहेगा।

वेव इंफ्राटेक को आवंटित जमीन वापस मिली: सेक्टर-25ए की जमीन पहले वेव इंफ्राटेक को आवंटित की गई थी। कंपनी ने पीएसपी पॉलिसी के तहत जमीन प्राधिकरण को वापस कर दी थी। अब नोएडा प्राधिकरण इस जमीन का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए बिजनेस पार्क विकसित करने की योजना बना रहा है।

इस परियोजना से नोएडा में आईटी और टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए नया ठिकाना तैयार होगा। साथ ही निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

नोएडा एयरपोर्ट तक सड़क किनारे हरियाली बढ़ेगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के मुख्य सेक्टरों को जोड़ने वाली 60 मीटर सड़क सिर्फ आवागमन का माध्यम नहीं होगा, बल्कि इसे दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी है। सड़क के दोनों तरफ हरियाली और लैंडस्केपिंग समेत सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। यमुना प्राधिकरण ने सड़क के आसपास होने वाले इन विकास कार्यों के लिए एस्टिमेट तैयार कर लिया है। सड़कों आकर्षक बनाने के लिए जल्द टेंडर निकाला जाएगा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के एक अधिकारी ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट के कारण यमुना सिटी की अंतरराष्ट्रीय पहचान बनी है। 60 मीटर सड़क शहर के मुख्य सेक्टरों को जोड़ने के साथ साथ ग्रेटर नोएडा से एयरपोर्ट तक की सीधी कनेक्टिविटी देती है। यमुना क्षेत्र में गलगोटिया के पास से एयरपोर्ट तक इसकी लंबाई करीब 33 किलोमीटर है। ऐसे में इस सड़क को नई पहचान देने की योजना तैयार की गई है। इस 33 किलोमीटर लंबी सड़क पर विशेष प्रजाति के फूल, पेड़-पौधे, आकर्षक लैंडस्केपिंग, जगह जगह वाटर बॉडी व संस्कृतिक कला को उतारा जाएगा, ताकि सड़क से सफर करने वाले देश विदेश के लोगों को अलग अनुभव हो सके। सड़क किनारे पाथवे से लेकर से लॉन, एंट्री एरिया प्लाजा, फ्लॉवर व प्लांटिंग बेड जैसी आकर्षक सुविधाएं विकसित की जाएगी। इसके अलावा सड़क के सेंट्रल वर्ज पर विशेष प्रजाति के पौधे लगेंगे, जो वाहन चालकों को अलग ही अनुभव प्रदान करेंगे। यह साज सज्जा व आकर्षक सुंदरता नोएडा एयरपोर्ट तक ही विकसित की जाएगी, ताकि जब यात्री एयरपोर्ट जाए या फिर वहां से शहर में प्रवेश करें तो उन्हें सुंदरता का अनुभव हो सके।

तेजी से निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा: 60 मीटर सड़क यमुना सिटी की मुख्य सड़क हैं। इसी सड़क के किनारे शहर के सबसे अधिक सेक्टर बसें हुए हैं। यह सड़क ग्रेटर नोएडा से शुरू होकर जीबीयू, गलगोटिया, के सामने से होते हुए यमुना सिटी के सेक्टर-18 व 20 के सामने से होती हुई एयरपोर्ट तक जाती है।

रजत विहार में आंवला नवमी पर महिलाओं ने किया सामूहिक पूजन

नोएडा। आधुनिकता और हाईटेक जीवनशैली के लिए पहचाने जाने वाले नोएडा शहर में आज भी भारतीय संस्कृति, सभ्यता और पारंपरिक रीति-रिवाजों की सुंदर झलक देखने को मिलती है। इसका उदाहरण सेक्टर-62 स्थित रजत विहार में आंवला नवमी के पावन अवसर पर देखने को मिला, जहां कार्तिक स्नान कर रही महिलाओं ने पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ अपनी परंपराओं का निर्वहन किया।



पिछले कई दिनों से कार्तिक स्नान कर रही महिलाएं प्रतिदिन सुबह लगभग 4 बजे उठकर मंदिर परिसर में स्थित आंवले के पेड़ के नीचे एकत्रित होती हैं। यहां महिलाएं कार्तिक मास की कथा सुनती हैं तथा भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना करती हैं।

इसी क्रम में आज आंवला नवमी के अवसर पर सभी महिलाओं ने अपने-अपने घरों से पारंपरिक भोजन बनाकर लाया। मंदिर में भगवान को भोग लगाने तथा भजन-कीर्तन करने के बाद सभी महिलाएं आंवले के पेड़ के नीचे एक साथ बैठीं और परिवार की तरह सामूहिक रूप से भोजन प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कार्तिक मास का स्नान एवं धार्मिक अनुष्ठान करने वाली महिलाओं में अंजना शर्मा, नीता शर्मा, कंचन राजपूत, नीतू झा, नीलम चौहान, चंपा देवी, गीतु सिंह एवं विमला नेगी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

वहीं सोसाइटी की अनेक वरिष्ठ एवं बुजुर्ग महिलाओं ने भी इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इनमें हेमलता राजपूत, गीता तिवारी, सरोज शर्मा एवं सरला गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि भले ही नोएडा जैसे आधुनिक और हाईटेक शहर में जीवनशैली बदल रही हो, लेकिन रजत विहार सेक्टर-62 में आज भी हमारी धार्मिक परंपराएं, संस्कार और सांस्कृतिक विरासत पूरी श्रद्धा के साथ जीवित हैं। यहां सभी पीढ़ियों की महिलाएं मिलकर इन परंपराओं को निभा रही हैं और आने वाली पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही हैं।

रजत विहार की यही विशेषता है कि यहां आधुनिकता के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, आपसी प्रेम, पारिवारिक एकता और परंपराओं का भी पूरा सम्मान किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

शाहबेरी गांव में मकान में लगी भीषण आग, दो लोग गंभीर रूप से झुलसे

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख क्षेत्र के यूसूफपुर चक शाहबेरी गांव में बुधवार सुबह एक मकान के अंदर भीषण आग भड़क उठी। इस हादसे की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। आग लगने की सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव कार्य शुरू किया गया। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों झुलसे हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। दमकल कर्मियों ने दोनों को रेस्क्यू करने के बाद उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की छह गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया।मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि घटनास्थल घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था। इसी वजह से आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। फिलहाल आग पूरी तरह बुझने के बाद कूलिंग डाउन की प्रक्रिया जारी है।

पेड़ से बाइक टकराने पर कंपनीकर्मी की मौत

नोएडा। सेक्टर-63 में मंगलवार रात अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार कंपनीकर्मी की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि 24 वर्षीय विशाल प्रताप सिंह मूलरूप से जिला अमरोहा की आवास विकास कॉलोनी के रहने वाले थे। वह नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। वह मंगलवार रात बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी सेक्टर-63 के ए ब्लॉक में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। शिकायत मिलने पर जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थानों में लंबे समय से तैनात पुलिसकर्मियों को लाइन भेजा

नोएडा। सेंट्रल नोएडा जोन के थानों में लंबे समय से तैनात नौ पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन में भेज दिया गया। इनमें आरक्षी और मुख्य आरक्षी शामिल हैं। डीसीपी ने कानून व्यवस्था सुधारने के लिए बुधवार को यह कार्रवाई की।

जानकारी के मुताबिक जोन स्तर पर गठित पुलिस स्थापना बोर्ड की बुधवार को बैठक हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय हुआ कि कानून व्यवस्था बेहतर करने के लिए लंबे समय से थानों में जमे आरक्षी और मुख्य आरक्षी को लाइन भेजा जाए। इनमें सूरजपुर थाने में तैनात मुख्य आरक्षी संदीप पंवार, सेक्टर इकोटेक-3 थाने में तैनात मुख्य आरक्षी रवि कुमार, मुख्य आरक्षी अमन बैंसला, फेज-2 थाने में तैनात मुख्य आरक्षी प्रवेश कुमार, बिसरख थाने में तैनात आरक्षी शिवांक ढालिया, कपिल डबास, बादलपुर थाने में तैनात आरक्षी पंकज कुमार, सेक्टर-142 थाने में तैनात आरक्षी सुमित बैंसला और फेज-3 थाने में तैनात आरक्षी सचिन कुमार शामिल हैं।

बता दें कि कमिश्नरेट में कानून व्यवस्था बेहतर करने के लिए लगातार पुलिसकर्मियों के कार्य क्षेत्र बदले जा रहे हैं।

सड़क किनारे श्रमिक का शव मिला

नोएडा। वाजिदपुर टी प्वाइंट के पास सड़क किनारे लोगों को श्रमिक का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस ने बताया कि मूलरूप से मध्य प्रदेश के जिला दमोह निवासी 26 वर्षीय गोलू वाजिदपुर गांव में रहता था। वह यहां रहकर मजदूरी करता था। वह परिजनों से कभी-कभी संपर्क करता था। सोमवार शाम उसका शव सेक्टर-168 चौकी क्षेत्र में वाजिदपुर टी प्वाइंट के पास मिला। उसके शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले। इसके चलते हत्या की आशंका नहीं है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि गोलू को टीबी थी। इसके चलते वह शारीरिक रूप से काफी कमजोर हो गया था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। परिजन ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

पैदल जा रहे इलेक्ट्रीशियन पर धारदार हथियार से हमला

नोएडा। सेक्टर-62 में सोमवार रात एक बार फिर बाइक सवार सिरफिरे ने पैदल जा रहे इलेक्ट्रीशियन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला आंबेडकर नगर के पृथ्वीपुर गांव निवासी हिमांशु मौर्य ने पुलिस को बताया कि वह गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में किराये पर रहते हैं। वह सेक्टर-62 स्थित गैलेक्सी एंबेसी में बतौर इलेक्ट्रीशियन काम करते हैं। वह 16 नवंबर की रात ड्यूटी करने के लिए खोड़ा से जा रहे थे। जैसे ही वह यूकेजी बिल्डिंग के पास पहुंचे तो पीछे से एक बाइक पर सवार होकर युवक आया। उसने धारदार हथियार बगल में मार दिया। हमला करने के बाद बाइक सवार भाग गया। लहूलुहान हालत में वह जमीन पर गिर गए। उन्हें स्थानीय लोगों ने फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है।पीड़ित का कहना है कि उन्होंने हमला करने वाली की बाइक का नंबर देख लिया था, लेकिन वह उसका चेहरा नहीं देख पाए। वहीं, थाना क्षेत्र में कुछ माह पहले एक सिरफिरे स्कूटी सवार युवक ने कैंची से हमला करके दो लड़कियों को घायल कर दिया था। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश—आज ही अपने अधीनस्थ सभी कार्मिकों की स्वगणना कराएं

नोएडा। जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जनगणना-2027 की प्रगति की समीक्षा हेतु कलेक्ट्रेट के सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वगणना की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।



जिलाधिकारी ने प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को ड्यूटी आवंटित कराने में हो रही देरी पर चार्ज अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि जनगणना ड्यूटी ग्रहण न करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की जाए। साथ ही, जनगणना कार्य में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने वाले कार्मिकों के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आज ही अपने अधीनस्थ कार्यालयों में कार्यरत समस्त कार्मिकों की स्वगणना पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही, जिन कार्मिकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाई गई है, उन्हें निर्देशित किया जाए कि वे अपने आवंटित क्षेत्रों में परिवारों से संपर्क स्थापित कर अधिक से अधिक परिवारों की स्वगणना सुनिश्चित कराएं, ताकि जनपद में स्वगणना अभियान की प्रगति में तेजी लाई जा सके।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए स्वगणना अभियान की प्रगति में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी/अपर प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, एडीसीपी क्राइम आर.के गौतम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला जनगणना अधिकारी अजीत सिंह, ओएसडी नोएडा इंदु प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला विकास अधिकारी/परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी परवेज अली, जिला प्रभारी जनगणना प्रदीप कुमार एवं सम्बंधित चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

भूखंड बेचने से मना करने पर कैप्टन के पिता और भाई से मारपीट

नोएडा। भूखंड बेचने से मना करने पर सेना में कैप्टन के पिता और भाई से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी बयाना राशि के पचास हजार रुपये के बदले जबरन एग्रीमेंट पर साइन करने और पांच लाख रुपये वापस करने की मांग कर रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। सूरजपुर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर ओमीक्रोन वन में रकम सिंह परिवार के साथ रहते हैं। रकम सिंह का बेटा सेना में कैप्टन है। रकम सिंह ने पुलिस को बताया कि तिलपता स्थित संतोष नगर कॉलोनी में उनका 150 गज का एक भूखंड है।

आरोप है कि 27 सितंबर को तिलपता निवासी अक्षय भाटी ने भूखंड खरीदने के लिए उनसे संपर्क किया। अक्षय भाटी 28 सितंबर को एक अन्य व्यक्ति के साथ उनके घर पहुंचा और भूखंड का सौदा करने की बात कही। इस दौरान 50 हजार रुपये बयाना राशि के रूप में दिए गए। पीड़ित का कहना है कि भूखंड का बयाना देते समय उन्होंने कहा था कि वह अपने बेटे से बात करेंगे। इसके बाद बयाना लेंगे, लेकिन आरोपी ने जबरन बयाना दिया और कहा कि बेटे के मना करने पर बयाना राशि वापस कर देना। पीड़ित के बेटे ने भूखंड बेचने से मना कर दिया। इसके बाद पीड़ित अपने दूसरे बेटे के साथ आरोपी के बयाना के रुपये वापस करने उनके कार्यालय गए थे। इस बीच आरोपी पक्ष ने पचास हजार के बदले पांच लाख रुपये देने और जबरन एग्रीमेंट पर साइन कराने का प्रयास किया। वह किसी तरह वहां से भाग आए। इसके बाद 15 नवंबर को पीड़ित अपने बेटे के साथ भूखंड पर काम कराने पहुंचे तो अक्षय, आदित्य, अविनाश, मनेंद्र, भरती सिंह, प्रेम सिंह आदि ने उनके साथ मारपीट की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया गया है।

पंजाबी विकास मंच ने युवराज मेहता प्रकरण में उठाई न्याय की मांग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-150 में युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मृत्यु के मामले में न्याय एवं प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आज दिनांक 17 नवंबर 2026 को पंजाबी विकास मंच के पदाधिकारियों एवं पंजाबी समुदाय के विशिष्ट नागरिकों ने दर्जा प्राप्त मंत्री कैप्टेन विकास गुप्ता जी से उनके आवास पर मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उनसे अनुरोध किया कि वे माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी तक मंच की याचिका पहुंचाकर इस गंभीर प्रकरण में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करवाएं।

उल्लेखनीय है कि 16 जनवरी की रात सेक्टर-150, नोएडा में निर्माणाधीन स्थल पर खोदे गए पानी से भरे गहरे गड्ढे में एक कार गिर जाने के कारण युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर श्री युवराज मेहता की दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। इस हृदयविदारक घटना ने न केवल एक परिवार को अपूरणीय क्षति पहुंचाई, बल्कि निर्माण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक निगरानी और आपातकालीन सेवाओं की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

मंच का कहना है कि इतनी गंभीर घटना के बावजूद अब तक अपेक्षित प्रभावी कार्रवाई और जवाबदेही सामने नहीं आई है। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर पारदर्शिता और ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी से पंजाबी विकास मंच की प्रमुख मांगें हैं–

जिला प्रशासन एवं अग्निशमन विभाग की प्रथमदृष्टया गंभीर विफलताओं के संबंध में जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम, मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री प्रदीप कुमार चौबे तथा अन्य उत्तरदायी अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष



जांच कर नियमानुसार कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

इस प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए, ताकि घटना के वास्तविक तथ्यों और जिम्मेदारियों को लेकर पारदर्शिता बनी रहे।

मंच का स्पष्ट मत है कि किसी भी नागरिक की जान की कीमत पर प्रशासनिक लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह केवल एक परिवार को न्याय दिलाने का विषय नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रश्न है।

इस अवसर पर पंजाबी विकास मंच के पदाधिकारी एवं पंजाबी समुदाय के विशिष्ट नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से जे.एम. सेठ, गुरिंदर बंसल, अजय साहनी, संजय खत्री, अंजना भागी, कर्नल ए.के. तारा (वीर चक्र, 1971 युद्ध), मेजर सोहन सिंह बग्गा, हेमंत डोगरा, वी. सहगल एवं दिनेश कुमार शामिल थे। पंजाबी विकास मंच ने एक स्वर में मांग की कि युवराज मेहता को न्याय मिले, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी असहनीय त्रासदी का सामना न करना पड़े।

न्याय में देरी, न्याय के उद्देश्य को कमजोर करती है।

न्याय में देरी, न्याय के उद्देश्य को कमजोर करती है।

संक्षिप्त समाचार

नीट, यूजी 2026 पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 14 आरोपियों पर तय किए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बहुचर्चित नीट यूजी



2026 पेपर लीक मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए 14 आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को आगामी 21 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने का सख्त निर्देश दिया है, जिस दिन उनके खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए जाएंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस केस की रोजाना (डे-टू-डे) सुनवाई 25 नवंबर से शुरू की जाएगी, ताकि ट्रायल को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अदालत में 20,000 पन्नों की एक विस्तृत चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले जांच एजेंसी ने जुलाई महीने में अपनी पहली चार्जशीट पेश की थी, जिस पर अदालत ने 12 अगस्त को संज्ञान लिया था। अदालत के इस कड़े रुख और रोजाना सुनवाई के फैसले के बाद अब इस मामले के दोषियों को जल्द सजा मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

सिर्फ शक के आधार पर जज पर नहीं लगा सकते पक्षपात का आरोप

नई दिल्ली, एजजेंसी। महज संदेह या आशंका के



आधार पर किसी न्यायिक अधिकारी पर पक्षपात का आरोप लगाकर मामले की सुनवाई दूसरी अदालत में स्थानांतरित नहीं कराई जा सकती। पटियाला हाउस स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार दहिया की अदालत ने 52 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी के मामले में सुनवाई स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि बिना किसी ठोस आधार के न्यायिक अधिकारी पर पक्षपात का आरोप लगाने से न्यायिक व्यवस्था के स्वतंत्र और निष्पक्ष कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

गोवंश संरक्षण की हुंकार, चंदी पार्क में गोहत्या को लेकर उठी कानून बनाने की मांग

नईदिल्ली, एजेंसी। चंदू पार्क स्थित सिद्ध पीठ श्री सीताराम संत सेवा मंदिर एवं गोशाला में मंगलवार को गोपाष्टमी महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महामंडलेश्वर राम गोविंद दास महात्यागी के पावन सानिध्य में गो भक्तों ने विधि-विधान से गौ माता की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि के साथ राष्ट्र कल्याण की कामना की। महामंडलेश्वर ने गोपाष्टमी के धार्मिक महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी से गायों को चराने और उनकी सेवा की शुरुआत की थी। गो सेवा से आत्मिक शांति मिलने के साथ घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। उन्होंने प्रत्येक जीव के प्रति सम्मान और सेवा भाव रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर गो भक्तों ने दूध की लगातार बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से दूध पर सब्सिडी योजना लागू करने की मांग की, ताकि गरीब परिवारों के बच्चों को भी पर्याप्त दूध मिल सके और उनके हिस्से से दूध की प्याली न छिने। इसके साथ ही गोहत्या पर रोक लगाने के लिए पूरे देश में केंद्रीय कानून लागू करने की मांग भी उठाई गई। कार्यक्रम में दिल्ली नगर निगम पूर्वी जोन के डिप्टी चेयरमैन राजू सचदेवा, भाजपा नेता राजीव शर्मा, विपिन जैन, राजेश शर्मा, राजेश्वर भारद्वाज सहित बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित रहे।

दिल्ली में क्यों नहीं थम रहा इमारतों के ढहने का सिलसिला 6 महीने में 7 बड़े हादसे, 30 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जर्जर और अवैध निर्माणों के ढहने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला मंगलवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित ज्वाला नगर का है।

जहां रेलवे लाइन के पास बना एक 40 साल पुराना दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मलबे में दबने से 3 साल के मासूम देवांश और 35 वर्षीय पिंटू की मौत हो गई, जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

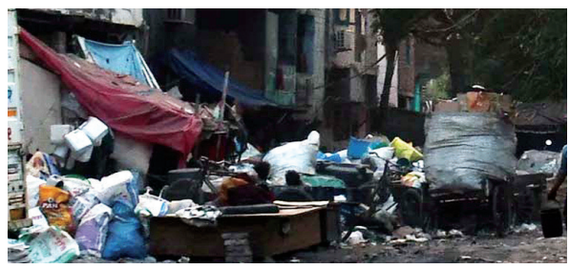
इस हादसे ने एक बार फिर उस कड़वे सच को सामने ला दिया है कि राजधानी में प्रशासनिक अनदेखी, मरम्मत का अभाव और अवैध कब्जे किस तरह लोगों की जान ले रहे हैं। जर्जर इमारतों की अनदेखी और मरम्मत का अभाव- ज्वाला नगर में ढहा मकान करीब 40 साल पुराना था। डीएम अजय कुमार के मुताबिक, मकान मालिक ने लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं करवाई थी। कम पैसे में ज्यादा किराया कमाने के लालच में मकान मालिक इमारतों की मजबूती पर ध्यान नहीं देते। इस परिसर में 700 गज जमीन पर 30 कमरे बने थे, जिनमें 70 किरायेदार जान जोखिम में डालकर रह रहे थे। सरकारी एजेंसियों के रिकॉर्ड से बाहर खतरनाक इमारतें- उत्तर पूर्वी निगम जोन के चेयरमैन पंकज



लूथरा ने स्वीकार किया कि यह इमारत निगम की खतरनाक भवनों की सूची में शामिल ही नहीं थी। यानी सर्वे के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है और जर्जर इमारतें प्रशासन की नजर से बची रहती हैं। अवैध निर्माण और सरकारी जमीन पर कब्जा- जांच में सामने आया है कि यह मकान रेलवे की जमीन पर बना था। रेलवे ट्रैक के बिल्कुल करीब होने के कारण ट्रेन गुजरने से होने वाले तेज कंपन ने कमजोर हो चुकी इमारत की नींव हिला दी। दिल्ली के कई इलाकों में नियमों को ताक पर रखकर बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। हादसे के बाद ही जागता है प्रशासन- हर बड़े हादसे के बाद जांच के आदेश दिए जाते हैं, एफआईआर दर्ज होती है (जैसा इस मामले में मालिक सुरेंद्र सिंह के खिलाफ हुआ) और आसपास की इमारतों को खाली कराने की बात कही जाती है। लेकिन कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है और अगला हादसा हो जाता है। ज्वाला नगर की घटना कोई इकलौता मामला नहीं है। साल 2026 के बीते कुछ महीनों का रिकॉर्ड बताता है कि दिल्ली में इमारतें गिरना एक आम और जानलेवा समस्या बन चुकी है... 15 नवंबर 2026- पहाड़गंज में एक होटल का लेंटर गिरने से 8 लोग घायल हुए। 4 नवंबर 2026- चावड़ी बाजार में निर्माणाधीन तीन मंजिला मकान गिरने से 7 लोगों की जान गई।

दिल्ली के ज्वाला नगर में हादसे को दावत दे रहे अवैध निर्माण, हर पल मंडरा रहा मौत का खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। रेलवे लाइन पर ट्रेन गुजरती है, तो ज्वाला नगर में मकान ही नहीं, उनमें रहने वाले सैकड़ों परिवारों की जिंदगी भी कांप उठती है। हर दिन सुबह से शाम तक यही सिलसिला चलता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं टूटती। रेलवे और सरकारी जमीन पर पिछले 25 से 30 साल में धीरे-धीरे पूरी अवैध कॉलोनी बस गई और इसका दायरा लगातार बढ़ता चला गया। हैरानी यह है कि इतने वर्षों में न रेलवे अधिकारियों ने अतिक्रमण रोकने की सुध ली और न ही नगर निगम ने जर्जर निर्माणों की जांच कर कोई ठोस कार्रवाई की। अब एक इमारत ढहने के बाद कार्रवाई के दावे तो किए जा रहे हैं, लेकिन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी, इसका जवाब किसी के पास नहीं।



दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत, हवा साफ होते ही हटी ग्रेप-3 की पाबंदियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में सुधार के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे चरण की पाबंदियां तत्काल प्रभाव से हटा दी हैं।मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में आयोग की उप समिति ने यह फैसला लिया। हालांकि, प्रदूषण का स्तर अभी भी खराब श्रेणी में है, इसलिए ग्रेप के पहले और दूसरे चरण के उपाय जारी रहेंगे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई 204 दर्ज किया गया। एनसीआर के शहरों के एक्यूआई में भी कमी दर्ज हुई। प्रदूषण के स्तर में आई गिरावट को देखते हुए सीएक्यूएम ने ग्रेप-3 हटाने का निर्णय लिया। इससे दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर लगी रोक हटेगी, ये ऐसे वाहनों के लिए है, जो दिल्ली में पंजीकृत हैं। साथ ही पांचवीं तक की कक्षाओं के लिए हाइब्रिड पढ़ाई जैसे प्रतिबंधों से राहत मिलेगी। हालांकि 30 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत पांच से 20 नवंबर तक लागू विशेष पाबंदियां भी जारी रहेंगी। इसके तहत छूट प्राप्त परियोजनाओं को छोड़कर निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर रोक रहेगी। दिल्ली और आसपास के जिलों में सरकारी और निजी कार्यालयों में अधिकतम 50 प्रतिशत कर्मचारियों की भौतिक उपस्थिति का निर्देश भी लागू रहेगा। दिल्ली सरकार की ओर से बीएस-6 से नीचे के बाहरी वाहनों की दिल्ली में एंट्री पर लगाई गई रोक सहित अन्य अतिरिक्त प्रतिबंध भी जारी रहेंगे। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण से जूझ रहे लोगों को मंगलवार को कुछ राहत मिली। अनुकूल मौसमी परिस्थितियों के चलते दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) नवंबर में पहली बार घटकर 204 पर पहुंच गया। यह इस माह का अब तक का सबसे कम प्रदूषण स्तर है। बुधवार और बृहस्पतिवार को हवा फिर बहुत खराब श्रेणी में पहुंचने का अनुमान जताया है। मंगलवार को उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से चली हवाओं ने प्रदूषकों को फैलाने में मदद की।

दादा के खाते से पोते ने उड़ाए 29.50 लाख; कार खरीदकर दोस्तों के साथ नोएडा, मनाली और नैनीताल में की पार्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। जिस पोते पर बुजुर्ग दादा को बुढ़ापे में सहारा देने की जिम्मेदारी थी, उसी ने दोस्त के साथ मिलकर उनके बैंक खाते से 29.50 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित 87 वर्षीय बुजुर्ग भारतीय नौसेना से सेवानिवृत्त हैं।

आरोप है कि पोते ने दादा के बैंक खाते से जुड़ी जानकारी और मोबाइल नंबर का दुरुपयोग कर दोस्त के साथ मिलकर अप्रैल से अक्टूबर 2026 के बीच ठगी की। पूर्वी जिला साइबर थाना पुलिस ने पोते समेत दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों ने ठगी की रकम से महंगी सैर-सपाटा, पार्टियां और मौज-मस्ती की। पुलिस ने ठगी की रकम से खरीदी गई एक पोलो कार और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

जांच में कुल 29,50,892 रुपये की ठगी का खुलासा: पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि अश्वनी राघव की शिकायत पर साइबर थाना पूर्वी जिले में ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि उनके 87 वर्षीय पिता जगदीश सिंह के बैंक खाते से अप्रैल से अक्टूबर के बीच संदिग्ध तरीके से रकम निकाली गई। जांच में कुल 29,50,892 रुपये की ठगी का पता चला।

बुलंदशहर में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार किया

इंस्पेक्टर पवन यादव, एसएचओ साइबर थाना पूर्वी के नेतृत्व में एएसआई शिव कुमार, हेड कांस्टेबल अनुराग और योगेश की टीम ने बैंक खातों, केवाईसी दस्तावेजों और लेनदेन



की जांच की। पता चला कि 9,26,892 रुपये अभिषेक राघव के इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक खाते में और 20,24,000 रुपये तुषार चौधरी के पंजाब नेशनल बैंक खाते में भेजे गए थे। पुलिस ने बुलंदशहर में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

नोएडा में दोस्तों के साथ पार्टियां भी कीं: पूछताछ में सामने आया कि 22 वर्षीय अभिषेक शिकायतकर्ता का बेटा और बुजुर्ग का पोता है। वह खुर्जा से बीए-एलएलबी कर रहा है। आरोप है कि उसने अपने दोस्त 22 वर्षीय तुषार के साथ मिलकर ठगी की साजिश रची। तुषार खुर्जा से नर्सिंग का कोर्स कर रहा है। जांच में पता चला कि आरोपितों ने ठगी की रकम से मनाली, नैनीताल और ओडिशा की यात्राएं कीं। नोएडा में दोस्तों के साथ पार्टियां भी कीं।

इसके अलावा 2.75 लाख रुपये में पोलो कार खरीदी और उसमें 1.25 लाख रुपये का म्यूजिक सिस्टम लगवाया। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। पुलिस अब ठगी की बची हुई रकम और अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

सीईसी के खिलाफ प्रदर्शन में माइक-कैमरा लेकर पहुंचे लोग पत्रकार थे या कंटेंट क्रिएटर? सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस का तर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शनों की कवरेज को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले दिल्ली पुलिस ने अपना हलफनामा दाखिल कर दिया है। पुलिस ने मीडिया संगठनों की तरफ से लगाए गए तमाम आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए ग्राउंड जीरो की व्यावहारिक मुश्किलों का भी जिक्र किया है। बुधवार को इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है।

क्यों अस्वीकृत किया गया प्रदर्शन?: दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा कि 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पिछले शांतिपूर्ण प्रदर्शन के वादों का पालन न करने और खुफिया जानकारी के आधार पर अस्वीकृत की गई थी। खुफिया इनपुट्स में संभावित खतरनाक स्थिति और गंभीर सार्वजनिक व्यवस्था की समस्या का संकेत था।

आयुक्त ने कहा, दिल्ली पुलिस द्वारा समय पर, आनुपातिक और कानूनी उपायों से 10 अक्टूबर को बड़ी सार्वजनिक व्यवस्था की स्थिति टाली गई। उन्होंने बताया कि सभी



प्रदर्शनकारियों (राजनेताओं सहित) को जंतर-मंतर से हटाया गया, लेकिन उन्हें न तो हिरासत में लिया गया और न ही गिरफ्तार किया गया। उन्हें अस्थायी केंद्रों या थानों में एसएचओ के कमरे में रखा गया और रिफ्रेशमेंट दिए गए।

पुलिस ने कहा कि राजधानी में सार्वजनिक व्यवस्था भंग की अनुमति नहीं दी जा सकती। खासकर, जब संगठन का हालिया इतिहास भीड़ हिंसा, संपत्ति क्षति और चोटों का हो। कांग्रेस के 6, 7 और 8 अक्टूबर के प्रदर्शनों का भी जिक्र किया गया। पत्रकारों के संबंध में पुलिस ने स्पष्ट किया कि अदालत के 11 अक्टूबर के आदेश का पालन किया गया और किसी पत्रकार के काम में बाधा नहीं डाली गई। हालांकि रील-मेकर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को पत्रकारों के समान स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। कैमरा-माइक वाले कुछ लोग व्यावसायिक या अन्य उद्देश्यों से प्रदर्शनकारियों के साथ घुले-मिले थे।

पत्रकारों और रील बनाने वालों में फर्क करना मुश्किल- पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि प्रदर्शन के दौरान कई लोग कैमरा और माइक लेकर मौजूद थे, जो सोशल मीडिया के लिए वीडियो और रील बना रहे थे। पुलिस के लिए असली पत्रकारों और इन कंटेंट क्रिएटर्स के बीच मौके पर अंतर करना चुनौती बन गया था। सिर्फ माइक और कैमरा होना पत्रकारिता नहीं- पुलिस ने यह सवाल उठाया है कि क्या सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने वालों को भी पत्रकारों का दर्जा दिया जा सकता है? हालांकि, पुलिस का यह भी कहना है कि उनका मकसद क्रिएटर्स के काम में रुकावट डालना नहीं था, बल्कि वे सिर्फ मैदानी हालात को स्पष्ट कर रहे थे। पहचान को लेकर हुई भ्रम की स्थिति- पुलिस के मुताबिक, भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान जिन लोगों को गलती से हटा दिया गया था, उनकी पहचान स्पष्ट होते ही उन्हें तुरंत छोड़ दिया गया था। किसी भी पत्रकार का कैमरा या उपकरण जब्त नहीं किया गया है। महिला पत्रकारों के उत्पीड़न के आरोपों पर सफाई- जंतर-मंतर के पास कवरेज कर रही महिला पत्रकारों की शिकायतों पर पुलिस ने कहा कि क्राइम ब्रांच ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

दिल्ली कैबिनेट की बैठक ट्रांसजेंडर समुदाय को 'आयुष्मान भारत' योजना के दायरे में लाने की मिली स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में अहम फैसला लिया है. मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में ट्रांसजेंडर समुदाय को 'आयुष्मान भारत' योजना के दायरे में शामिल करने के प्रस्ताव को आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है. इस ऐतिहासिक फैसले से दिल्ली के पात्र ट्रांसजेंडर लाभार्थियों और उनके परिवारों को प्रतिवर्ष 10 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवर मिलने का मार्ग प्रशस्त हो गया है. कैबिनेट बैठक के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का मुख्य संकल्प यह सुनिश्चित करना है कि समाज का कोई भी वर्ग आर्थिक या सामाजिक बाधाओं के कारण बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे. उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को गंभीर बीमारियों के इलाज के दौरान होने वाले भारी-भरकम खर्च से राहत दिलाना और उन्हें पूर्ण आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है. सरकार का यह भी प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाओं में इस समुदाय के प्रति किसी भी प्रकार का भेदभाव समाप्त हो और हर नागरिक को सम्मानजनक उपचार मिल सके. इस योजना के तहत पात्र ट्रांसजेंडर लाभार्थियों के परिवारों को सालाना 10 लाख रुपये तक का व्यापक स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाएगा. इसमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता वाली गंभीर बीमारियों के इलाज शामिल हैं. लाभार्थी देशभर में आयुष्मान भारत योजना से जुड़े सूचीबद्ध अस्पतालों में 27 प्रमुख चिकित्सा विशेषज्ञताओं के अंतर्गत 1,961 विभिन्न उपचार पैकेजों और प्रक्रियाओं का लाभ कैशलेस रूप से उठा सकेंगे. खास बात यह है कि इस 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य कवर में केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाला 5 लाख रुपये का मानक कवर और दिल्ली सरकार द्वारा जोड़ा गया 5 लाख रुपये का अतिरिक्त कवर शामिल है. दिल्ली सरकार की ओर से इस योजना के तहत राजधानी के लगभग 5,656 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को संभावित लाभार्थी के रूप में चिह्नित किया गया है. यह आंकड़ा वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 2026 के लिए अनुमानित किया गया है. लाभार्थियों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने के लिए पहचान दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग की प्रमाणित सूची से की जाएगी.

दिल्ली-एनसीआर में पीयूसीसी पर सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए नो पीयूसीसी, नो फ्यूल नियम को सख्ती से लागू कर दिया गया है। किसी भी वाहन को बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र के फ्यूल न देने का आदेश दिया है। दिल्ली में पीयूसी प्रमाणपत्र के बिना फ्यूल लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए इस दस्तावेज को अपने पास रखें और अगर आपका प्रमाण पत्र खो गया हो तो उसे तुरंत ऑनलाइन डाउनलोड करें। परिवहन विभाग द्वारा दिए जाने वाला एक प्रमाण पत्र होता है जो यह प्रमाणित करता है कि आपकी गाड़ी सरकार द्वारा तय किए गए सभी प्रदूषण मानकों पर खड़ा उतरता है। अगर आम भाषा में समझें तो यह आपकी गाड़ी के स्वास्थ्य के बारे में बताता है। जिसका मतलब यह है कि आपकी गाड़ी सड़क पर निकलने के लिए स्वस्थ्य है या नहीं? कहीं आपकी गाड़ी से निकलने वाला धुआं पर्यावरण को नुकसान तो नहीं पहुंचा रहा? इसलिए अगर आपके पास यह प्रमाण पत्र न हो तो

जानें ऑनलाइन पीयूसीसीडाउनलोड करने का सबसे आसान तरीका



तुरंत बनवा ले और अगर होते हुए भी मिल न रहा हो तो इसे आसान तरीके से ऑनलाइन डॉउनलोड कर लें।

पीयूसीसी कैसे करें डाउनलोड: प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र को ऑनलाइन डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले परिवहन सेवा के पीयूसी पोर्टल पर जाएं। पेज खुलने के बाद ऑनलाइन सर्विस पर क्लिक करें और फिर वहां पर पीयूसी सर्टिफिकेट को चुनें। पेज खुलने पर आप अपने गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज करें। ध्यान रहे यहां पर कोई जगह खाली न हो। इसके बाद आप अपने गाड़ी के चेसिस नंबर के अंतिम 5 अंकों को दर्ज करें। इसके बाद स्क्रीन पर नजर आ रहा कैप्चा को भी ध्यान से भरें।

नौकरी के लिए भेजा एक ई-मेल मिला 45 लाख रुपये का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अच्छी नौकरी पाने के लिए अब सिर्फ जॉब पोर्टल पर आवेदन करना ही एकमात्र रास्ता नहीं है। कंपनियों के संस्थापकों और भर्ती प्रबंधकों को सीधे ई-मेल भेजकर भी लाखों रुपये सालाना का नौकरी प्रस्ताव हासिल किया जा सकता है। मनीकंट्रोल के मुताबिक, रेडिट पर एक गैर-तकनीकी पेशेवर ने दावा किया है कि इस तरीके से उसे 45 लाख रुपये सालाना तक का नौकरी प्रस्ताव मिला। उसने बताया कि उसे करीब-करीब हर नौकरी सीधे ई-मेल के जरिये ही मिली।

कंपनी को बताएं, आप क्यों हैं सही उम्मीदवार : इस पेशेवर ने नौकरी तलाशने वालों को सलाह दी कि वे कंपनी के संस्थापक या भर्ती प्रबंधक को व्यक्तिगत ई-मेल भेजें। इसमें अपना परिचय, अनुभव और प्रमुख कौशल संक्षेप में बताएं। साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि संबंधित कंपनी में काम करने में उनकी रुचि क्यों है और वे किस पद के लिए उपयुक्त हैं। ई-मेल के साथ बायोडाटा और काम के नमूनों का लिंक भी भेजें। सिर्फ नौकरी मांगने के बजाय कंपनी के उत्पाद या कारोबार के बारे में अपनी समझ और कोई उपयोगी सुझाव साझा करें। इससे सामने वाले को आपकी तैयारी और क्षमता का अंदाजा मिलता है। हर कंपनी के लिए अलग और व्यक्तिगत ई-मेल लिखें। एक ही संदेश कई कंपनियों को भेजने से बचें। जवाब नहीं मिलने पर चार से पांच दिन बाद विनम्रता से फॉलोअप भी करें। पेशेवर का कहना है कि नौकरी मांगने के बजाय कंपनी को यह वजह बताएं कि उसे आपसे बात क्यों करनी चाहिए।

पहला टेस्ट आज से

WTC फाइनल के लिए भारत को क्या करना होगा?: मोर्कल ने सिराज-बुमराह से इस चुनौती से निपटने को कहा; और क्या बोले?

वेलिंगटन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज सिर्फ एक द्विपक्षीय मुकाबला नहीं है, यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ में भारत के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का बड़ा मौका भी है। फिलहाल न्यूजीलैंड अंक तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारतीय टीम चौथे स्थान पर है। ऐसे में भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने टीम को फाइनल तक पहुंचने का एक अहम मंत्र दिया है। उनका मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों को अब अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ज्यादा मेहनत करनी होगी। जरूरत पड़ने पर तेज गेंदबाजों को अतिरिक्त ओवर करने और मुश्किल परिस्थितियों में भी टीम के लिए जिम्मेदारी उठाने को तैयार रहना होगा।





'फाइनल में पहुंचना है तो आराम के दायरे से बाहर निकलना होगा'

मोर्कल ने कहा कि भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के लिए अब खुद को पहले से ज्यादा चुनौती देनी होगी। टीम को ऐसे काम करने के लिए तैयार रहना होगा, जो शायद उसने पहले नहीं किए हैं। उन्होंने खास तौर पर तेज गेंदबाजों के लंबे स्पेल और अतिरिक्त ओवर करने की जिम्मेदारी का जिक्र किया। मोर्कल ने कहा, 'फाइनल में पहुंचने के लिए हमें अब खुद को थोड़ा और आगे बढ़ाना होगा। हमें अपने सहज दायरे से बाहर निकलकर ऐसी स्थिति में जाना होगा, जहां शायद हम पहले कभी नहीं गए हैं। अगर किसी मौके पर टीम को जरूरत हो कि कोई गेंदबाज दो या तीन ओवर अतिरिक्त करे, हवा के विपरीत गेंदबाजी करे और मुश्किल जिम्मेदारी निभाए, तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।'

वेलिंगटन की हवा और न्यूजीलैंड का निचला क्रम भी चुनौती

न्यूजीलैंड दौरे पर वेलिंगटन की तेज हवाएं भी भारतीय गेंदबाजों के लिए चुनौती बन सकती हैं। मोर्कल के मुताबिक, दोनों टीमों को इन परिस्थितियों का सामना करना होगा।
ऐसे में खिलाड़ियों को मजबूत मानसिकता के साथ मैदान पर उतरना होगा। उन्होंने कहा कि किसी एक छोर से गेंदबाज को जिम्मेदारी उठानी होगी और खिलाड़ियों की बॉडी लैंग्वेज ऐसी होनी चाहिए कि वे लगातार गेंदबाजी करने के लिए तैयार दिखें। इसके अलावा मोर्कल ने न्यूजीलैंड के निचले क्रम को भी भारत के लिए अहम चुनौती बताया।

गेंदबाजी संयोजन को लेकर मोर्कल को पूरा भरोसा

सीरीज से पहले भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी संयोजन को लेकर भी चर्चा है। जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और हाल ही में टीम में शामिल किए गए गुरनूर बराड़ जैसे विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में प्लेइंग-11 चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती हो सकता है। हालांकि, मोर्कल को उपलब्ध गेंदबाजों की क्वालिटी पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि टीम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेगी, उसमें 20 विकेट लेने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'गौतम (गंभीर) को मेरा फीडबैक यही था कि इस दौरे पर हम जिस भी गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरेंगे, हमारे पास 20 विकेट लेने के लिए पर्याप्त क्षमता है। मुझे इस पर भरोसा है। हर गेंदबाज में अलग तरह की खूबी है और सभी कुशल हैं। मेरा मानना है कि सभी खेलने के लिए तैयार हैं।' मोर्कल ने सिराज को विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने वाला गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा कि जब भी सिराज को भारतीय टीम की जर्सी में मौका मिला है, उन्होंने खुद को साबित किया है।



पिछले नतीजों की निराशा पीछे छोड़ना चाहता है भारत

मोर्कल ने स्वीकार किया कि हाल के टेस्ट नतीजों से भारतीय ड्रेसिंग रूम में निराशा रही है। उनके मुताबिक, टीम कुछ अहम खिलाड़ियों के जाने के बाद अपनी लय तलाश रही थी। हालांकि, आगामी दो टेस्ट को लेकर खिलाड़ियों के बीच बातचीत सकारात्मक रही है।
उन्होंने कहा कि टीम को पता है कि वह इससे बेहतर क्रिकेट खेल सकती है और अगले 10 से 13 दिनों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए सभी में मजबूत इच्छाशक्ति है। भारत ने डब्ल्यूटीसी के पहले दो फाइनल खेले थे और अब 2027 में द ओवल में होने वाले फाइनल में वापसी करना चाहेगा। इसके लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट भारत के अभियान में अहम साबित हो सकते हैं।

फ्रेंडली मैच में अर्जेंटीना ने कोस्टा रिका को 7-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। निको पाज, जूलियन अल्वारेज और फ्रैंको मास्टैंटुओनो के दो-दो गोल की मदद से अर्जेंटीना ने एक मैत्री मैच में कोस्टा रिका को 7-0 से हरा दिया। कोस्टा रिका ने एक तिहाई से भी कम पजेशन पर कंट्रोल किया। टीम मुश्किल से अपने अटैकिंग थर्ड में घुस पाई। गेम शुरू होने के सिर्फ सात मिनट बाद, पाज ने पेनल्टी एरिया के किनारे पर एक रिबाउंड पर झपट्टा मारा और एक शानदार



फिनिश के साथ पहला गोल किया। गोल के बाद के मिनट पूरी तरह से लियोनेल स्कालोनी की टीम के कंट्रोल में थे, जिन्होंने मिडफील्डर्स के बीच बॉल को मूव किया और विंग्स से अटैक करने की कोशिश की। इसके बावजूद, कोस्टा रिका ने एक काउंटर-अटैक के बाद कप्तान एमिलियानो मार्टिनेज को एक शानदार सेव करने पर मजबूर कर दिया। बाद में, लगभग 30 मिनट के बाद, नेशनल टीम ने एक और अच्छा अटैकिंग खेल दिखाया। कुछ देर बाद, एन्जो फर्नांडीज की एक शानदार थ्रू बॉल और गिया के विंग से नीचे दौड़ने के बाद, जूलियन अल्वारेज को पास मिला और उन्होंने मैच का दूसरा गोल किया। फिर, पाज ने एक सोलो रन बनाया, एक डिफेंडर को पीछे छोड़ते हुए, अंदर कट करते हुए, और एक जोरदार शॉट मारा जो पैट्रिक सेक्वेरा को छकाते हुए टॉप कॉर्नर में चला गया। पहला हाफ 4-0 के साथ समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद, फ्रैंको मास्टैंटुओनो ने पास के पोस्ट पर गोलकीपर को पीछे छोड़ते हुए एक लो शॉट मारा, जिससे अर्जेंटीना के लिए उनका दूसरा और पांचवां गोल हुआ।
दूसरे हाफ के बीच में, नेशनल टीम ने बॉल पर कब्जा बनाए रखा और विंग्स से अटैक किया। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पेनल्टी एरिया में दो डिफेंडरों को छकाते हुए छठा गोल किया। गेम के आखिर में, मास्टैंटुओनो ने फिर से गोल किया। गिउलिआनो शिमोन के साथ वन-टू के बाद, मिडफील्डर ने सटीकता से गोल करके 7-0 की जीत पक्की कर दी।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने बनाई एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह, बेन शेल्टन को हराया

ट्यूरिन। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने राउंड-रॉबिन मुकाबले में बेन शेल्टन को हराकर साल 2026 के एटीपी फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। जर्मन खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शेल्टन को 6-2, 7-6(4) से हराया। एक घंटे और 34 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत के साथ ही उन्होंने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली। ज्वेरेव इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग टूर्नामेंट में नौवीं बार हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, उन्होंने 2018 में



लंदन में और 2021 में ट्यूरिन में ट्रॉफी जीती थी। एटीपी के आंकड़ों के अनुसार, 2018, 2019, 2021 और 2024 के बाद यह पांचवीं बार है जब वह इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। शेल्टन, जो लगातार दूसरे साल इस सीजन-फिनाले में खेल रहे हैं, अब जॉन मैकेनरो ग्रुप में 1-1 की स्थिति में हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर फिल्स को हराकर एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की थी। अब उनका ध्यान गुरुवार को राफेल जोडार के खिलाफ होने वाले मुकाबले पर है।

फुटबॉल: भारत के खिलाफ मैच में फिलिस्तीन के खिलाड़ियों पर नस्लवाद का आरोप



नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कुआलालंपुर में खेले गए एफसी अंडर-17 एशियन कप 2027 क्वालिफायर में फिलिस्तीन को 4-1 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे को नस्लभेदी व्यवहार का सामना करना पड़ा। घटना के कैमरे में रिकॉर्ड होने के बाद भी रेफरी ने कोई एक्शन नहीं लिया। मुकाबले में भारत और फिलिस्तीन दोनों टीमें क्वालिफाइंग ग्रुप में टॉप स्पॉट के लिए लड़ रही थीं। इस वजह से दोनों टीमें एक दूसरे पर हावी होने का प्रयास कर रही थीं। इस दौरान फिलिस्तीनी खिलाड़ी बार-बार भारतीय खिलाड़ियों को शारीरिक रूप से चुनौती देने और परेशान करने की कोशिश कर रहे थे। विवाद तब बढ़ गया जब फिलिस्तीन के नंबर 19 खिलाड़ी को भारतीय कप्तान डल्लालमुऑन गंगटे के पास नाक पर पंखा झलते हुए देखा गया। इस हरकत को नस्लभेदी माना गया। लाइव ब्रॉडकास्ट में दिखने के बावजूद, मैच अधिकारियों ने इस घटना पर बिना किसी कार्रवाई के खेल जारी रहने दिया।
फिलिस्तीनी खिलाड़ी मोहम्मद जमहूर ने नौवें मिनट के आस-पास एक भारतीय खिलाड़ी को पीछे से दो बार लात मारी और फिर फुटबॉलर के जमीन पर गिरने के बाद उसके हाथ पर पैर पटक दिया। इस घटना के बाद रेफरी ने फिलिस्तीन के खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया था। मैच के दौरान इन तनावपूर्ण क्षणों को बावजूद भारतीय टीम ने अपना धैर्य नहीं खोया और शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-1 के अंतर से जोरदार जीत हासिल की।

आईसीसी रैंकिंग: टॉम बैंटन ने लगाई लंबी छलांग

अर्शदीप को मिला न्यूजीलैंड के खिलाफ दमदार प्रदर्शन का इनाम

दुबई। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम अर्शदीप सिंह को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है। वह 12 स्थान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस हफ्ते गेंदबाजी रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वाले खिलाड़ियों में अर्शदीप शामिल हैं। अफगानिस्तान के स्पिन गेंदबाज राशिद खान 50 ओवर के फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी 15 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 12वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी काइल जैमीसन 15 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बैंटन को भी ताजा रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। उन्होंने एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में जीत दिलाने वाली शतकीय पारी खेली थी। बैंटन ने 99 गेंदों पर 121 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। उनकी इस पारी की मदद से इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की और वह बल्लेबाजी रैंकिंग में 34 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके साथी खिलाड़ी जो रूट भी टॉप 10 में वापस आ गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में अर्धशतक लगाने के बाद रूट दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे में दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बने हुए हैं।



इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी वनडे गेंदबाजों की टॉप 10 सूची में वापसी की है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में एक-एक विकेट लेने के बाद, वह चार स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर आ गए हैं। इस बीच, शारजाह में जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच खेली गई कड़े मुकाबले वाली टेस्ट सीरीज (जिसे जिम्बाब्वे ने 2-0 से जीता) के बाद, दोनों टीमों के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी काफी सुधार हुआ है।
टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ। उन्होंने दूसरे और निर्णायक टेस्ट मैच में छह विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता, जिससे वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 16वें नंबर पर आ गए हैं। स्पिनर ग्रीम क्रेमर भी छह स्थान की छलांग लगाकर 65वें नंबर पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में जिम्बाब्वे के ओपनर इनोसेंट काइया 20 स्थान की छलांग लगाकर 50वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि अनुभवी ब्रेंडन टेलर 40 स्थान ऊपर चढ़कर 62वें नंबर पर आ गए हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर नसीर मारूफखिल ने अपने टेस्ट डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच की पहली पारी में शतक लगाया और सात विकेट लिए। पुरुषों के टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले वह केवल चौथे खिलाड़ी बने।

खिलाड़ियों और स्टाफ के अनुभव गोपनीय रखे जाएंगे

सीए 'सैंडपेपरगेट कांड' एक फोरम बनाएगा

होबार्ट। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घोषणा की है कि वह 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए एक इंडिपेंडेंट फोरम बनाएगा, ताकि वे अपनी गवाही दोबारा सुन सकें। बोर्ड ने कहा कि केपटाउन घटना की जांच दोबारा नहीं शुरू की जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन डेविड बून ने कहा, 'ध्यान से सोचने के बाद, सीए बोर्ड ने एक ऐसा फोरम बनाने का फैसला किया है जो 2018 में साउथ अफ्रीका की घटनाओं में शामिल खिलाड़ियों और स्टाफ को अपने अनुभव और नजरिए शेयर करने की इजाजत देगा।' उन्होंने कहा, 'हमारा मानना ??है कि यह खेल के सबसे अच्छे हित में है। लगभग एक दशक से, उन घटनाओं के नतीजे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में बातचीत का हिस्सा रहे हैं। यह कई लोगों के लिए एक मुश्किल चैप्टर रहा है और, तेजी से, चल रही बहस खेल से ध्यान भटकाने



वाली बन गई है। हमारा मानना ??है कि अब सर्किट ब्रेकर का समय आ गया है। यह फोरम अतीत पर फिर से बात करने के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के लिए एक मौका बनाने के बारे में है जो एक सम्मानजनक माहौल में अपनी कहानियां सुनाना चाहते हैं, और हमारे खेल को सुनने के लिए।'
उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट तब सबसे मजबूत होता है जब वह एकजुट होता है। हम उन सभी के प्रति जिम्मेदार हैं जो खेल से प्यार करते हैं कि हम समझ, सम्मान और नजरिए के साथ एक साथ आगे बढ़ने की हर मुमकिन कोशिश करें। एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर, मैं जानता हू कि क्रिकेट हमें सबसे जरूरी चीजों में से एक देता है, वे रिश्ते जो हम बनाते हैं और वह दोस्ती जो खेल करियर खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक बनी रहती है। मेरी उम्मीद है कि यह प्रक्रिया उन कनेक्शन को मजबूत करने में मदद कर सकता है और हमें आगे क्या होने वाला है, इस पर ध्यान देने दे सकता है।
' डेविड बून ने कहा, 'मैं सभी को प्रोत्साहित करूंगा कि वे इस प्रक्रिया को सम्मानपूर्वक और निजी तौर पर आगे बढ़ने दें। हमारा ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि खेल आगे भी बढ़ता रहे। '
क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, 'पिछले सप्ताह हमने 2018 में केपटाउन टेस्ट में जो हुआ उसके बारे में कई अलग-अलग बातें सुनी हैं। यह खेल और इससे जुड़े सभी लोगों के लिए बहुत मुश्किल और असहज समय रहा है।

स्मैट 2026: बंगाल ने झारखंड को 7 विकेट से हराया आंध्र-छत्तीसगढ़ और बिहार ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली (स्मैट) एलीट 2026 में बुधवार को बंगाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए डिफेंडिंग चैंपियन झारखंड को 7 विकेट से हराया। वहीं, बिहार, आंध्र और छत्तीसगढ़ ने भी जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ बनाम ओडिशा : ग्रुप डी के मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोबोर्ड पर 228 रन लगाए। टीम की तरफ से कप्तान विकल्प तिवारी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 56 गेंदों का सामना करते हुए 119 रनों की दमदार पारी खेली। 229 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए ओडिशा की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 177 रन ही बना सकी। टीम की ओर से सर्वाधिक 57 रन कार्तिक बिस्वाल ने बनाए। आंध्र बनाम केरल : आंध्र ने ग्रुप सी के मुकाबले में केरल को 29 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आंध्र ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 225 रन बनाए। टीम की तरफ से सीरम वेंकट राहुल ने सर्वाधिक 64 रन बनाए, जबकि शेख रशीद ने 39 गेंदों में 60 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में केरल की टीम 5 विकेट खोकर 196 रन ही बना सकी।

